



नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

लीज के आधार पर आवासीय प्रयोजनों के लिये भूमि पट्टा-विलेख

577

3-11-15

राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर - कृषि प्रयोजन के लिये उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन) नियम, 2012 के नियम 22 के अन्तर्गत भूमि का पट्टा विलेख

आवंटन/नियमन-पत्र क्रमांक 903 दिनांक 03-09-2015 के क्रम में यह पट्टा विलेख आज 2015 के माह 11 के 3 दिन को नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (जिन्हें इसके बाद नगर निकाय कह कर संबोधित किया गया है) प्रथम पक्ष एवं छगनलाल पिता कमला भील निवासी- रकमपुरा, उदयपुर (जिनको इसके पश्चात् लीजधारक (पट्टा धारक) कहकर संबोधित किया गया है) द्वितीय पक्ष तथा इस इमारत में जहां कहीं प्रसंग से वैसा अर्थ निकले उनके उत्तराधिकारी, निवाहक, प्रबन्धक, प्रतिनिधि और मुन्तकील अलैह भी सम्मिलित होंगे) के मध्य निष्पादित हुआ है।

यह विलेख सांक्षान्तिक करता है कि प्रिमियम राशि, विकास शुल्क व अन्य शुल्क की कुलिया रकम रुपये 53113/- अक्षरे तरपन हजार एक सौ तेरह रुपये मात्र की रकम के नियमन शुल्क जो लीजधारक (पट्टाधारक) के द्वारा अदा कर दी गई है और जिसकी रसीद नगर निकाय के द्वारा स्वीकार कर ली गई है और इसमें उल्लिखित शर्तों और करारों जो लीजधारक द्वारा निष्पादित तथा पालन किये जावेंगे, के एवज में नगर निकाय इनके द्वारा लीजधारक को जमीन का वह तमाम भूखण्ड (जिसे इसके बाद उक्त भूखण्ड कहकर संबोधित किया गया है) नियमन और लीज के आधार पर पुनः आवंटित करती है जो राजस्व आम धोली मगरी खसरा नम्बर 1586, 3721/1587 के योजना प्लान में स्थित हो कर भूखण्ड संख्या 14 क्षेत्रफल 945.00 वर्गफिट है और जो अपनी सीमा और क्षेत्रफल के साथ इसके अन्तर्गत लिखे गये परिशिष्ट में अधिक पूर्णरूपेण वर्णित है तथा जिसका आकार विशेष रूप से इससे संलग्न नक्शे में दिखाया गया है, और जिसे पूर्ण स्वामित्व संबंधी स्वत्वों सहित किन्तु निम्नलिखित तमाम व प्रत्येक अपवादों, संरक्षणों, प्रतिबन्धों, बन्धनों, शर्तों और करारों के अधीन पट्टेदार अपने उपयोग - उपयोग और इस्तेमाल के लिए अपने अधिकार में रखेगा, अर्थात्:-

उक्त भूखण्ड लीज पर आवंटित किया गया है। लीज की अवधि 99 वर्ष होगी।

8 वर्ष की अग्रिम एक मुश्त जमा करने पर उस क्षेत्र की आरक्षित दर के बजाय केवल नियमन राशि पर 2.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ही देय है। पट्टेदार ने 8 वर्ष की अग्रिम की राशि एक मुश्त जमा करा दी है जिसके फलस्वरूप अब यह भूखण्ड वार्षिक लीज राशि से मुक्त है।

उक्त भूखण्ड का उपयोग केवल उस पर रहने के आशय से किसी भवन या भवनों के बनवाने में ही होगा। भूखण्ड का व्यावसायिक या लाभ कमाने की दृष्टि से उपयोग किसी भी भांति नहीं किया जा सकेगा। निर्मित भूखण्ड के संबंध में राज्य सरकार के समय - समय पर प्राप्त आदेशों द्वारा प्रावधानों में प्रदत्त शिथिलता के तहत नियमन योग्य निर्माण ही नियमित किया गया है तथा नियमन अयोग्य निर्माण के संबंध में संबंधित विधियों के अनुसार कार्यवाही की जावेगी।

4- पट्टेदार द्वारा अपने भूखण्ड में निर्धारित सेटबैक छोड़ते हुए तथा न्यास के प्रचलित भवन विनियमों के प्रावधानों के अध्वधीन निर्माण कार्य कराना होगा। इसके लिए पट्टेदार द्वारा प्रस्तावित निर्माण हेतु निर्धारित आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ सशुल्क सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत कर निर्माण स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। भूखण्ड पर आवंटन/नियमन की तिथि से 7 वर्ष, या ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर जो नियम - 26 के अन्तर्गत बढ़ा दी जावे, लीजधारक के द्वारा इस भूखण्ड पर भवन का निर्माण करवाया जावेगा।

5- आवंटनी द्वारा भूखण्ड विक्रय करने पर केता द्वारा भूखण्ड का हस्तान्तरण नगर विकास प्रन्यास के नियमों के अनुसार न्यास से करवाना होगा।

6- लीजधारक उक्त भूखण्ड को आने और अन्तरित या उप-पट्टे पर दे सकेगा। उक्त नियमों में अन्तर्विष्ट निर्बंधन और शर्तों और अन्य उपबंध, यथावश्यक परिवर्तन सहित, अन्तरिती या उप-पट्टेदार पर इस प्रकार लागू होंगे मानो प्रश्नगत उक्त भूखण्ड नगर निकाय द्वारा दिया गया है या अन्तरित किया गया है। लीजधारक द्वारा मूल पट्टे की कालावधि से अधिक नहीं होगी। उप-पट्टे उक्त नियमों में विहित समस्त अन्य निर्बंधनों और शर्तों या किन्हीं पृथक, आदेशों द्वारा, जो राज्य सरकार द्वारा समय - समय पर इस निमित्त विनिर्दिष्ट मामलों में जारी किये जावें, शासित होंगे।

7- इस लीज डीड के आधार पर उक्त भूखण्ड को सरकार/जीवन बीमा निगम/शिद्दयूल बैंक/ सरकारी ऋणदात्री संस्था/एचडीएफसी/ अथवा नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा अधिकृत ऋणदात्री संस्थाओं के पास भवन निर्माण के ऋण के लिए गिरवी रखा जा सकेगा।

8- उक्त नियमों के अधीन किसी व्यक्ति के प्रति परादेय प्रिमियम या नगरीय विधारेण या न्याय, आन्तरिक/बाह्य विकास प्रभारों का कोई बकाया राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के अधीन भू-राजस्व की बकाया के रूप में लीजधारक से वसूलीय होगा।

प्राधिकृत अधिकारी
निर्देशाधिकारी
नगर विकास प्रन्यास
उदयपुर (राज.)

छगनलाल उप-पट्टेदार
उदयपुर-द्वितीय

कृपूक

9- यदि आबंटन या पट्टा विलेख के निष्पादन के पश्चात् यह पाया जाता है कि आबंटन या पट्टा विलेख विधि की दूरभिसंधि या उसके उत्तरार्ध में कथपूरण हस्तावेज के निबंधनों और शर्तों का अतिक्रमण किया गया है तो नगर निकाय उक्त भूखण्ड पर उसके किसी सन्निर्माण सहित उसे प्रतिबंधित करेगा जो सभी प्रभारों से रहित नगर निकाय में विहित समझे जायेंगे और नगर निकाय किसी भी व्यक्ति को कारित किसी भी प्रकार की चुकसावी के लिये दायी नहीं होगा।

नोट: इस भूखण्ड की निम्न की सम्पूर्ण राशि 53113/- रुपये होती है। अतएव स्टॉम्प AB543754 स्टॉम्प रुपये 100/- संख्या 01 नैसिक्त पट्टा इसके साथ लगाये जाते हैं।



भू-खण्ड विवरण	विस्तृत नाप	पट्टीस
राजस्व ग्राम	घोली मगरी	पूर्व - 21'-0"
खसरा नम्बर	1588, 3721/1587	पश्चिम - 21'-0"
क्षेत्रफल	- 945.00 वर्गफिट	उत्तर - 45'-0"
भू-खण्ड संख्या	- 14	दक्षिण - 45'-0"
		पूर्व Prop. Road 30'-0" wide
		पश्चिम P. No. 4
		उत्तर P. no. 15
		दक्षिण P. no. 13

इसके साक्षी एवं इसके पक्षकारों ने इसके बाद प्रत्येक दशा में निर्दिष्ट स्थानों और तारीखों पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

आज सन् 2015 माह 11 के 3 वें दिन को श्रीमती कीर्ति राठी सह सखन अधिकारी उदयपुर ने निम्न की उपस्थिति में न्यास उदयपुर में हस्ताक्षर किये।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर विकास प्रशासक
उदयपुर (राज.)

साक्षी :

- नाम लक्ष्मण गुर्जर
पिता का नाम श्री नारायण जी गुर्जर
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर



साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम कैलाश शर्मा
पिता का नाम श्री भगवती लाल जी
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

पट्टेदार की ओर से :

आज सन् 2015 माह के वें दिन को की उपस्थिति में उक्त श्री छगनलाल पिता कमला भील द्वारा कार्यालय, नगर विकास न्यास, उदयपुर में हस्ताक्षर किये गये।

पट्टेदार के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम स्वप्निल बाबेल
पिता का नाम श्री भूपेन्द्र बाबेल
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

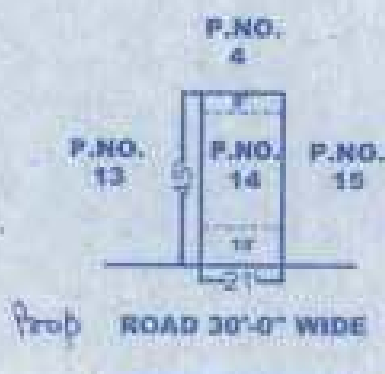
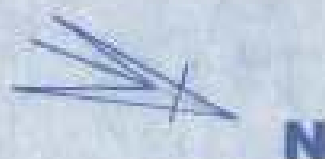
साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम दुर्गेश भीणा
पिता का नाम श्री केसुलाल जी
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

उप-पजीयक
उदयपुर-1



REF.

PLOT SIZE

21'-0"X45'-0"

PLOT AREA

945.00 SQ.FT.

उप-प्रोपरी
उदयपुर-द्वितीय



SITE PLAN OF PLOT NO. 14
1586, 3721/1587

IN K. NO.

DHOLI MAGRI

REV. VILLAGE

UDAIPUR

J. D. MAN

TRACER

Handwritten signature/initials.

SCALE
1" INCH = 50 FEET

Handwritten signature/initials.
CHECKED BY

Deputy Town Planner
U.I.T. Udaipur

Handwritten signature/initials.
प्रमाणित अधिकारी
U.I.T. UDAIPUR

URBAN IMPROVEMENT TRUST, UDAIPUR



राजस्थान RAJASTHAN



AB 543754



राजस्व शम घोली मगरी खसरा नम्बर 1586,
3721/1587 भूखण्ड संख्या 14 क्षेत्रफल 945.00
वर्गफीट के साथ संलग्न है।

[Signature]
प्राधिकृत अधिकारी
(ओ.एस.डी.)
नगर विकास प्रन्दास, उदयपुर



[Signature]

उप-पंजीयक
उदयपुर-हितीरा

आज दिनांक 5 माह November सन् 2015 को 11:38 बजे
 श्री/श्रीमती/सुश्री CHHAGAN LAL पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KAMLA Ji
 उम्र 45 वर्ष जाति BHIL व्यवसाय LABOUR
 निवासी RAKAMPURA UDR
 ने मेरे सम्मुख दस्तावेज पंजीयन हेतु प्रस्तुत किया।

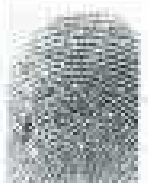
हस्ताक्षर

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता हस्ताक्षर छप पंजीयक, UDAIPUR-II
 (2015016654)
 (Lease deed for local bodies (Patta))

हस्ताक्षर फोटो अंगूठा

उक्त श्री/श्रीमती/सुश्री (Executant)
 1-CHHAGAN LAL/KAMLA Ji
 Age:45, Caste-BHIL
 Occ.-LABOUR
 R/O-RAKAMPURA UDR

हस्ताक्षर



2-SECRETARY/UIT
 Age:0, Caste-
 Occ.-
 R/O-UDR

मे लेखपत्र Lease deed for local bodies (Patta)
 को पढ़ सुन व समझकर निष्पादन करना स्वीकार किया।
 प्रतिफल राशी रु० 53113/- पूर्व में/मेरे
 समक्ष/मे से रु० 53113/-पूर्व में
 यमेरे समक्ष प्राप्त करना स्वीकार किया।



उक्त निष्पादन कर्ता की पहचान

1. श्री/श्रीमती/सुश्री MAJID KHAN
 पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री JIYARAT KHAN उम्र 55 वर्ष
 जाति MUSLIM व्यवसाय BUSINESS
 निवासी NEW COLONY GOVERDHAN VILAS UDR

हस्ताक्षर



2. श्री/श्रीमती/सुश्री DURGESH
 पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KESHU LAL Ji उम्र 37 वर्ष
 जाति MEENA व्यवसाय SERVICE
 निवासी DETYA MAGRI UDR ने की है जिनके

हस्ताक्षर



समस्त हस्ताक्षर एवं अंगूठा के निशान मेरे समक्ष लिये गये हैं।

(2015016654) छप पंजीयक, UDAIPUR-II
 (Lease deed for local bodies (Patta))

रसीद नं० 2015016848 दिनांक 05/11/2015
पंजीयन शुल्क रु० 540/-
प्रतिलिपि शुल्क रु० 300/-
पृष्ठांकन शुल्क रु० 0/-
अन्य शुल्क रु० 0/-
कमी स्टाम्प शुल्क रु० 0/-
सरमार्ज 0/-
कुल योग रु० 840/-

(2015016854) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

धारा 54 के तहत प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि इस विकय पत्र
की मालियत रुपये 53113
मानते हुए इस पर देय कमी मुद्रांक
राशि 0 पर कमी पंजीयन शुल्क
रुपये 540 कुल रुपये 840
जरिये रसीद संख्या 2015016848 दिनांक 05/11/2015
में जमा किये गये हैं।
अतः दस्तावेज को रुपये 2880
के मुद्रांको पर निष्पादित माना जाता है।

(2015016854) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))



आज दिनांक 05/11/2015 को
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 804
में पृष्ठ संख्या 12 क्रम संख्या 2015010817 पर
पंजीबद्ध किया गया तथा अतिरिक्त
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 3214
के पृष्ठ संख्या 89 से 96 पर
चस्पा किया गया।

(2015016854) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))



कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

कमांक: F.11()Regin-II / धोली नगरी / P.N. 14 / 2015 / 303

Date: 3-9-2015

आवंटन - पत्र

प्रेषिती :

श्री छगनलाल पिता कमला नील

निवासी- एकमपुरा, उदयपुर

विषय : राजस्व ग्राम धोली नगरी के खसरा संख्या 1596, 3721/1587 मूखण्ड सं 14 क्षेत्रफल 105.00 (वर्गगज) के आवंटन के संबंध में।

उपरोक्त विषय में लेख है कि राज्य सरकार के अधिसूचना कमांक F.3 (77) UDD /3/2010 दिनांक 28.08.2010 एवं राजस्थान सरकार के स्थानीय स्वायत्त शासन, नगरीय विकास और आवासन विभाग की अधिसूचना कमांक एफ.3 (50) यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 के अनुसार आप द्वारा कृषि भूमि का आवासीय प्रयोजन के लिये उपयोग कर इस प्रयोजन हेतु रुपान्तरण / नियमन हेतु आवेदन किये जाने पर विषयांकित कृषि भूमि प्राधिकृत अधिकारी (सचिव) नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के प्रकरण संख्या 30/2015 आदेश संख्या 172 से 177 में पारित आदेश दिनांक 04.08.2015 में राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क के अनुरूप राज्य सरकार के पक्ष में पुनर्ग्रहित घोषित की जा चुकी है। इस पुनर्ग्रहण आदेश से यह भूमि स्वतः नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर में निहित हो गई है।

अतः विषयांकित मूखण्ड संख्या 14 जिसका क्षेत्रफल 945.00 वर्गफीट = 105.00 वर्गगज उक्त अधिसूचना एवं जारी आदेशों की पालना में आपको 99 वर्ष की लीज होल्ड आधारों पर शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उसमें समय समय पर किये जाने वाले संशोधनों, राज्य सरकार / नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा जारी आदेशों एवं निर्देशों के अध्वधीन आवंटित / नियमित की जाती है। आपको निम्नांकित प्रकार से राशि नगर विकास प्रन्यास के कोष में इस आवंटन पत्र के 30 दिनों के अन्दर - अन्दर जमा करानी है:-

1.	राजस्थान सरकार के नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना कमांक प. 3(50)नविवि/ 03/2012 जयपुर दिनांक 21-09-2012 अनुसार कृषि भूमि के अकृषि प्रयोजनार्थ उपयोग के लिये अनुज्ञा उपरान्त आवंटन हेतु आवासीय प्रिनियम दर 38.20/- रुपये प्रति वर्गगज की दर से 105.00 वर्गगज की राशि	9261 /-रु.
2.	एकबारीय लीज राशि एक साथ 8 वर्ष की लीज राशि	7409 /-रु.
3.	मूलमूल आधारभूत संरचना क्षमर सड़क व विद्युत लाईन उपलब्ध होने से नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 10 के नोट संख्या (I) अनुसार बाह्य विकास शुल्क 100/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	14643 /-रु.
4.	आन्तरिक विकास शुल्क 140/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 5(3) के अनुसार (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	20500 /-रु.
5.	प्रकाशन व अन्य शुल्क यदि कोई हो	300 /-रु.
6.	साईट प्लान एवं डिमारकेशन शुल्क	1000 /-रु.
(अ)	कुल जमा योग्य राशि (1 - 6 तक)	53113 /-रु.
7.	राज्य सरकार की अधिसूचना कमांक एफ.3 (50) यूडीएच / 3 / 2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 अनुसार न्यास चालान नं. 8808 दिनांक 20.08.2015 से प्रिनियम दर की 10 प्रतिशत जमा राशि 48922/- रु. (मूखण्ड क्षेत्रफल अनुपात अनुसार)	2311 /-रु.
8.	मू.रु. कार्यालय में जमा राशि का चालान नं. दिनांक (-)	0 /-रु.
9.	दिनांक 31-3-2000 तक राशि रु. जमा कराने से 5 प्रतिशत छूट (-)	0 /-रु.
(ब)	कुल जमा (7 - 09 तक)	2311 /-रु.
	शुद्ध जमा योग्य राशि (अ - ब) - अक्षरे रु. पचास हजार आठ सौ दो मात्र	50802 /-रु.

आवंटन पत्र की सामान्य शर्तें एवं बाध्यताएं निम्न प्रकार हैं :-

- 1- उपरोक्त राशि आपको इस सूचना पत्र की प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर - अन्दर जमा करानी है। इस अवधि के पश्चात् शहरी भूमि निस्तारण नियमों के अनुसार ब्याज पैनाल्टी एवं निरस्तीकरण से संबंधित कार्यवाही की जायेगी।
- 2- यदि आवंटित / समर्पित एवं पुनर्ग्रहित भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित यदि कोई विवाद उत्पन्न हुआ तो उसका संपूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा। भूमि यदि किसी कारणवश या स्वामित्व के अभाव या आपके स्वामित्व के दोष के कारण आपके हाथों से निकल जायेगी तो यह आवंटन स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा और भूमि एवं उस पर निर्माण, यदि कोई है, उसे न्यास तत्काल अपने आधिपत्य में बिना मुआवजा दिये, लेने की अधिकृत होगा। साथ ही आवंटित भूमि के अतिरिक्त शेष भूमि पर आपका कोई हक व अधिकार नहीं होगा ना ही आप किसी प्रकार से अन्य कोई मुआवजा प्राप्ति के अधिकारी होंगे।
- 3- लीजडीड नई टाउनशिप पोलिसी - 2010 के प्रावधानों एवं राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ. 3 (50)यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 एवं इस अनुसरण में समय- समय पर जारी परिपत्रों, आदेशों के अनुसार जारी की जायेगी।
- 4- इस हेतु आप निर्धारित राशि के नॉन - ज्यूडिशियल स्टॉम्प सचिव, नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के नाम से प्रस्तुत करें। एकवारीय लीज राशि जमा कराने पर भविष्य में लीज राशि देय नहीं होगी।
- 5- मूखण्ड का प्लान नियमानुसार स्वीकृत कशकर स्वीकृत प्लान अनुसार निर्माण करना अनिवार्य होगा।
- 6- देय राशि क्षेत्रफल के अनुसार घटी - बढी होने पर परिवर्तनीय है।
- 7- पश्चातवर्ती किसी भी अनुक्रम पर यदि यह पाया जाता है कि यह आवंटन / नियमन प्राप्त करने में इस भूमि के खातेदारों या आवेदकों या अन्य किसी व्यक्ति ने कपटपूर्वक वास्तविक तथ्यों को छिपाया है या तथ्यों का कथन असत्य रूप से करते हुए छलपूर्वक यह आवंटन / नियमन प्राप्त किया है तो उक्त आदेश स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण यदि कोई हो उसके साथ स्वतः न्यास में निहित हो जायेंगे और तत्काल ही उस पर अधिभोग रखने वाले व्यक्ति को बिना क्षतिपूर्ति के बेदखल कर दिया जायेगा। इस संबंध में आवंटनी या उसकी पश्चातवर्ती कंटा की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
- 8- यह आवंटन इन तथ्यों के अधीन है कि आवेदक का जो अभिकथन शपथ पत्र एवं क्षतिपूर्ति बन्ध पत्र एवं आवेदन पत्र में जो कथन अंकित किये गये है वे एवं भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित सारे कथन सही एवं सत्य हैं। इसमें से किसी एक के भी असत्य पाये जाने पर यह आवंटन स्वतः निरस्त हो जायेगा।
- 9- पश्चातवर्ती अनुक्रम में राज्य सरकार के निर्देशों से अंकेक्षण या गणना की त्रुटि सुधार से कोई भी देय राशि ओर निकलती हो तो ऐसी राशि जमा कराने को आवंटनी बाध्य होगा।
- 10- उपरोक्त में से किसी एक शर्त या शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उस पर समय समय पर किये जाने वाले संशोधन, राज्य सरकार एवं न्यास के निर्देश एवं निर्णयों की पालना करने हेतु आवंटनी / कंटा बाध्य होगा। इसमें से किसी एक के ही उल्लंघन करने पर आवंटन स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण सहित भवन बिना क्षतिपूर्ति के न्यास में निहित हो जायेगा।
- 11- जिस प्रयोजन के लिये मूखण्ड नियमित / आवंटित किया गया है, उससे भिन्न प्रयोजन के लिये मूखण्ड का उपयोग नहीं लिया जा सकेगा।
- 12- "योजना में समस्त विकास कार्य योजना / निर्माणकर्ता / आवंटनी खातेदार को अपने स्तर पर कराना होगा। न्यास द्वारा मात्र बाह्य विकास शुल्क लिया गया है।

(राम निवास मेहता)

सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

प्रतिलिपि:

- 1- उप नगर नियोजक, न्यास को साईट प्लान की प्रति तैयार करने हेतु।
- 2- गार्ड फाईल।

3A
सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर



नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

लीज के आधार पर आवासीय प्रयोजनों के लिये भूमि पट्टा-विलेख

(राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर - कृषिक प्रयोजन के लिये उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन) नियम, 2012 के नियम 22 के अन्तर्गत भूमि का पट्टा विलेख)

आवंटन/नियमन-पत्र क्रमांक 902 दिनांक 09-09-2015 के क्रम में यह पट्टा विलेख आज 30/09/2015 के माह के दिन को नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (जिन्हें इसके बाद नगर निकाय कह कर संबोधित किया गया है) प्रथम पक्ष एवं श्री छगनलाल पिता कमला भील निवासी- स्कमपुरा, उदयपुर (जिनको इसके पश्चात् लीजधारक (पट्टा धारक) कहकर संबोधित किया गया है) द्वितीय पक्ष तथा इस इलाक में जहां कहीं प्रसंग से वैसा अर्थ निकले उनके उत्तराधिकारी, निर्वाहक, प्रबन्धक, प्रतिनिधि और मुन्तकील अलैह भी सम्मिलित होंगे) के मध्य निश्पादित हुआ है।

यह विलेख सांक्ष्यिकित करता है कि प्रिमियम राशि, विकास शुल्क व अन्य शुल्क की कुलिया रकम रुपये 53113/- अक्षरे तरपन हजार एक सौ तेरह रुपये मात्र की रकम के नियमन शुल्क जो लीजधारक (पट्टाधारक) के द्वारा अदा कर दी गई है और जिसकी रसीद नगर निकाय के द्वारा स्वीकार कर ली गई है और इसमें उल्लिखित शर्तों और करारों जो लीजधारक द्वारा निष्पादित तथा पालन किये जावेंगे, के एवज में नगर निकाय इनके द्वारा लीजधारक को जमीन का यह तमाम भूखण्ड (जिसे इसके बाद उक्त भूखण्ड कहकर संबोधित किया गया है) नियमन और लीज के आधार पर पुनः आवंटित करती है जो राजस्व ग्राम धोली मगरी खसरा नम्बर 1586, 3721/1587 के योजना प्लान में स्थित हो कर भूखण्ड संख्या 13 क्षेत्रफल 945.00 वर्गफिट है और जो अपनी सीमा और क्षेत्रफल के साथ इसके अन्तर्गत लिखे गये परिशिष्ट में अधिक पूर्णरूपेण वर्णित है तथा जिसका आकार विशेष रूप से इससे संलग्न नक्शे में दिखाया गया है, और जिसे पूर्ण स्वामित्व संबंधी स्वत्वों सहित किन्तु निम्नलिखित तमाम व प्रत्येक अपवादों, संरक्षणों, प्रतिबन्धों, बन्धनों, शर्तों और करारों के अधीन पट्टेदार अपने उपयोग - उपभोग और इस्तेमाल के लिए अपने अधिकार में रखेगा, अर्थात्:-

- 1- उक्त भूखण्ड लीज पर आवंटित किया गया है। लीज की अवधि 99 वर्ष होगी।
- 2- 8 वर्ष की अग्रिम एक मुश्त जमा करने पर उस क्षेत्र की आरक्षित दर के बजाय केवल नियमन राशि पर 2.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ही देय है। पट्टेदार ने 8 वर्ष की अग्रिम की राशि एक मुश्त जमा करा दी है जिसके फलस्वरूप अब यह भूखण्ड वार्षिक लीज राशि से मुक्त है।
उक्त भूखण्ड का उपयोग केवल उस पर रहने के आशय से किसी भवन या भवनों के बनवाने में ही होगा। भूखण्ड का व्यावसायिक या लाभ कमाने की दृष्टि से उपयोग किसी भी भांति नहीं किया जा सकेगा। निर्मित भूखण्ड के संबंध में राज्य सरकार के समय - समय पर प्राप्त आदेशों द्वारा प्रावधानों में प्रदत्त शिथिलता के तहत नियमन योग्य निर्माण ही विचलित किया गया है तथा नियमन अयोग्य निर्माण के संबंध में संबंधित नियमों के अनुसार कार्यवाही की जावेगी।
- 4- पट्टेदार द्वारा अपने भूखण्ड में निर्धारित सेटबैक छोड़ते हुए तथा न्यास के प्रचलित भवन विनियमों के प्रावधानों के अधधीन निर्माण कार्य कराना होगा। इसके लिए पट्टेदार द्वारा प्रस्तावित निर्माण हेतु निर्धारित आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ सशुल्क ससन अधिकारी को प्रस्तुत कर निर्माण स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। भूखण्ड पर आवंटन/नियमन की तिथि से 7 वर्ष, या ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर जो नियम - 26 के अन्तर्गत बका दी जावे, लीजधारक के द्वारा इस भूखण्ड पर भवन का निर्माण कराया जायेगा।
- 5- आवंटनी द्वारा भूखण्ड विक्रय करने पर केता द्वारा भूखण्ड का हस्तान्तरण नगर विकास प्रन्यास के नियमों के अनुसार न्यास से करवाना होगा।
- 6- लीजधारक उक्त भूखण्ड को आगे और अन्तरित या उप-पट्टे पर दे सकेगा। उक्त नियमों में अन्तर्विष्ट निर्बंधन और शर्तों और अन्य उपबंध, यथावश्यक परिवर्तन सहित, अन्तरिती या उप-पट्टेदार पर इस प्रकार लागू होंगे मानो प्रश्नगत उक्त भूखण्ड नगर निकाय द्वारा दिया गया है या अन्तरित किया गया है। लीजधारक द्वारा मूल पट्टे की कालावधि से अधिक नहीं होगी। उप-पट्टे उक्त नियमों में विहित समस्त अन्य निर्बंधनों और शर्तों या किल्ली पुथक, आदेशों द्वारा, जो राज्य सरकार द्वारा समय - समय पर इस निमित्त विनिर्दिष्ट मामलों में जारी किये जावें, शासित होंगे।
- 7- इस लीज डीह के आधार पर उक्त भूखण्ड को सरकार/जीवन बीमा निगम/शिद्दयूल बैंक/ सरकारी ऋणदात्री संस्था/एचडीएफसी/ अथवा नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा अधिकृत ऋणदात्री संस्थाओं के पास भवन निर्माण के ऋण के लिए गिरवी रखा जा सकेगा।
- 8- उक्त नियमों के अधीन किसी व्यक्ति के प्रति परादेय प्रिमियम या नगरीय निर्धारण या ब्याज, आन्तरिक/बाह्य विकास प्रभारों का कोई बकाया राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के अधीन भू-राजस्व की बकाया के रूप में लीजधारक से वसूलीय होगा।

प्राधिकृत अधिकारी
विभागाधिकारी
नगर विकास प्रन्यास
उदयपुर (राज.)

छगनलाल

उप-विलेख
उदयपुर-द्वितीय

कृ पृ के

9- यदि आबंटन या पट्टा विलेख के निष्पादन के पश्चात् यह पाया जाता है कि आबंटन या पट्टा विलेख विधि की दूरभिसंधि या उसके उल्लंघन में कपटपूर्ण दस्तावेज के निर्बंधनों और शर्तों का अतिक्रमण किया गया है तो नगर निकाय उक्त भूखण्ड पर उसके किसी सम्बन्धित सहित उसे प्रतिबंधित करेगा जो सभी प्रभारों से रहित नगर निकाय में निहित समझे जायेंगे और नगर निकाय किसी भी व्यक्ति को कारित किसी भी प्रकार की मुकदमानी के लिये दायी नहीं होगा।

नोट: इस भूखण्ड की नियमन की सम्पूर्ण राशि 53113/- रुपये होती है। अतएव स्टैम्प नं० ABS43753 स्टैम्प रुपये 100/- संख्या 01 बहसियत पट्टा इसके साथ लगाये जाते हैं।



भू-खण्ड विवरण		विस्तृत नाप		पट्टीस	
उत्पत्ति प्राग	खोली मगरी	पूर्व	- 21'-0"	पूर्व	Prop. Road 30'-0" wide
खसरा नम्बर	1588, 3721 / 1587	पश्चिम	- 21'-0"	पश्चिम	P. No. 5
क्षेत्रफल	- 945.00 वर्गफिट	उत्तर	- 45'-0"	उत्तर	P. No. 14
भू-खण्ड संख्या	- 13	दक्षिण	- 45'-0"	दक्षिण	P. no. 12

इसके साक्षी एवं इसके पक्षकारों ने इसके बाद प्रत्येक दशा में निर्देशित स्थानों और तारीखों पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

आज सन् 2015 माह के वे दिन को श्रीमती कीर्ति राठी सक्षम अधिकारी उदयपुर ने निम्न की उपस्थिति में न्यास उदयपुर में हस्ताक्षर किये।

प्राधिकृत अधिकारी
विशेषाधिकारी
सक्षम अधिकारी उदयपुर (राज.)

साक्षी :

- नाम लक्ष्मण गुर्जर
पिता का नाम श्री नारायण जी गुर्जर
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम कैलाश शर्मा
पिता का नाम श्री भगवती लाल जी
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर



साक्षी के हस्ताक्षर

पट्टेदार की ओर से :

आज सन् 2015 माह के वे दिन को की उपस्थिति में उक्त श्री छगनलाल पिता कमला भील द्वारा कार्यालय, नगर विकास न्यास, उदयपुर में हस्ताक्षर किये गये।

छगनलाल

पट्टेदार के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम स्वप्निल बाबेल
पिता का नाम श्री भूपेन्द्र बाबेल
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

स्वप्निल बाबेल

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम दुर्गेश मीणा
पिता का नाम श्री केसुलाल जी
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

उप-पंजीयक
उदयपुर-द्वितीय

साक्षी के हस्ताक्षर



राजस्थान RAJASTHAN

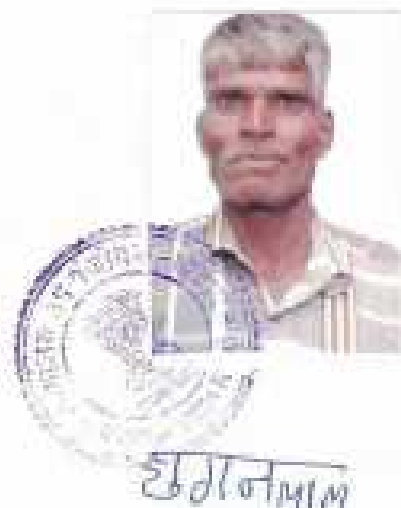


AB 543753



राजस्व ग्राम धोली मगरी खसरा नम्बर 1586,
3721/1587 भूखण्ड संख्या 13 क्षेत्रफल 945.00
वर्गफीट के साथ संलग्न है।

8/11/15
प्राधिकृत अधिकारी
(ओ.एस.डी.)
नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर



उप-मजिस्ट्रेट
उदयपुर-द्वितीय



REF.
PLOT SIZE 21'-0" X 45'-0"
PLOT AREA 945.00 SQ. FT.

उप-चनयक
उदयपुर-द्वितीय



SITE PLAN OF PLOT NO. 13
1586, 3721/1587

IN K. NO.

DHOLI MAGRI

REV. VILLAGE

UDAIPUR

न. र. न. उ.

J. D. MAN

TRACER

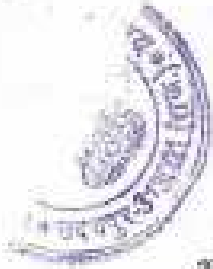
SCALE
1" INCH = 50 FEET

CHECKED BY

Deputy Town Planner
U.I.T. Udaipur

प्राधिकृत अधिकारी
U.I. विभाग, उदयपुर
नगर विकास प्रशासन

URBAN IMPROVEMENT TRUST, UDAIPUR



आज दिनांक 5 माह November सन् 2015 को 11:38 बजे
 श्री/श्रीमती/सुश्री CHHAGAN LAL पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KAMLA Ji
 उम्र 45 वर्ष, जाति BHIL व्यवसाय LABOUR
 निवासी RAKAMPURA UDR
 ने मेरे सम्मुख दस्तावेज पंजीयन हेतु प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षर

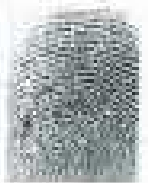
हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता हस्ताक्षर/रूप पंजीयक, UDAIPUR-II
 (2015016653)
 (Lease deed for local bodies (Patta))

हस्ताक्षर फोटो अंगूठा

उक्त श्री/श्रीमती/सुश्री (Executant)
 1-CHHAGAN LAL/KAMLA Ji
 Age:45, Caste-BHIL
 Occu-LABOUR
 R/O-RAKAMPURA UDR



हस्ताक्षर



2-SECRETARY/UIT
 Age:0, Caste-
 Occu-
 R/O-UDR

ने लेखापत्र Lease deed for local bodies (Patta)
 को पढ़ सुन व समझकर निष्पादन करना स्वीकार किया।
 प्रतिफल राशी रु0 53113/- पूर्व में/मेरे
 समक्ष/मे से रु0 53113/-पूर्व में _____
 यमेरे समक्ष प्राप्त करना स्वीकार किया।

उक्त निष्पादन कर्ता की पहचान
 1. श्री/श्रीमती/सुश्री MAJID KHAN
 पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री JIYARAT KHAN उम्र 55 वर्ष
 जाति MUSLIM व्यवसाय BUSINESS
 निवासी NEW COLONY GOVERDHAN VILAS UDR

2. श्री/श्रीमती/सुश्री DURGESH
 पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KESHU LAL Ji उम्र 37 वर्ष
 जाति MEENA व्यवसाय SERVICE
 निवासी DETYA MAGRI UDR ने की है जिनके

मे. जी. दे. रवा



समस्त हस्ताक्षर एवं अंगूठा के निशान मेरे समक्ष लिये गये हैं।

(2015016653) रूप पंजीयक, UDAIPUR-II
 (Lease deed for local bodies (Patta))

रसीद नं० 2015016847 दिनांक 05/11/2015

पंजीयन शुल्क रु० 540/-

प्रतिलिपि शुल्क रु० 300/-

पृष्ठांकन शुल्क रु० 0/-

अन्य शुल्क रु० 0/-

कमी स्टाम्प शुल्क रु० 0/-

सरचार्ज 0/-

कुल योग रु० 840/-

(2015016853) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

धारा 54 के तहत प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र
की मालियत रुपये 53113
मानते हुए इस पर देय कमी मुद्रांक
राशि 0 पर कमी पंजीयन शुल्क
रुपये 540 कुल रुपये 840
जरिये रसीद संख्या 2015016847 दिनांक 05/11/2015
में जमा किये गये हैं।
अतः दस्तावेज को रुपये 2880
के मुद्रांको पर निष्पादित माना जाता है।

(2015016853) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

आज दिनांक 05/11/2015 को
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 804
में पृष्ठ संख्या 11 क्रम संख्या 2015010816 पर
पंजिबद्ध किया गया तथा अतिरिक्त
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 3214
के पृष्ठ संख्या 81 से 88 पर
चस्पा किया गया।

(2015016853) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))





कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

कमांक: F.11()Regin-II / धोली मगरी / P.N. 13 / 2015 / 302

Date: 3-9-2015

आवंटन - पत्र

प्रेषित :

श्री छगनलाल पिता कमला भील

निवासी- एकमपुरा, उदयपुर

विषय : राजस्व ग्राम धोली मगरी के खसरा संख्या 1586, 3721/1587 मूखण्ड सं 13 क्षेत्रफल 105.00 (वर्गगज) के आवंटन के संबंध में।

उपरोक्त विषय में लेख है कि राज्य सरकार के अधिसूचना कमांक F.3 (77) UDD /3/2010 दिनांक 28.08.2010 एवं राजस्थान सरकार के स्थानीय स्वायत्त शासन, नगरीय विकास और आवासन विभाग की अधिसूचना कमांक एफ.3 (50) यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 के अनुसार आप द्वारा कृषि भूमि का आवासीय प्रयोजन के लिये उपयोग कर इस प्रयोजन हेतु रूपान्तरण / नियमन हेतु आवेदन किये जाने पर विषयांकित कृषि भूमि प्राधिकृत अधिकारी (सचिव) नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के प्रकरण संख्या 30/2015 आदेश संख्या 172 से 177 में पारित आदेश दिनांक 04.08.2015 में राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1958 की धारा 90-क के अनुरूप राज्य सरकार के पक्ष में पुनर्ग्रहित घोषित की जा चुकी है। इस पुनर्ग्रहण आदेश से यह भूमि स्वतः नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर में निहित हो गई है।

अतः विषयांकित मूखण्ड संख्या 13 जिसका क्षेत्रफल 945.00 वर्गफीट = 105.00 वर्गगज उक्त अधिसूचना एवं जारी आदेशों की पालना में आपको 99 वर्ष की लीज होल्ड आधारों पर शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उसमें समय समय पर किये जाने वाले संशोधनों, राज्य सरकार / नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा जारी आदेशों एवं निर्देशों के अध्वधीन आवंटित / नियमित की जाती है। आपको निम्नांकित प्रकार से राशि नगर विकास प्रन्यास के कोष में इस आवंटन पत्र के 30 दिनों के अन्दर - अन्दर जमा करानी है:-

1. राजस्थान सरकार के नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना कमांक प. 3(50)नविवि/ 03/2012 जयपुर दिनांक 21-08-2012 अनुसार कृषि भूमि के अकृषि प्रयोजनार्थ उपयोग के लिये अनुज्ञा उपरान्त आवंटन हेतु आवासीय प्रिनियम दर 88.20/- रुपये प्रति वर्गगज की दर से 105.00 वर्गगज की राशि	9261 /-रु.
2. एकवारीय लीज राशि एक साथ 8 वर्ष की लीज राशि	7409 /-रु.
3. मूलभूत आधारभूत संरचना ड्रामर, सड़क व विद्युत लाईन उपलब्ध होने से नई टाउनशिप पॉलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 10 के नोट संख्या (1) अनुसार बाह्य विकास शुल्क 100/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	14643 /-रु.
4. आन्तरिक विकास शुल्क 140/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (नई टाउनशिप पॉलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 5(3) के अनुसार (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	20500 /-रु.
5. प्रकाशन व अन्य शुल्क यदि कोई हो	300 /-रु.
6. साईट प्लान एवं डिमारकेशन शुल्क	1000 /-रु.
(अ) कुल जमा योग्य राशि (1 - 6 तक)	53113 /-रु.
7. राज्य सरकार की अधिसूचना कमांक एफ.3 (50) यूडीएच / 3 / 2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 अनुसार न्यास चालान नं. 8808 दिनांक 20.05.2015 से प्रिनियम दर की 10 प्रतिशत जमा राशि 48822/- रु. (मूखण्ड क्षेत्रफल अनुपात अनुसार)	2311 /-रु.
8. नू.रु. कार्यालय में जमा राशि का चालान नं. दिनांक (-)	0 /-रु.
9. दिनांक 31-3-2000 तक राशि रु. जमा कराने से 5 प्रतिशत छूट (-)	0 /-रु.
(ब) कुल जमा (7 - 9 तक)	2311 /-रु.
शुद्ध जमा योग्य राशि (अ - ब) - अक्षरे रु. पचास हजार आठ सौ दो मात्र	50802 /-रु.

आवंटन पत्र की सामान्य शर्तें एवं बाध्यताएं निम्न प्रकार हैं :-

- 1- उपरोक्त राशि आपको इस सूचना पत्र की प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर - अन्दर जमा करानी है। इस अवधि के पश्चात् शहरी भूमि निस्तारण नियमों के अनुसार ब्याज पेनाल्टी एवं निरस्तीकरण से संबंधित कार्यवाही की जायेगी।
- 2- यदि आवंटित / समर्पित एवं पुनर्ग्रहित भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित यदि कोई विवाद उत्पन्न हुआ तो उसका संपूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा। भूमि यदि किसी कारणवश या स्वामित्व के अभाव या आपके स्वामित्व के दोष के कारण आपके हाथों से निकल जायेगी तो यह आवंटन स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा और भूमि एवं उस पर निर्माण यदि कोई है, उसे न्यास तत्काल अपने आधिपत्य में बिना मुआवजा दिये, लेने को अधिकृत होगा। साथ ही आवंटित भूमि के अतिरिक्त शेष भूमि पर आपका कोई हक व अधिकार नहीं होगा ना ही आप किसी प्रकार से अन्य कोई मुआवजा प्राप्ति के अधिकारी होंगे।
- 3- लीजहोल्ड नई टाउनशिप पोलिसी - 2010 के प्रावधानों एवं राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ. 3 (50)यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 एवं इस अनुसरण में समय- समय पर जारी परिपत्रों, आदेशों के अनुसार जारी की जायेगी।
- 4- इस हेतु आप निर्धारित राशि के नॉन - ज्यूडिशियल स्टॉम्प सचिव, नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के नाम से प्रस्तुत करें। एकबारीय लीज राशि जमा कराने पर भविष्य में लीज राशि देय नहीं होगी।
- 5- भूखण्ड का प्लान नियमानुसार स्वीकृत कराकर स्वीकृत प्लान अनुसार निर्माण करना अनिवार्य होगा।
- 6- देय राशि क्षेत्रफल के अनुसार घटी - बढ़ी होने पर परिवर्तनीय है।
- 7- पश्चातवर्ती किसी भी अनुक्रम पर यदि यह पाया जाता है कि यह आवंटन / नियमन प्राप्त करने में इस भूमि के खातेदारों या आवेदकों या अन्य किसी व्यक्ति ने कथपूर्वक वास्तविक तथ्यों को छिपाया है या तथ्यों का कथन असत्य रूप से करते हुए छलपूर्वक यह आवंटन / नियमन प्राप्त किया है तो उक्त आदेश स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण यदि कोई हो उसके साथ स्वतः न्यास में निहित हो जायेगा और तत्काल ही उस पर अभिभोग रखने वाले व्यक्ति को बिना क्षतिपूर्ति के वेदखल कर दिया जायेगा। इस संबंध में आवंटनी या उसकी पश्चातवर्ती क्रेता की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
- 8- यह आवंटन इन तथ्यों के अधीन है कि आवेदक का जो अभिकथन शपथ पत्र एवं क्षतिपूर्ति बन्ध पत्र एवं आवेदन पत्र में जो कथन अंकित किये गये हैं वे एवं भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित सारे कथन सही एवं सत्य हैं। इसमें से किसी एक के भी असत्य पाये जाने पर यह आवंटन स्वतः निरस्त हो जायेगा।
- 9- पश्चातवर्ती अनुक्रम में राज्य सरकार के निर्देशों से अंकेक्षण या गणना की त्रुटि सुधार से कोई भी देय राशि ओर निकलती हो तो ऐसी राशि जमा कराने को आवंटनी बाध्य होगा।
- 10- उपरोक्त में से किसी एक शर्त या शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उस पर समय समय पर किये जाने वाले संशोधन, राज्य सरकार एवं न्यास के निर्देश एवं निर्णयों की पालना करने हेतु आवंटनी / क्रेता बाध्य होगा। इसमें से किसी एक के ही उल्लंघन करने पर आवंटन स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण सहित भवन बिना क्षतिपूर्ति के न्यास में निहित हो जायेगा।
- 11- जिस प्रयोजन के लिये भूखण्ड नियमित / आवंटित किया गया है, उससे भिन्न प्रयोजन के लिये भूखण्ड का उपयोग नहीं लिया जा सकेगा।
- 12- "योजना में समस्त विकास कार्य योजना / निर्माणकर्ता / आवंटनी खातेदार को अपने स्तर पर कराना होगा। न्यास द्वारा मात्र बाह्य विकास शुल्क लिया गया है।


(राम नियोग मेहता)
सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

प्रतिलिपि:

- 1- उप नगर नियोजक, न्यास को साईट प्लान की प्रति तैयार करने हेतु।
- 2- गार्ड फाईल।


सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर



नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

लीज के आधार पर आवासीय प्रयोजनों के लिये भूमि पट्टा-विलेख

(राजस्थान नगरीय क्षेत्र (भूमि भूमि का गैर - कृषिक प्रयोजन के लिये उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन) नियम, 2012 के नियम 22 के अन्तर्गत भूमि का पट्टा विलेख)



अवैतन/नियमन-पत्र क्रमांक 901 दिनांक 03-09-2015 के क्रम में यह पट्टा विलेख आज 03-09-2015 के माह के दिन को नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (जिन्हें इसके बाद नगर निकाय कह कर संबोधित किया गया है) प्रथम पक्ष एवं श्री छगनलाल पिता कमला भील निवासी- रकमपुरा, उदयपुर (जिनको इसके पश्चात् लीजधारक (पट्टा धारक) कहकर संबोधित किया गया है) द्वितीय पक्ष तथा इस इबास्त में जहां कहीं प्रसंग से वैसा अर्थ निकले उनके उत्तराधिकारी, निर्वाहक, प्रबन्धक, प्रतिनिधि और मुल्तकील अलौह भी सम्मिलित होंगे) के मध्य निष्पादित हुआ है।

यह विलेख संक्षेपांकित करता है कि प्रिमियम राशि, विकास शुल्क व अन्य शुल्क की कुलिया रकम रुपये 53113/- अक्षरे तरपन हजार एक सौ तेरह रुपये मात्र की रकम के नियमन शुल्क जो लीजधारक (पट्टाधारक) के द्वारा अदा कर दी गई है और जिसकी रसीद नगर निकाय के द्वारा स्वीकार कर ली गई है और इसमें उल्लिखित शर्तों और करारों जो लीजधारक द्वारा निष्पादित तथा पालन किये जावेंगे, के एवज में नगर निकाय इनके द्वारा लीजधारक को जमीन का वह तमाम भूखण्ड (जिसे इसके बाद उक्त भूखण्ड कहकर संबोधित किया गया है) नियमन और लीज के आधार पर पुनः आवंटित करती है जो राजस्व-ग्राम धोली मगरी खसरा नम्बर 1586, 3721/1587 के योजना प्लान में स्थित हो कर भूखण्ड संख्या 12 क्षेत्रफल 945.00 वर्गफिट है और जो अपनी सीमा और क्षेत्रफल के साथ इसके अन्तर्गत लिखे गये परिशिष्ट में अधिक पूर्णरूपेण वर्णित है तथा जिसका आकार विशेष रूप से इससे संलग्न नक्शे में दिखाया गया है, और जिसे पूर्ण स्वामित्व संबंधी स्वत्वों सहित किन्तु निम्नलिखित तमाम व प्रत्येक अपवादों, संरक्षणों, प्रतिबन्धों, बन्धनों, शर्तों और करारों के अधीन पट्टेदार अपने उपयोग - उपयोग और इस्तेमाल के लिए अपने अधिकार में रखेगा, अर्थात्:-

- 1- उक्त भूखण्ड लीज पर आवंटित किया गया है। लीज की अवधि 99 वर्ष होगी।
- 2- 8 वर्ष की अग्रिम एक मुश्त जमा कराने पर उस क्षेत्र की आरक्षित दर के बजाय केवल नियमन राशि पर 2.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ही देय है। पट्टेदार ने 8 वर्ष की अग्रिम की राशि एक मुश्त जमा कर दी है जिसके फलस्वरूप अब यह भूखण्ड वार्षिक लीज राशि से मुक्त है।
- 3- उक्त भूखण्ड का उपयोग केवल उस पर रहने के आशय से किसी भवन या भवनों के बनवाने में ही होगा। भूखण्ड का व्यावसायिक या लाभ कमाने की दृष्टि से उपयोग किसी भी भांति नहीं किया जा सकेगा। निर्मित भूखण्ड के संबंध में राज्य सरकार के समय - समय पर प्राप्त आदेशों द्वारा प्रावधानों में प्रदत्त शिथिलता के तहत नियमन योग्य निर्माण ही नियमित किया गया है तथा नियमन अधोग्य निर्माण के संबंध में संबंधित नियमों के अनुसार कार्यवाही की जावेगी।
- 4- पट्टेदार द्वारा अपने भूखण्ड में निर्धारित सेटबैक छोड़ते हुए तथा न्यास के प्रचलित भवन विनियमों के प्रावधानों के अधधीन निर्माण कार्य कराना होगा। इसके लिए पट्टेदार द्वारा प्रस्तावित निर्माण हेतु निर्धारित आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ सशुल्क सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत कर निर्माण स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। भूखण्ड पर आवंटन/नियमन की तिथि से 7 वर्ष, या ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर जो नियम - 26 के अन्तर्गत बका दी जावें, लीजधारक के द्वारा इस भूखण्ड पर भवन का निर्माण कराया जायेगा।
- 5- आवंटनी द्वारा भूखण्ड विक्रय करने पर केता द्वारा भूखण्ड का हस्तान्तरण नगर विकास प्रन्यास के नियमों के अनुसार न्यास से करवाना होगा।
- 6- लीजधारक उक्त भूखण्ड को आने और अन्तरित या उप-पट्टे पर दे सकेगा। उक्त नियमों में अन्तर्विष्ट निर्बंधन और शर्तों और अन्य उपबंध, तथावश्यक परिवर्तन सहित, अन्तरिती या उप-पट्टेदार पर इस प्रकार लागू होंगे मानो प्रश्नगत उक्त भूखण्ड नगर निकाय द्वारा दिया गया है या अन्तरित किया गया है। लीजधारक द्वारा मूल पट्टे की कालावधि से अधिक नहीं होगी। उप-पट्टे उक्त नियमों में विहित समस्त अन्य निर्बंधनों और शर्तों या किल्ली पुथक, आदेशों द्वारा, जो राज्य सरकार द्वारा समय - समय पर इस निमित्त विनिर्दिष्ट मामलों में जारी किये जावें, शासित होंगे।
- 7- इस लीज डीड के आधार पर उक्त भूखण्ड को सरकार/जीवन बीमा निगम/शिद्दयूल बैंक/ सरकारी ऋणदात्री संस्था/एचएडीएफसी/ अथवा नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा अधिकृत ऋणदात्री संस्थाओं के पास भवन निर्माण के ऋण के लिए गिरवी रखा जा सकेगा।
- 8- उक्त नियमों के अधीन किसी व्यक्ति के प्रति परादेय प्रिमियम या नगरीय निर्धारण या व्याज, आन्तरिक/बाह्य विकास प्रभारों का कोई बकाया राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के अधीन भू-राजस्व की बकाया के रूप में लीजधारक से वसूलीय होगा।



प्राधिकृत अधिकारी
विशेषाधिकारी
नगर विकास प्रन्यास
उदयपुर (राज.)

हस्ताक्षर

उप-पट्टेदार
उदयपुर-द्वितीय

कृपया

9- यदि आबंटन या पट्टा विलेख के विध्यादन के पश्चात् यह पाया जाता है कि आबंटन या पट्टा विलेख विधि की दूरभिसंधि या उसके उल्लंघन में कण्टपूर्ण दस्तावेज के विबंधनों और शर्तों का अतिक्रमण किया गया है तो नगर विकास उक्त भूखण्ड पर उसके किसी संस्मरण सहित उसे प्रतिसंहत करेगा जो सभी प्रभारों से रहित नगर विकास में विहित समझे जायेंगे और नगर विकास किसी भी व्यक्ति को कारित किसी भी प्रकार की नुकसानी के लिये दायी नही होगा।

नोट: इस भूखण्ड की नियमन की सम्पूर्ण राशि 53113/- रुपये होती है। अतएव स्टॉम्प AB543752 स्टॉम्प रुपये 100/- संख्या 01 बहिस्वित पट्टा इसके साथ लगाये जाते हैं।

भू-खण्ड विवरण	विस्तृत नाप	पट्टीस
राजस्व ग्राम	धोली मगरी	पूर्व - 21'-0"
खसरा नम्बर	1588, 3721/1587	पश्चिम - 21'-0"
क्षेत्रफल	- 945.00 वर्गफिट	उत्तर - 45'-0"
भू-खण्ड संख्या	- 12	दक्षिण - 45'-0"
		पट्टीस Prop. Road 30'-0" wide
		P. No. 6
		P. No. 13
		P. No. 11

इसके साक्षी एवं इसके पक्षकारों ने इसके बाद प्रत्येक दशा में निर्देशित स्थानों और तारीखों पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

आज सन् 2015 माह 11 के 3 वे दिन को श्रीमती कीर्ति राठी सहित अधिकारी उदयपुर ने निम्न की उपस्थिति में न्यास उदयपुर में हस्ताक्षर किये।

प्राधिकृत अधिकारी
विशेषाधिकारी
न्यास उदयपुर (राज.)

साक्षी :

- नाम लक्ष्मण गुर्जर
पिता का नाम श्री नारायण जी गुर्जर
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर



साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम कैलाश शर्मा
पिता का नाम श्री भगवती लाल जी
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

पट्टेदार की ओर से :

आज सन् 2015 माह के वे दिन को श्री छगनलाल पिता कमला भील द्वारा कार्यालय, नगर विकास न्यास, उदयपुर में हस्ताक्षर किये गये।

पट्टेदार के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम स्वप्निल बाबेल
पिता का नाम श्री भूपेन्द्र बाबेल
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम दुर्गा शर्मा
पिता का नाम श्री केसुलाल जी
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

उप-पंजीयक
उदयपुर-दिल्ली

3



राजस्थान RAJASTHAN



AB 543752



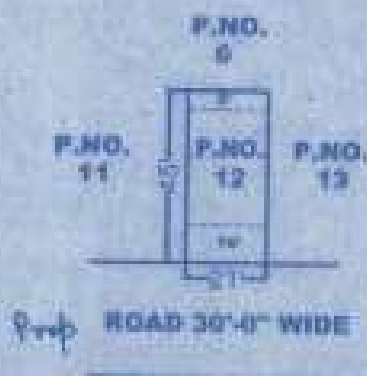
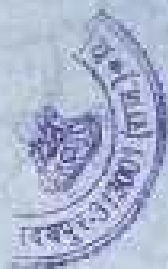
राजस्थान ग्राम घोली मगरी खसरा नम्बर 1586,
 3721/1587 मुख्यण्ड संख्या 12 क्षेत्रफल 945.00
 वर्गफीट के साथ संलग्न है ।



हरमलमल

[Signature]
 प्राधिकृत अधिकारी
 (ओ.एस.डी.)
 नगर विकास प्रन्चास, उदयपुर

उपस्थितियक
 उदयपुर-द्वितीय



REF.

PLOT SIZE

21'-0" X 45'-0"

PLOT AREA

945.00 SQ.FT.

उप-पंजीयक
उदयपुर-डिप्टी



SITE PLAN OF PLOT NO. 12
IN K. NO. 1585, 3721/1587

REV. VILLAGE

DHOLI MAGRI

UDAIPUR

J. D. MAN

TRACER

SCALE
1" INCH = 50 FEET

CHECKED BY

Deputy Town Planner
U.I.T. Udaipur

U.I.T. UDAIPUR

URBAN IMPROVEMENT TRUST, UDAIPUR



आज दिनांक 5 माह November सन् 2015 को 11:38 बजे
श्री/श्रीमती/सुश्री CHHAGAN LAL पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KAMLA Ji
उम्र 45 वर्ष जाति BHIL व्यवसाय LABOUR
निवासी RAKAMPURA UDR
ने मेरे सम्मुख दस्तावेज पंजीयन हेतु प्रस्तुत किया।

CHHAGAN LAL

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता
(2015018652)

हस्ताक्षर उप पंजीयक, UDAIPUR-II

(Lease deed for local bodies (Patta))

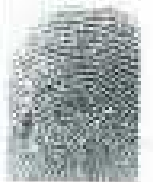
हस्ताक्षर

फोटो

अंगूठा

उक्त श्री/श्रीमती/सुश्री (Executant)
1-CHHAGAN LAL/KAMLA Ji
Age:45, Caste-BHIL
Occ.-LABOUR
R/O-RAKAMPURA UDR

CHHAGAN LAL



2-SECRETARY/UIT
Age:0, Caste-
Occ.-
R/O-UDR



ने लेख्यपत्र Lease deed for local bodies (Patta)
को पढ़ सुन व समझकर निष्पादन करना स्वीकार किया।
प्रतिफल राशी रु0 53113/- पूर्व में/मेरे
समक्ष/मे से रु0 53113/-पूर्व में
यमेरे समक्ष प्राप्त करना स्वीकार किया।

उक्त निष्पादन कर्ता की पहचान

1. श्री/श्रीमती/सुश्री MAJID KHAN
पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री JIYARAT KHAN उम्र 55 वर्ष
जाति MUSLIM व्यवसाय BUSINESS
निवासी NEW COLONY GOVERDHAN VILAS UDR

2. श्री/श्रीमती/सुश्री DURGESH
पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KESHU LAL Ji उम्र 37 वर्ष
जाति MEENA व्यवसाय SERVICE
निवासी DETYA MAGRI UDR ने की है जिनके

समस्त हस्ताक्षर एवं अंगूठा के निशान मेरे समक्ष लिये गये हैं।

(2015018652)

उप पंजीयक, UDAIPUR-II

(Lease deed for local bodies (Patta))

MAJID KHAN



रसीद नं० 2015016848 दिनांक 05/11/2015
पंजीयन शुल्क ₹0 540/-
प्रतिलिपि शुल्क ₹0 300/-
पृष्ठांकन शुल्क ₹0 0/-
अन्य शुल्क ₹0 0/-
कमी स्टाम्प शुल्क ₹0 0/-
सरचार्ज 0/-
कुल योग ₹0 840/-

(2015016852) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

धारा 54 के तहत प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र
की मालिकता रुपये 53113
मानते हुए इस पर देय कमी मुद्रांक
राशि 0 पर कमी पंजीयन शुल्क
रुपये 540 कुल रुपये 840
जरिये रसीद संख्या 2015016848 दिनांक 05/11/2015
में जमा किये गये हैं।
अतः दस्तावेज को रुपये 2880
के मुद्रांकों पर निष्पादित माना जाता है।

(2015016852) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))



आज दिनांक 05/11/2015 को
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 804
में पृष्ठ संख्या 10 क्रम संख्या 2015010815 पर
पंजिबद्ध किया गया तथा अतिरिक्त
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 3214
के पृष्ठ संख्या 73 से 80 पर
बर्षा किया गया।

(2015016852) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))



कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

पंजीकृत पावती-पत्र

कमांक: F.11()Regin-II / घोली नगरी / P.N. 12 / 2015 / 90/

Date: 3-9-2015

आवंटन - पत्र

प्रेषित :

श्री छगनलाल पिता कमला भील

निवासी- रकमपुरा, उदयपुर

विषय : राजस्व ग्राम घोली नगरी के त्वसरा संख्या 1586, 3721/1587 मूखण्ड सं 12 क्षेत्रफल 105.00 (वर्गगज) के आवंटन के संबंध में।

उपरोक्त विषय में लेख है कि राज्य सरकार के अधिसूचना कमांक F.3 (77) UDD /3/2010 दिनांक 28.08.2010 एवं राजस्थान सरकार के स्थानीय स्वायत्त शासन, नगरीय विकास और आवासन विभाग की अधिसूचना कमांक एफ.3 (50) यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 के अनुसार आप द्वारा कृषि भूमि का आवासीय प्रयोजन के लिये उपयोग कर इस प्रयोजन हेतु रूपान्तरण / नियमन हेतु आवेदन किये जाने पर विषयांकित कृषि भूमि प्राधिकृत अधिकारी (सचिव) नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के प्रकरण संख्या 30/2015 आदेश संख्या 172 से 177 में पारित आदेश दिनांक 04.08.2015 में राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क के अनुरूप राज्य सरकार के पक्ष में पुनर्ग्रहित घोषित की जा चुकी है। इस पुनर्ग्रहण आदेश से यह भूमि स्वतः नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर में निहित हो गई है।

अतः विषयांकित मूखण्ड संख्या 12 जिसका क्षेत्रफल 945.00 वर्गफीट = 105.00 वर्गगज उक्त अधिसूचना एवं जारी आदेशों की पालना में आपको 99 वर्ष की लीज होल्ड आधारों पर शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उसमें समय समय पर किये जाने वाले संशोधनों, राज्य सरकार / नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा जारी आदेशों एवं निर्देशों के अध्वधीन आवंटित / नियमित की जाती है। आपको निम्नांकित प्रकार से राशि नगर विकास प्रन्यास के कोष में इस आवंटन पत्र के 30 दिनों के अन्दर - अन्दर जमा करानी है-

1.	राजस्थान सरकार के नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना कमांक प. 3(50)नविधि/ 03/2012 जयपुर दिनांक 21-09-2012 अनुसार कृषि भूमि के अकृषि प्रयोजनार्थ उपयोग के लिये अनुज्ञा उपरान्त आवंटन हेतु आवासीय प्रिमियम दर 88.20/- रुपये प्रति वर्गगज की दर से 105.00 वर्गगज की राशि	9261 /-रु
2.	एकवारीय लीज राशि एक साथ 8 वर्ष की लीज राशि	7409 /-रु
3.	मूलभूत आधारभूत संरचना जल, राबक व विद्युत लाईन उपलब्ध होने से नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 10 के नोट संख्या (I) अनुसार बाह्य विकास शुल्क 100/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	14643 /-रु
4.	आन्तरिक विकास शुल्क 140/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 5(3) के अनुसार (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	20500 /-रु
5.	प्रकाशन व अन्य शुल्क यदि कोई हो	300 /-रु
6.	साईट प्लान एवं डिमांडेशन शुल्क	1000 /-रु
(अ)	कुल जमा योग्य राशि (1 - 6 तक)	53113 /-रु
7.	राज्य सरकार की अधिसूचना कमांक एफ.3 (50) यूडीएच / 3 / 2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 अनुसार न्यास चालान नं. 8608 दिनांक 20.05.2015 से प्रिमियम दर की 10 प्रतिशत जमा राशि 48922/- रु. (मूखण्ड क्षेत्रफल अनुपात अनुसार)	2311 /-रु
8.	भू.रु. कार्यालय में जमा राशि का चालान नं..... दिनांक (-)	0 /-रु
9.	दिनांक 31-3-2000 तक राशि रु..... जमा कराने से 5 प्रतिशत छूट (-)	0 /-रु
(ब)	कुल जमा (7 - 09 तक)	2311 /-रु
	कुल जमा योग्य राशि (अ - ब) - अक्षरे रु. पचास हजार आठ सौ दो मात्र	50802 /-रु

आवंटन पत्र की सामान्य शर्तें एवं बाध्यताएं निम्न प्रकार हैं :-

- 1- उपरोक्त राशि आपको इस सूचना पत्र की प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर - अन्दर जमा करानी है। इस अवधि के पश्चात् शहरी भूमि निस्तारण नियमों के अनुसार ब्याज पेनाल्टी एवं निरस्तीकरण से संबंधित कार्यवाही की जायेगी।
- 2- यदि आवंटित / समर्पित एवं पुनर्ग्रहित भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित यदि कोई विवाद उत्पन्न हुआ तो उसका संपूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा। भूमि यदि किसी कारणवश या स्वामित्व के अभाव या आपके स्वामित्व के दोष के कारण आपके हाथों से निकल जायेगी तो यह आवंटन स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा और भूमि एवं उस पर निर्माण, यदि कोई है, उसे न्यास तत्काल अपने आधिपत्य में बिना मुआवजा दिये, लेने को अधिकृत होगा। साथ ही आवंटित भूमि के अतिरिक्त शेष भूमि पर आपका कोई हक व अधिकार नहीं होगा ना ही आप किसी प्रकार से अन्य कोई मुआवजा प्राप्ति के अधिकारी होंगे।
- 3- लीजडीड नई टाउनशिप पोलिसी - 2010 के प्रावधानों एवं राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ. 3 (50)बूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 एवं इस अनुसरण में समय- समय पर जारी परिपत्रों, आदेशों के अनुसार जारी की जायेगी।
- 4- इस हेतु आप निर्धारित राशि के नॉन - ज्यूडिशियल स्टैम्प सचिव, नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के नाम से प्रस्तुत करें। एकद्वारीय लीज राशि जमा कराने पर भविष्य में लीज राशि देय नहीं होगी।
- 5- भूखण्ड का प्लान नियमानुसार स्वीकृत कराकर स्वीकृत प्लान अनुसार निर्माण करना अनिवार्य होगा।
- 6- देय राशि क्षेत्रफल के अनुसार घटी - बढी होने पर परिवर्तनीय है।
- 7- पश्चातवर्ती किसी भी अनुक्रम पर यदि यह पाया जाता है कि यह आवंटन / नियमन प्राप्त करने में इस भूमि के खातेदारों या आवेदकों या अन्य किसी व्यक्ति ने कपटपूर्वक वास्तविक तथ्यों को छिपाया है या तथ्यों का कथन असत्य रूप से करते हुए छलपूर्वक यह आवंटन / नियमन प्राप्त किया है तो उक्त आदेश स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण यदि कोई हो उसके साथ स्वतः न्यास में निहित हो जायेंगे और तत्काल ही उस पर अधिभोग रखने वाले व्यक्ति को बिना क्षतिपूर्ति के बेदखल कर दिया जायेगा। इस संबंध में आवंटनी या उसकी पश्चातवर्ती कंता की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
- 8- यह आवंटन इन तथ्यों के अधीन है कि आवेदक का जो अभिकथन शपथ पत्र एवं क्षतिपूर्ति बन्ध पत्र एवं आवेदन पत्र में जो कथन अंकित किये गये है वे एवं भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित सारे कथन सही एवं सत्य हैं। इसमें से किसी एक के भी असत्य पाये जाने पर यह आवंटन स्वतः निरस्त हो जायेगा।
- 9- पश्चातवर्ती अनुक्रम में राज्य सरकार के निर्देशों से अंकेक्षण या गणना की त्रुटि सुधार से कोई भी देय राशि ओर निकलती हो तो ऐसी राशि जमा कराने को आवंटनी बाध्य होगा।
- 10- उपरोक्त में से किसी एक शर्त या शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उस पर समय समय पर किये जाने वाले संशोधन, राज्य सरकार एवं न्यास के निर्देश एवं निर्णयों की पालना करने हेतु आवंटनी / कंता बाध्य होगा। इसमें से किसी एक के ही उल्लंघन करने पर आवंटन स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण सहित भवन बिना क्षतिपूर्ति के न्यास में निहित हो जायेगा।
- 11- जिस प्रयोजन के लिये भूखण्ड नियमित / आवंटित किया गया है, उससे भिन्न प्रयोजन के लिये भूखण्ड का उपयोग नहीं लिया जा सकेगा।
- 12- योजना में समस्त विकास कार्य योजना / निर्माणकर्ता / आवंटनी खातेदार को अपने स्तर पर कराना होगा। न्यास द्वारा मात्र बाह्य विकास शुल्क लिया गया है।

(राम निवास मेहता)

सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

प्रतिलिपि:

- 1- उप नगर नियोजक, न्यास को साईट प्लान की प्रति तैयार करने हेतु।
- 2- गार्ड फाईल।

सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर



नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

574
3-11-15

लीज के आधार पर आवासीय प्रयोजनों के लिये भूमि पट्टा-विलेख

राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर - कृषिक प्रयोजन के लिये उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन) नियम, 2012 के नियम 22 के अन्तर्गत भूमि का पट्टा विलेख)



आवंटन/नियमन-पत्र क्रमांक 900 दिनांक 03-09-2015 के क्रम में यह पट्टा विलेख आज 03-11-2015 के माह 11 के 11 दिनों के नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (जिन्हें इसके बाद नगर निकाय कह कर संबोधित किया गया है) प्रथम पक्ष एवं श्री छगनलाल पिता कमला भील निवासी- रकमपुरा, उदयपुर (जिनको इसके अन्वयात् लीजधारक (पट्टा धारक) कहकर संबोधित किया गया है) द्वितीय पक्ष तथा इस इमारत में जहाँ कहीं प्रसंग से वैसा अर्थ निकले उनके उत्तराधिकारी, निर्वाहक, प्रबन्धक, प्रतिनिधि और मुन्ताकील अलैह भी सम्मिलित होंगे) के मध्य निश्चादित हुआ है।

यह विलेख साक्ष्यांकित करता है कि प्रिमियम राशि, विकास शुल्क व अन्य शुल्क की कुलिया रकम रुपये 53113/- अक्षरे तरपन हजार एक सौ तेरह रुपये मात्र की रकम के नियमन शुल्क जो लीजधारक (पट्टाधारक) के द्वारा अदा कर दी गई है और जिसकी रसीद नगर निकाय के द्वारा स्वीकार कर ली गई है और इसमें उल्लिखित शर्तों और करारों जो लीजधारक द्वारा निष्पादित तथा पालन किये जावेंगे, के एवज में नगर निकाय इनके द्वारा लीजधारक को जमीन का वह तमाम भूखण्ड (जिसे इसके बाद उक्त भूखण्ड कहकर संबोधित किया गया है) नियमन और लीज के आधार पर पुनः आवंटित करती है जो राजस्व ग्राम धौली मजरी ससरा नम्बर 1586, 3721/1587 के योजना प्लान में स्थित हो कर भूखण्ड संख्या 11 क्षेत्रफल 945.00 वर्गफिट है और जो अपनी सीमा और क्षेत्रफल के साथ इसके अन्तर्गत लिखे गये परिशिष्ट में अधिक पूर्णरूपेण वर्णित है तथा जिसका आकार विशेष रूप से इससे संलग्न नक्शे में दिखाया गया है, और जिसे पूर्ण स्वामित्व संबंधी स्वत्वों सहित किन्तु निम्नलिखित तमाम व प्रत्येक अपवादों, संरक्षणों, प्रतिबन्धों, बन्धनों, शर्तों और करारों के अधीन पट्टेदार अपने उपयोग - उपयोग और इस्तेमाल के लिए अपने अधिकार में रखेगा, अर्थात्:-

- उक्त भूखण्ड लीज पर आवंटित किया गया है। लीज की अवधि 99 वर्ष होगी।
- 8 वर्ष की अंतिम एक मुश्त जमा कराने पर उस क्षेत्र की आरक्षित दर के बजाय केवल नियमन राशि पर 2.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ही देय है। पट्टेदार ने 8 वर्ष की अंतिम की राशि एक मुश्त जमा करा दी है जिसके फलस्वरूप अब यह भूखण्ड वार्षिक लीज राशि से मुक्त है।
- उक्त भूखण्ड का उपयोग केवल उस पर रहने के आशय से किसी भवन या भवनों के बनवाने में ही होगा। भूखण्ड का व्यावसायिक या लाभ कमाने की दृष्टि से उपयोग किसी भी भाँति नहीं किया जा सकेगा। निर्मित भूखण्ड के संबंध में राज्य सरकार के समय - समय पर प्राप्त आदेशों द्वारा प्रावधानों में प्रदत्त शिथिलता के तहत नियमन बोर्ड निर्माण ही नियमित किया गया है तथा नियमन अयोग्य निर्माण के संबंध में संबंधित नियमों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- पट्टेदार द्वारा अपने भूखण्ड में निर्धारित सेटबैक छोड़ते हुए तथा न्यास के प्रचलित भवन विनियमों के प्रावधानों के अधीन निर्माण कार्य कराना होगा। इसके लिए पट्टेदार द्वारा प्रस्तावित निर्माण हेतु निर्धारित आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ सशुल्क सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत कर निर्माण स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। भूखण्ड पर आवंटन/नियमन की तिथि से 7 वर्ष, या ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर जो नियम - 26 के अन्तर्गत बढ़ा दी जावे, लीजधारक के द्वारा इस भूखण्ड पर भवन का निर्माण कराया जायेगा।
- आवंटी द्वारा भूखण्ड विक्रय करने पर केता द्वारा भूखण्ड का हस्तान्तरण नगर विकास प्रन्यास के नियमों के अनुसार न्यास से करवाना होगा।
- लीजधारक उक्त भूखण्ड को आगे और अन्तरित या उप-पट्टे पर दे सकेगा। उक्त नियमों में अन्तर्विष्ट विबंधन और शर्तों और अन्य उपबंध, यथावश्यक परिवर्तन सहित, अन्तरिती या उप-पट्टेदार पर इस प्रकार लागू होंगे मानो प्रसंगत उक्त भूखण्ड नगर निकाय द्वारा दिया गया है या अन्तरित किया गया है। लीजधारक द्वारा मूल पट्टे की कालावधि से अधिक नहीं होगी। उप-पट्टे उक्त नियमों में विहित समस्त अन्य विबंधनों और शर्तों या किन्हीं पृथक्, आदेशों द्वारा, जो राज्य सरकार द्वारा समय - समय पर इस निमित्त विनिर्दिष्ट जागलों में जारी किये जायें, शासित होंगे।
- इस लीज हीट के आधार पर उक्त भूखण्ड को सरकार/जीवन बीमा निगम/शिद्दयूल बैंक/ सरकारी आगवानी संस्था/एचडीएफसी अथवा नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा अधिकृत आगवानी संस्थाओं के पास भवन निर्माण के ऋण के लिए गिरवी रखा जा सकेगा।
- उक्त नियमों के अधीन किसी व्यक्ति को प्रति परादेय प्रिमियम या नगरीय निर्धारण या व्याज, आन्तरिक/बाह्य विकास प्रभारों का कोई बकाया राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के अधीन भू-राजस्व की बकाया के रूप में लीजधारक से चुकाया जायेगा।

प्राधिकृत अधिकारी
विनियामक
नगर विकास प्रन्यास
उदयपुर (राज.)

छगनलाल

उप-पट्टेदार
उदयपुर-द्वितीय

कुं 574

9- यदि आबंटन या पट्टा विलेख के निष्पादन के पश्चात् यह पाया जाता है कि आबंटन या पट्टा विलेख विधि की दृष्टिसंघि या उसके उल्लंघन में कथपूरण दस्तावेज के निबंधनों और शर्तों का अतिक्रमण किया गया है तो नगर निकाय उक्त भूखण्ड पर उसके किसी सम्मिलित सहित उसे प्रतिबंधित करेगा जो सभी प्रभारों से रहित नगर निकाय में लिहित समझे जायेंगे और नगर निकाय किसी भी व्यक्ति को कारित किसी भी प्रकार की बुकसानी के लिये दायी नहीं होगा।

नोट: इस भूखण्ड की नियमन की सम्पूर्ण शर्तें 53113/- रुपये होती है। अतएव स्टॉम्प AB543751 स्टॉम्प रुपये 100/- संख्या 01 बहिस्तित पट्टा इसके साथ लगाये जाते हैं।



भू-खण्ड विवरण	विस्तृत नाप	पट्टीस
राजस्व ग्राम	घोली मगरी	पूर्व - 21'-0"
खसरा नम्बर	1586, 3721 / 1587	पश्चिम - 21'-0"
क्षेत्रफल	- 945.00 वर्गफिट	उत्तर - 45'-0"
भू-खण्ड संख्या	- 11	दक्षिण - 45'-0"
		पट्टीस P. No. 7
		P. No. 12
		P. No. 9, 10

इसके साक्षी एवं इसके पक्काशों ने इसके बाद प्रत्येक दशा में निर्देशित स्थानों और तारीखों पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

आज सन् 2015 माह 11 के 7 वे दिन को श्रीमती कीर्ति राठीड सक्कन अधिकारी उदयपुर ने निम्न की उपस्थिति में न्यास उदयपुर में हस्ताक्षर किये।

प्राधिकृत अधिकारी
विशेषाधिकारी
सक्कन अधिकारी के हस्ताक्षर
उदयपुर (राज.)

साक्षी :

- नाम लक्ष्मण गुर्जर
पिता का नाम श्री नारायण जी गुर्जर
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम कैलाश शर्मा
पिता का नाम श्री भगवती लाल जी
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

पट्टेदार की ओर से :

आज सन् 2015 माह के वे दिन को की उपस्थिति में उक्त श्री छगनलाल पिता कमला भील द्वारा कार्यालय, नगर विकास न्यास, उदयपुर में हस्ताक्षर किये गये।

पट्टेदार के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम रमणिल बाबेल
पिता का नाम श्री भूपेन्द्र बाबेल
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम दुर्गेश मीना
पिता का नाम श्री केशुलाल जी
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

उप-पंजीयक
उदयपुर-1



राजस्थान RAJASTHAN

AB 543751



राजस्थान ग्राम धोली मगरी खसरा नम्बर 1586,

3721/1587 भूखण्ड संख्या 11 क्षेत्रफल 945.00

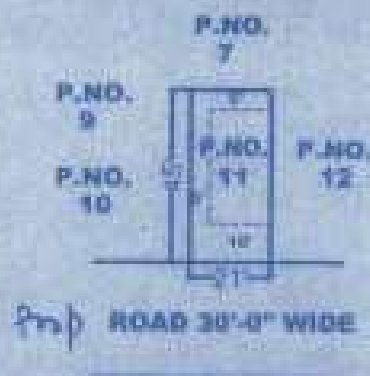
वर्गफीट के साथ संलग्न है ।

2.8.15
प्राधिकृत अधिकारी
(ओ.एस.डी.)

नगर विकास प्रन्सास, उदयपुर



उप-पंजीयक
उदयपुर-द्वितीय



REF.

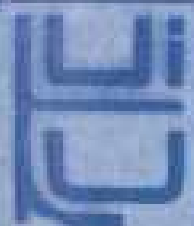
PLOT SIZE

21'-0" X 45'-0"

PLOT AREA

945.00 SQ.FT.

उप विभागा
उदयपुर-हिमाचल



SITE PLAN OF PLOT NO. 11

1586, 3721/1587

IN K. NO.

DHOLI MAGRI

REV. VILLAGE

UDAIPUR

न. वि. उ. म.

J. D. MAN

TRACER

30/11/15

SCALE
1" INCH = 50 FEET

CHAI
2/11/15

CHECKED BY

Deputy Town Planner
U.I.T. Udaipur

प्रमाणित अधिकारी
U. वि. उ. म. हिमाचल

URBAN IMPROVEMENT TRUST, UDAIPUR



आज दिनांक 5 माह November सन् 2015 को 11:38 बजे
श्री/श्रीमती/सुश्री CHHAGAN LAL पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KAMLA Ji
उम्र 45 वर्ष, जाति BHIL व्यवसाय LABOUR
निवासी RAKAMPURA UDR
ने मेरे सम्मुख दस्तावेज पंजीयन हेतु प्रस्तुत किया।

CHHAGAN LAL

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता
(2015016651)

हस्ताक्षर उप पंजीयक, UDAIPUR-II

(Lease deed for local bodies (Patta))

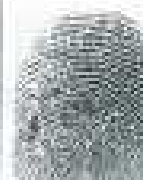
हस्ताक्षर

फोटो

अंगूठा

उक्त श्री/श्रीमती/सुश्री (Executant)
1-CHHAGAN LAL/KAMLA Ji
Age:45, Caste-BHIL
Ocu.-LABOUR
R/O-RAKAMPURA UDR

CHHAGAN LAL



2-SECRETARY/UIT
Age:0, Caste-
Ocu.-
R/O-UDR

ने लेख्यपत्र Lease deed for local bodies (Patta)
को पढ़ सुन व समझकर निष्पादन करना स्वीकार किया।
प्रतिफल राशी रु0 53113/- पूर्व में/मेरे
समक्ष/मे से रु0 53113/-पूर्व में _____
यमेरे समक्ष प्राप्त करना स्वीकार किया।



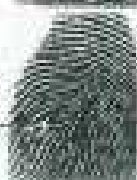
उक्त निष्पादन कर्ता की पहचान
1. श्री/श्रीमती/सुश्री MAJID KHAN
पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री JIYARAT KHAN उम्र 55 वर्ष
जाति MUSLIM व्यवसाय BUSINESS
निवासी NEW COLONY GOVERDHAN VILAS UDR

MAJID KHAN



2. श्री/श्रीमती/सुश्री DURGESH
पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KESHU LAL Ji उम्र 37 वर्ष
जाति MEENA व्यवसाय SERVICE
निवासी DETYA MAGRI UDR ने की है जिनके

KESHU LAL Ji



समस्त हस्ताक्षर एवं अंगूठा के निशान मेरे समक्ष लिये गये हैं।

(2015016651)

(Lease deed for local bodies (Patta))

उप पंजीयक, UDAIPUR-II

रसीद नं० 2015016849 दिनांक 05/11/2015
पंजीयन शुल्क रु० 540/-
प्रतिलिपि शुल्क रु० 300/-
पृष्ठांकन शुल्क रु० 0/-
अन्य शुल्क रु० 0/-
कमी स्टाम्प शुल्क रु० 0/-
सरचार्ज 0/-
कुल योग रु० 840/-

(2015016851) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

धारा 54 के तहत प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र
की मालियत रूपये 53113
मानते हुए इस पर देय कमी मुद्रांक
राशि 0 पर कमी पंजीयन शुल्क
रुपये 540 कुल रूपये 840
जरिये रसीद संख्या 2015016849 दिनांक 05/11/2015
में जमा किये गये हैं।
अतः दस्तावेज को रूपये 2860
के मुद्रांकों पर निष्पादित माना जाता है।

(2015016851) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

आज दिनांक 05/11/2015 को
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 804
में पृष्ठ संख्या 9 क्रम संख्या 2015010814 पर
पंजिबद्ध किया गया तथा अतिरिक्त
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 3214
के पृष्ठ संख्या 66 से 72 पर
बत्ता किया गया।



(2015016851) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))



कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: P.11()Regin-II / घोली मगरी / P.N. 11 / 2015 / 900

Date : 3 - 9 - 2015

आवंटन - पत्र

प्रेषित :

श्री छगनलाल पिता कमला भील

निवासी- एकमपुरा, उदयपुर

विषय : राजस्व ग्राम घोली मगरी के खसरा संख्या 1586, 3721/1587 मूखण्ड सं 11 क्षेत्रफल 105.00 (वर्गगज) के आवंटन के संबंध में।

उपरोक्त विषय में लेख है कि राज्य सरकार के अधिसूचना क्रमांक F.3 (77) UDD /3/2010 दिनांक 28.08.2010 एवं राजस्थान सरकार के स्थानीय स्वायत्त शासन, नगरीय विकास और आवासन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ.3 (50) यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 के अनुसार आप द्वारा कृषि भूमि का आवासीय प्रयोजन के लिये उपयोग कर इस प्रयोजन हेतु रुपान्तरण / नियमन हेतु आवेदन किये जाने पर विषयांकित कृषि भूमि प्राधिकृत अधिकारी (सचिव) नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के प्रकरण संख्या 30/2015 आदेश संख्या 172 से 177 में पारित आदेश दिनांक 04.08.2015 में राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1958 की धारा 90-क के अनुरूप राज्य सरकार के पक्ष में पुनर्ग्रहित घोषित की जा चुकी है। इस पुनर्ग्रहण आदेश से यह भूमि स्वतः नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर में निहित हो गई है।

अतः विषयांकित मूखण्ड संख्या 11 जिसका क्षेत्रफल 945.00 वर्गफीट = 105.00 वर्गगज उक्त अधिसूचना एवं जारी आदेशों की पालना में आपको 99 वर्ष की लीज होल्ड आधारों पर शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उसमें समय समय पर किये जाने वाले संशोधनों, राज्य सरकार / नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा जारी आदेशों एवं निर्देशों के अध्वधीन आवंटित / नियमित की जाती है। आपको निम्नांकित प्रकार से राशि नगर विकास प्रन्यास के कोष में इस आवंटन पत्र के 30 दिनों के अन्दर - अन्दर जमा करानी है:-

1. राजस्थान सरकार के नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना क्रमांक प. 3(50)नविदि/ 03/2012 जयपुर दिनांक 21-09-2012 अनुसार कृषि भूमि के अकृषि प्रयोजनार्थ उपयोग के लिये अनुज्ञा उपरान्त आवंटन हेतु आवासीय प्रिनियम दर 88.20/- रुपये प्रति वर्गगज की दर से 105.00 वर्गगज की राशि	9261 /-रु.
2. एकवारीय लीज राशि एक साथ 8 वर्ष की लीज राशि	7409 /-रु.
3. भूजभूत आधारभुत संरचना कामर, सड़क व विद्युत लाईन उपलब्ध होने से नई टाउनशिप पॉलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 10 के नोट संख्या (1) अनुसार बाह्य विकास शुल्क 100/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	14643 /-रु.
4. आन्तरिक विकास शुल्क 140/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (नई टाउनशिप पॉलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 5(3) के अनुसार (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	20500 /-रु.
5. प्रकाशन व अन्य शुल्क यदि कोई हो	300 /-रु.
6. साईट प्लान एवं डिमारकेशन शुल्क	1000 /-रु.
(अ) कुल जमा योग्य राशि (1 - 6 तक)	53113 /-रु.
7. राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ.3 (50) यूडीएच / 3 / 2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 अनुसार न्यास चालान नं. 8808 दिनांक 20.05.2015 से प्रिनियम दर की 10 प्रतिशत जमा राशि 48822/- रु. (मूखण्ड क्षेत्रफल अनुपात अनुसार)	2311 /-रु.
8. भू.रू. कार्यालय में जमा राशि का चालान नं. दिनांक (-)	0 /-रु.
9. दिनांक 31-3-2000 तक राशि रु. जमा कराने से 5 प्रतिशत छूट (-)	0 /-रु.
(ब) कुल जमा (7 - 9 तक)	2311 /-रु.
कुल जमा योग्य राशि (अ - ब) - अक्षरे रु. पचास हजार आठ सौ दो मात्र	50802 /-रु.

4

आवंटन पत्र की सामान्य शर्तें एवं बाध्यताएं निम्न प्रकार हैं :-

- 1- उपरोक्त राशि आपको इस सूचना पत्र की प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर - अन्दर जमा करानी है। इस अवधि के पश्चात् शहरी भूमि निस्तारण नियमों के अनुसार ब्याज पेनाल्टी एवं निरस्तीकरण से संबंधित कार्यवाही की जायेगी।
- 2- यदि आवंटित / समर्पित एवं पुनर्ग्रहित भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित यदि कोई विवाद उत्पन्न हुआ तो उसका संपूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा। भूमि यदि किसी कारणवश या स्वामित्व के अभाव या आपके स्वामित्व के दोष के कारण आपके हाथों से निकल जायेगी तो यह आवंटन स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा और भूमि एवं उस पर निर्माण, यदि कोई है, उसे न्यास तत्काल अपने आधिपत्य में बिना मुआवजा दिये, लेने को अधिकृत होगा। साथ ही आवंटित भूमि के अतिरिक्त शेष भूमि पर आपका कोई हक व अधिकार नहीं होगा ना ही आप किसी प्रकार से अन्य कोई मुआवजा प्राप्ति के अधिकारी होंगे।
- 3- लीजडीड नई टाउनशिप पोलिसी - 2010 के प्रावधानों एवं राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ. 3 (50)यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 एवं इस अनुसरण में समय- समय पर जारी परिपत्रों, आदेशों के अनुसार जारी की जायेगी।
- 4- इस हेतु आप निर्धारित राशि के नॉन - ज्यूडिशियल स्टॉम्प सचिव, नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के नाम से प्रस्तुत करें। एकवारीय लीज राशि जमा कराने पर भविष्य में लीज राशि देय नहीं होगी।
- 5- मूखण्ड का प्लान नियमानुसार स्वीकृत कराकर स्वीकृत प्लान अनुसार निर्माण करना अनिवार्य होगा।
- 6- देय राशि क्षेत्रफल के अनुसार घटी - बढी होने पर परिवर्तनीय है।
- 7- पश्चातवर्ती किसी भी अनुक्रम पर यदि यह पाया जाता है कि यह आवंटन / नियमन प्राप्त करने में इस भूमि के खातेदारों या आवेदकों या अन्य किसी व्यक्ति ने कपटपूर्वक वास्तविक तथ्यों को छिपाया है या तथ्यों का कथन असत्य रूप से करते हुए छलपूर्वक यह आवंटन / नियमन प्राप्त किया है तो उक्त आदेश स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण यदि कोई हो उसके साथ स्वतः न्यास में निहित हो जायेगा और तत्काल ही उस पर अधिभोग रखने वाले व्यक्ति को बिना क्षतिपूर्ति के बेदखल कर दिया जायेगा। इस संबंध में आवंटनी या उसकी पश्चातवर्ती कंता की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
- 8- यह आवंटन इन तथ्यों के अधीन है कि आवेदक का जो अभिकथन शपथ पत्र एवं क्षतिपूर्ति वन्ध पत्र एवं आवेदन पत्र में जो कथन अंकित किये गये हैं वे एवं भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित सारे कथन सही एवं सत्य हैं। इसमें से किसी एक के भी असत्य पाये जाने पर यह आवंटन स्वतः निरस्त हो जायेगा।
- 9- पश्चातवर्ती अनुक्रम में राज्य सरकार के निर्देशों से अंकेंक्षण या गणना की त्रुटि सुधार से कोई भी देय राशि ओर निकलती हो तो ऐसी राशि जमा कराने को आवंटनी बाध्य होगा।
- 10- उपरोक्त में से किसी एक शर्त या शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उस पर समय समय पर किये जाने वाले संशोधन, राज्य सरकार एवं न्यास के निर्देश एवं निर्णयों की पालना करने हेतु आवंटनी / कंता बाध्य होगा। इसमें से किसी एक के ही उल्लंघन करने पर आवंटन स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण सहित भवन बिना क्षतिपूर्ति के न्यास में निहित हो जायेगा।
- 11- जिस प्रयोजन के लिये मूखण्ड नियमित / आवंटित किया गया है, उससे भिन्न प्रयोजन के लिये मूखण्ड का उपयोग नहीं लिया जा सकेगा।
- 12- "योजना में समस्त विकास कार्य योजना / निर्माणकर्ता / आवंटनी खातेदार को अपने स्तर पर कराना होगा। न्यास द्वारा मात्र बाह्य विकास शुल्क लिया गया है।

(राम निवास मेहता)

सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

प्रतिलिपि:

- 1- उप नगर नियोजक, न्यास को साईट प्लान की प्रति तैयार करने हेतु।
- 2- गार्ड फाईल।

सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर



नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

573

3-11-15

लीज के आधार पर आवासीय प्रयोजनों के लिये भूमि पट्टा-विलेख

(राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर - कृषिक प्रयोजन के लिये उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन) नियम, 2012 के नियम 22 के अन्तर्गत भूमि का पट्टा विलेख)

आवंटन/नियमन-पत्र क्रमांक 912 दिनांक 03-09-2015 के क्रम में यह पट्टा विलेख आज 29.11.15 के माह के दिन को नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (जिसे इसके बाद नगर निकाय कह कर संबोधित किया गया है) प्रथम पक्ष एवं श्री छगनलाल पिता कमला भील निवासी- रकमपुरा, उदयपुर (जिनको इसके पश्चात् लीजधारक (पट्टा धारक) कहकर संबोधित किया गया है) द्वितीय पक्ष तथा इस इबारत में जहाँ कहीं प्रसंग से वैसा अर्थ निकले उनके उत्तराधिकारी, निर्वाहक, प्रबन्धक, प्रतिनिधि और मूलतकील अलैह भी सम्मिलित होंगे) के मध्य निष्पादित हुआ है।

यह विलेख सांक्ष्यिकित करता है कि प्रिमियम राशि, विकास शुल्क व अन्य शुल्क की कुलिया रकम रुपये 119631/- अगरे एक लाख उन्नीस हजार छः सौ इगतीस रुपये मात्र की रकम के नियमन शुल्क जो लीजधारक (पट्टाधारक) के द्वारा अदा कर दी गई है और जिसकी रसीद नगर निकाय के द्वारा स्वीकार कर ली गई है और इसमें उल्लिखित शर्तों और करारों जो लीजधारक द्वारा निष्पादित तथा पालन किये जावेंगे, के एवज में नगर निकाय इनके द्वारा लीजधारक को जमीन का वह तमाम भूखण्ड (जिसे इसके बाद उक्त भूखण्ड कहकर संबोधित किया गया है) नियमन और लीज के आधार पर पुनः आवंटित करती है जो राजस्व ग्राम घोली मगरी खसरा नम्बर 1586, 3721/1587 के योजना प्लान में स्थित हो कर भूखण्ड संख्या 10 क्षेत्रफल 1537.00 वर्गफिट है और जो अपनी सीमा और क्षेत्रफल के साथ इसके अन्तर्गत लिखे गये परिशिष्ट में अधिक पूर्णरूपेण वर्णित है तथा जिसका आकार विशेष रूप से इससे संलग्न नक्शे में दिखालाया गया है, और जिसे पूर्ण स्वामित्व संबंधी स्वतंत्रों सहित किन्तु निम्नलिखित तमाम व प्रत्येक अपवादों, संरक्षणों, प्रतिबन्धों, बन्धनों, शर्तों और करारों के अधीन पट्टेदार अपने उपयोग - उपभोग और हस्तेमाल के लिए अपने अधिकार में रखेगा, अर्थात्:-

- 1- उक्त भूखण्ड लीज पर आवंटित किया गया है। लीज की अवधि 99 वर्ष होगी।
- 2- 8 वर्ष की अग्रिम एक मुश्त जमा कराने पर उस क्षेत्र की आरक्षित दर के बजाय केवल नियमन राशि पर 2.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ही देय है। पट्टेदार ने 8 वर्ष की अग्रिम की राशि एक मुश्त जमा करा दी है जिसके फलस्वरूप अब यह भूखण्ड वार्षिक लीज राशि से मुक्त है।
- 3- उक्त भूखण्ड का उपयोग केवल उस पर रहने के आशय से किसी भवन या भवनों के बनवाने में ही होगा। भूखण्ड का व्यावसायिक या लाभ कमाने की दृष्टि से उपयोग किसी भी भांति नहीं किया जा सकेगा। निर्मित भूखण्ड के संबंध में राज्य सरकार के समय - समय पर प्राप्ता आदेशों द्वारा प्रावधानों में प्रदत्त शिथिलता के तहत नियमन योग्य निर्माण ही नियमित किया गया है तथा नियमन अयोग्य निर्माण के संबंध में संबंधित नियमों के अनुसार कार्यवाही की जावेगी।
- 4- पट्टेदार द्वारा अपने भूखण्ड में निर्धारित सेटबैक छोड़ते हुए तथा न्यास के प्रचलित भवन विनियमों के प्रावधानों के अध्याधीन निर्माण कार्य कराना होगा। इसके लिए पट्टेदार द्वारा प्रस्तावित निर्माण हेतु निर्धारित आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ सशुल्क सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत कर निर्माण स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। भूखण्ड पर आवंटन/नियमन की तिथि से 7 वर्ष, या ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर जो नियम - 26 के अन्तर्गत बका दी जावे, लीजधारक के द्वारा इस भूखण्ड पर भवन का निर्माण कराया जायेगा।
- 5- आवंटनी द्वारा भूखण्ड विक्रय करने पर कोता द्वारा भूखण्ड का हस्तान्तरण नगर विकास प्रन्यास के नियमों के अनुसार न्यास से करवाना होगा।
- 6- लीजधारक उक्त भूखण्ड को आने और अन्तरित या उप-पट्टे पर दे सकेगा। उक्त नियमों में अन्तर्विष्ट निर्बंधन और शर्तों और अन्य उपबंध, यथावश्यक परिवर्तन सहित, अन्तरिती या उप-पट्टेदार पर इस प्रकार लागू होंगे मानो प्रश्नगत उक्त भूखण्ड नगर निकाय द्वारा दिया गया है या अन्तरित किया गया है। लीजधारक द्वारा मूल पट्टे की कालावधि से अधिक नहीं होगी। उप-पट्टे उक्त नियमों में विहित समस्त अन्य निर्बंधनों और शर्तों या किन्हीं पुथक, आदेशों द्वारा, जो राज्य सरकार द्वारा समय - समय पर इस निमित्त विनिर्दिष्ट मामलों में जारी किये जायें, शासित होंगे।
- 7- इस लीज डीड के आधार पर उक्त भूखण्ड को सरकार/जीवन बीमा निगम/शिद्दूल बैंक/ सरकारी ऋणदात्री संस्था/एचडीएफसी/ अथवा नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा अधिकृत ऋणदात्री संस्थाओं के पास भवन निर्माण के ऋण के लिए गिरवी रखा जा सकेगा।
- 8- उक्त नियमों के अधीन किसी व्यक्ति के प्रति परादेय प्रिमियम या नगरीय निर्धारण या न्याय, आन्तरिक/बाह्य विकास प्रभारों का कोई बकाया राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के अधीन भू-राजस्व की बकाया के रूप में लीजधारक से वसूलीय होगा।

प्राधिकृत अधिकारी
विशेषाधिकारी
नगर विकास प्रन्यास
उदयपुर (राज.)

छगनलाल

उप-विलेखक
उदयपुर-द्वितीय

कृपे के

9- यदि आर्बटन या पट्टा विलेख को निष्पादन के पश्चात् यह पाया जाता है कि आर्बटन या पट्टा विलेख विधि की दूरभिसंधि या उसके उल्लंघन में कपटपूर्ण दस्तावेज के निबंधनों और शर्तों का अतिक्रमण किया गया है तो नगर निकाय उक्त भूखण्ड पर उसके किसी सम्मिलन सहित उसे प्रतिसंभल करेगा जो सभी प्रभारों से रहित नगर निकाय में निहित समझे जायेंगे और नगर निकाय किसी भी व्यक्ति को कारित किसी भी प्रकार की नुकसानी के लिये दायी नहीं होगी।

नोट: इस भूखण्ड की नियमन की सम्पूर्ण राशि 119631/- रुपये होती है। अतएव स्टैम्प नं. AB543750 स्टैम्प रुपये 100/- संख्या 01 नईसियत पट्टा इसके साथ लगाये जाते हैं।

भू-खण्ड विवरण	विस्तृत नाम	पट्टीस
राजस्व भाग	घोली नगरी	पूर्व - As per site plan
खसरा नम्बर	1586, 3721/1587	पश्चिम - As per site plan
क्षेत्रफल	- 1537.00 वर्गफिट	उत्तर - As per site plan
भू-खण्ड संख्या	- 10	दक्षिण - As per site plan

इसके साक्षी एवं इसके पक्षकारों ने इसके बाद प्रत्येक दशा में निर्देशित स्थानों और तारीखों पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

आज सन् 2015 माह 11 के 12 वे दिन को श्रीमती कीर्ति राठी सह सक्षम अधिकारी उदयपुर ने निम्न की उपस्थिति में न्यास उदयपुर में हस्ताक्षर किये।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर विकास प्रशासन
उदयपुर (राज.)

साक्षी :

- नाम लक्ष्मण गुर्जर
पिता का नाम श्री नारायण जी गुर्जर
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम कैलाश शर्मा
पिता का नाम श्री नगवती लाल जी
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

पट्टेदार की ओर से :

आज सन् 2015 माह के 12 वे दिन को की उपस्थिति में उक्त श्री छगनलाल पिता कमला भील द्वारा कार्यालय, नगर विकास न्यास, उदयपुर में हस्ताक्षर किये गये।

छगन लाल

पट्टेदार के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम स्वप्निल बाबेल
पिता का नाम श्री भूपेन्द्र बाबेल
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

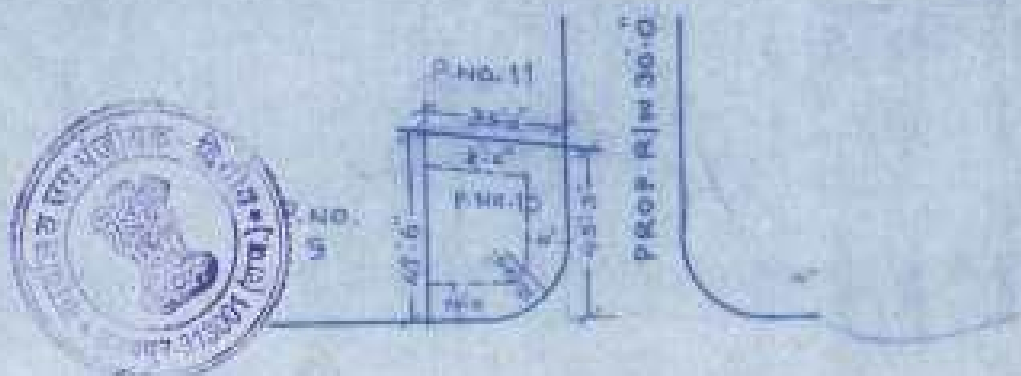
साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम दुर्गेश मीणा
पिता का नाम श्री केशुलाल जी
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

उप-पंजीयक
उदयपुर-द्वितीय



PROP. ROAD 60'-0" WIDE

REF.

PLOT SIZE

$35'-0" \times \frac{47'-6" + 15'-3"}{2} = 47'-4.5"$

PLOT AREA

1537'-0" SQ. FT.

उप-पञ्जीकृत
उदयपुर-जिला



SITE PLAN OF PLOT NO. 10

IN K. NO. 1586/5721/587

REV. VILLAGE DHOLI MAGRI

UDAIPUR

J. D. MAN

TRACER

SCALE

1" INCH = 50 FEET

CHECKED BY

Deputy Town Planner
U.T. Udaipur

Deputy Town Planner
U.T. Udaipur

URBAN IMPROVEMENT TRUST, UDAIPUR



राजस्थान RAJASTHAN

26 JUL 2015

AB 543750



राजस्व ग्राम धोली मगरी खसरा नम्बर 1586,

3721/1587 भूखण्ड संख्या 10 क्षेत्रफल

1537.00 वर्गफीट के साथ संलग्न है।

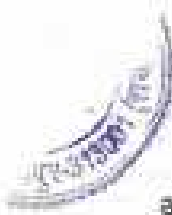
4/7/15
प्राधिकृत अधिकारी
(ओ.एस.डी.)

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर



हरमलमल

उप-विजीयक
उदयपुर-द्वितीय



आज दिनांक 5 माह November सन् 2015 को 11:38 बजे
 श्री/श्रीमती/सुश्री CHHAGAN LAL पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KAMLA Ji
 उम्र 45 वर्ष, जाति BHIL व्यवसाय LABOUR
 निवासी RAKAMPURA UDR
 ने मेरे सम्मुख दस्तावेज पंजीयन हेतु प्रस्तुत किया।

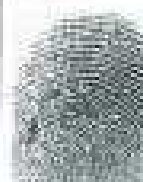
हस्ताक्षर

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता हस्ताक्षर उप पंजीयक, UDAIPUR-II
 (2015018850)
 (Lease deed for local bodies (Patta))

हस्ताक्षर फोटो अंगूठा

उक्त श्री/श्रीमती/सुश्री (Executant)
 1-CHHAGAN LAL/KAMLA Ji
 Age:45, Caste-BHIL
 Occ.-LABOUR
 R/O-RAKAMPURA UDR

हस्ताक्षर



2-SECRETARY/UIT
 Age:0, Caste-
 Occ.-
 R/O-UDR

मे लेखपत्र Lease deed for local bodies (Patta)
 को पढ़ सुन व समझकर निष्पादन करना स्वीकार किया।
 प्रतिफल राशी रु0 119831/- पूर्व में/मेरे
 समक्ष/मे से रु0 119831/-पूर्व में
 यमेरे समक्ष प्राप्त करना स्वीकार किया।



उक्त निष्पादन कर्ता की पहचान
 1. श्री/श्रीमती/सुश्री MAJID KHAN
 पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री JIYARAT KHAN उम्र 55 वर्ष
 जाति MUSLIM व्यवसाय BUSINESS
 निवासी NEW COLONY GOVERDHAN VILAS UDR

हस्ताक्षर



2. श्री/श्रीमती/सुश्री DURGESH
 पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KESHU LAL Ji उम्र 37 वर्ष
 जाति MEENA व्यवसाय SERVICE
 निवासी DETYA MAGRI UDR ने की है जिनके

हस्ताक्षर



समस्त हस्ताक्षर एवं अंगूठा के निशान मेरे समक्ष लिये गये हैं।

(2015018850) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
 (Lease deed for local bodies (Patta))

रसीद नं० 2015016850 दिनांक 05/11/2015
पंजीयन शुल्क ₹0 1200/-
प्रतिलिपि शुल्क ₹0 300/-
पृष्ठांकन शुल्क ₹0 0/-
अन्य शुल्क ₹0 0/-
कमी स्टाम्प शुल्क ₹0 0/-
सरचार्ज 0/-
कुल योग ₹0 1500/-

(2015016850) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

धारा 54 के तहत प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र
की मालियत रुपये 119631
मानते हुए इस पर देय कमी मुद्रांक
राशि 0 पर कमी पंजीयन शुल्क
रुपये 1200 कुल रुपये 1500
जरिये रसीद संख्या 2015016850 दिनांक 05/11/2015
नं जमा किये गये है।
अतः दस्तावेज को रुपये 5990
के मुद्रांकों पर निष्पादित माना जाता है।

(2015016850) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

आज दिनांक 05/11/2015 को
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 804
में पृष्ठ संख्या 8 क्रम संख्या 2015010813 पर
पंजिबद्ध किया गया तथा अतिरिक्त
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 3214
के पृष्ठ संख्या 57 से 64 पर
बन्दा किया गया।

(2015016850) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))





कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

कमांक: F.11()Regin-II / घोली मगरी / P.N. 10 / 2015/912

Date: 18-9-2015

आवंटन - पत्र

प्रेषित :

श्री छगनलाल पिता कमला भील

निवासी- रकमपुरा, उदयपुर

विषय : राजस्व ग्राम घोली मगरी के खसरा संख्या 1588, 3721/1587 मूखण्ड सं 10 क्षेत्रफल 170.78 (वर्गगज) के आवंटन के संबंध में।

उपरोक्त विषय में लेख है कि राज्य सरकार के अधिसूचना कमांक F.3 (77) UDD /3/2010 दिनांक 28.08.2010 एवं राजस्थान सरकार के स्थानीय स्वायत्त शासन, नगरीय विकास और आवासन विभाग की अधिसूचना कमांक एफ.3 (50) यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 के अनुसार आप द्वारा कृषि भूमि का आवासीय प्रयोजन के लिये उपयोग कर इस प्रयोजन हेतु रुपान्तरण / नियमन हेतु आवेदन किये जाने पर विषयांकित कृषि भूमि प्राधिकृत अधिकारी (सचिव) नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के प्रकरण संख्या 30/2015 आदेश संख्या 172 से 177 में पारित आदेश दिनांक 04.08.2015 में राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क के अनुरूप राज्य सरकार के पक्ष में पुनर्ग्रहित घोषित की जा चुकी है। इस पुनर्ग्रहण आदेश से यह भूमि स्वतः नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर में निहित हो गई है।

अतः विषयांकित मूखण्ड संख्या 10 जिसका क्षेत्रफल 1537.00 वर्गफीट = 170.78 वर्गगज उक्त अधिसूचना एवं जारी आदेशों की पालना में आपको 99 वर्ष की लीज होल्ड आधारों पर शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उसमें समय समय पर किये जाने वाले संशोधनों, राज्य सरकार / नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा जारी आदेशों एवं निर्देशों के अध्वधीन आवंटित / नियमित की जाती है। आपको निम्नांकित प्रकार से राशि नगर विकास प्रन्यास के कोष में इस आवंटन पत्र के 30 दिनों के अन्दर - अन्दर जमा करानी है-

7285 4857 12142

1. राजस्थान सरकार के नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना कमांक ए 3(50)नविधि/ 03/2012 जयपुर दिनांक 21-09-2012 अनुसार कृषि भूमि के अकृषि प्रयोजनार्थ उपयोग के लिये अनुज्ञा उपरान्त आवंटन हेतु आवासीय प्रिनियम दर 97.02/- रुपये प्रति वर्गगज की दर से 163.89 वर्गगज की राशि	15901 /-रु.
2. राजकीय भूमि 62.00 वर्गफीट सम्मिलित होने से 485/-रु. (डी.एल.सी.) प्रति वर्गफीट से	30070 /-रु.
3. एकवारीय लीज राशि एक साथ 8 वर्ष की लीज राशि	15201 /-रु.
4. मूलभूत आधारभूत संरचना जामर, सड़क व विद्युत लाईन उपलब्ध होने से नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 10 के नोट संख्या (1) अनुसार बाह्य विकास शुल्क 100/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	23816 /-रु.
5. आन्तरिक विकास शुल्क 140/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 5(3) के अनुसार (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	33343 /-रु.
6. प्रकाशन व अन्य शुल्क यदि कोई हो	300 /-रु.
7. साईट प्लान एवं डिमास्केशन शुल्क	1000 /-रु.
(अ) कुल जमा योग्य राशि (1 - 7 तक)	119631 /-रु.
8. राज्य सरकार की अधिसूचना कमांक एफ.3 (50) यूडीएच / 3 / 2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 अनुसार न्यास चालान नं. 8808 दिनांक 20.05.2015 से प्रिनियम दर की 10 प्रतिशत जमा राशि 48822/- रु. (मूखण्ड क्षेत्रफल अनुपात अनुसार)	3759 /-रु.
9. भू.रु. कार्यालय में जमा राशि का बालान नं. दिनांक (-)	0 /-रु.
10. दिनांक 31-3-2000 तक राशि रु. जमा कराने से 5 प्रतिशत छूट (-)	0 /-रु.
(ब) कुल जमा (8 - 10 तक)	3759 /-रु.

पालान संख्या 9714 शुद्ध जमा योग्य राशि (अ - ब) - अक्षरे रु. एक लाख पन्द्रह हजार आठ सौ

115872 /-रु.

दिनांक 21-09-15

111015 4857

महोदय
कंसिपल नियमन

आवंटन पत्र की सामान्य शर्तें एवं बाध्यताएं निम्न प्रकार हैं :-

- 1- उपरोक्त राशि आपको इस सूचना पत्र की प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर - अन्दर जमा करानी है। इस अवधि के पश्चात् शहरी भूमि निस्तारण नियमों के अनुसार ब्याज पेनाल्टी एवं निरस्तीकरण से संबंधित कार्यवाही की जायेगी।
- 2- यदि आवंटित / समर्पित एवं पुनर्ग्रहित भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित यदि कोई विवाद उत्पन्न हुआ तो उसका संपूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा। भूमि यदि किसी कारणवश या स्वामित्व के अभाव या आपके स्वामित्व के दोष के कारण आपके हाथों से निकल जायेगी तो यह आवंटन स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा और भूमि एवं उस पर निर्माण, यदि कोई है, उसे न्यास तत्काल अपने आधिपत्य में बिना मुआवजा दिये, लेने को अधिकृत होगा। साथ ही आवंटित भूमि के अतिरिक्त शेष भूमि पर आपका कोई हक व अधिकार नहीं होगा ना ही आप किसी प्रकार से अन्य कोई मुआवजा प्राप्ति के अधिकारी होंगे।
- 3- लीजडीड नई टाउनशिप पोलिसी - 2010 के प्रावधानों एवं राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ. 3 (50)यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.06.2012 एवं इस अनुसरण में समय- समय पर जारी परिपत्रों, आदेशों के अनुसार जारी की जायेगी।
- 4- इस हेतु आप निर्धारित राशि के नॉन - ज्यूडिशियल स्टॉम्प सचिव, नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के नाम से प्रस्तुत करें। एकबारीय लीज राशि जमा कराने पर भविष्य में लीज राशि देय नहीं होगी।
- 5- मूखण्ड का प्लान नियमानुसार स्वीकृत कराकर स्वीकृत प्लान अनुसार निर्माण करना अनिवार्य होगा।
- 6- देय राशि क्षेत्रफल के अनुसार घटी - बढ़ी होने पर परिवर्तनीय है।
- 7- पश्चातवर्ती किसी भी अनुक्रम पर यदि यह पाया जाता है कि यह आवंटन / नियमन प्राप्त करने में इस भूमि के खातेदारों या आवेदकों या अन्य किसी व्यक्ति ने कपटपूर्वक वास्तविक तथ्यों को छिपाया है या तथ्यों का कथन असत्य रूप से करते हुए छलपूर्वक यह आवंटन / नियमन प्राप्त किया है तो तबत आदेश स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण यदि कोई हो उसके साथ स्वतः न्यास में निहित हो जायेंगे और तत्काल ही उस पर अधिभोग रखने वाले व्यक्ति को बिना क्षतिपूर्ति के बेदखल कर दिया जायेगा। इस संबंध में आवंटी या उसकी पश्चातवर्ती कंता की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
- 8- यह आवंटन इन तथ्यों के अधीन है कि आवेदक का जो अभिकथन शपथ पत्र एवं क्षतिपूर्ति बन्ध पत्र एवं आवेदन पत्र में जो कथन अंकित किये गये हैं वे एवं भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित सारे कथन सही एवं सत्य हैं। इसमें से किसी एक के भी असत्य पाये जाने पर यह आवंटन स्वतः निरस्त हो जायेगा।
- 9- पश्चातवर्ती अनुक्रम में राज्य सरकार के निर्देशों से अंकेक्षण या गणना की त्रुटि सुधार से कोई भी देय राशि ओर निकलती हो तो ऐसी राशि जमा कराने को आवंटी बाध्य होगा।
- 10- उपरोक्त में से किसी एक शर्त या शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उस पर समय समय पर किये जाने वाले संशोधन, राज्य सरकार एवं न्यास के निर्देश एवं निर्णयों की पालना करने हेतु आवंटी / कंता बाध्य होगा। इसमें से किसी एक के ही उल्लंघन करने पर आवंटन स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण सहित भवन बिना क्षतिपूर्ति के न्यास में निहित हो जायेगा।
- 11- जिस प्रयोजन के लिये मूखण्ड नियमित / आवंटित किया गया है, उससे भिन्न प्रयोजन के लिये मूखण्ड का उपयोग नहीं लिया जा सकेगा।
- 12- "योजना में समस्त विकास कार्य योजना / निर्माणकर्ता / आवंटी खातेदार को अपने हिसाब पर कराना होगा। न्यास द्वारा मात्र बाह्य विकास शुल्क लिया गया है।


(ज्योतिबास मेहता)
सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

प्रतिलिपि:

- 1- उप नगर नियोजक, न्यास को साईट प्लान की प्रति तैयार करने हेतु।
- 2- गार्ड फाईल।


सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

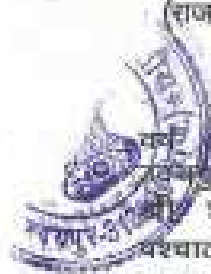


नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

572
3-11-15

लीज के आधार पर आवासीय प्रयोजनों के लिये भूमि पट्टा-विलेख

(राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का पैर - कृषिक प्रयोजन के लिये उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन) नियम, 2012 के नियम 22 के अन्तर्गत भूमि का पट्टा विलेख)



आवंटन/नियमन-पत्र क्रमांक 911 दिनांक 03-09-2015 के क्रम में यह पट्टा विलेख आज 03-11-2015 के माह के दिन को नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (जिन्हें इसके बाद नगर विकास कह कर संबोधित किया गया है) प्रथम पक्ष एवं छगनलाल पिता कमला भील निवासी- रकमपुरा, उदयपुर (जिन्होंने इसके बशवात् लीजधारक (पट्टा धारक) कहकर संबोधित किया गया है) द्वितीय पक्ष तथा इस इबारत में जहां कहीं प्रसंग से वैसा अर्थ निकले उनके उत्तराधिकारी, निर्वाहक, प्रबन्धक, प्रतिनिधि और मुन्तकील अलैह भी सम्मिलित होंगे) के मध्य निश्पादित हुआ है।

यह विलेख सांक्षानिक करता है कि प्रिमियम राशि, विकास शुल्क व अन्य शुल्क की कुलिया रकम रुपये 133826/- अक्षरे एक लाख तैंतीस हजार आठ सौ छब्बीस रुपये मात्र की रकम के नियमन शुल्क जो लीजधारक (पट्टाधारक) के द्वारा अदा कर दी गई है और जिसकी रसीद नगर विकास के द्वारा स्वीकार कर ली गई है और इसमें उल्लिखित शर्तों और करारों जो लीजधारक द्वारा निष्पादित तथा पालन किये जावेंगे, के एवज में नगर विकास इसके द्वारा लीजधारक को जमीन का वह तमाम भूखण्ड (जिसे इसके बाद उक्त भूखण्ड कहकर संबोधित किया गया है) नियमन और लीज के आधार पर पुनः आवंटित करती है जो राजस्व ग्राम घोली नगरी खसरा नम्बर 1586, 3721/1587 के योजना प्लान में स्थित हो कर भूखण्ड संख्या 9 क्षेत्रफल 1225.00 वर्गफिट है और जो अपनी सीमा और क्षेत्रफल के साथ इसके अन्तर्गत लिखे गये परिशिष्ट में अधिक पूर्णरूपेण वर्णित है तथा जिसका आकार विशेष रूप से इससे संलग्न नक्शे में दिखालाया गया है, और जिसे पूर्ण स्वामित्व संबंधी स्वतंत्र सहित किन्तु निम्नलिखित तमाम व प्रत्येक अपवादों, संरक्षणों, प्रतिबंधों, बन्धनों, शर्तों और करारों के अधीन पट्टेदार अपने उपयोग - उपभोग और इस्तेमाल के लिए अपने अधिकार में रखेगा, अर्थात्:-

- 1- उक्त भूखण्ड लीज पर आवंटित किया गया है। लीज की अवधि 99 वर्ष होगी।
- 2- 99 वर्ष की अवधि में एक मुश्त जमा कराने पर उस क्षेत्र की आरक्षित दर के बजाय केवल नियमन राशि पर 2.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ही देय है। पट्टेदार ने 8 वर्ष की अवधि की राशि एक मुश्त जमा कर दी है जिसके फलस्वरूप अब यह भूखण्ड वार्षिक लीज राशि से मुक्त है।
- 3- उक्त भूखण्ड का उपयोग केवल उस पर रहने के आशय से किसी भवन या भवनों के बनवाने में ही होगा। भूखण्ड का व्यावसायिक या लाभ कमाने की दृष्टि से उपयोग किसी भी भांति नहीं किया जा सकेगा। निर्मित भूखण्ड के संबंध में राज्य सरकार के समय - समय पर प्राप्त आदेशों द्वारा प्रावधानों में प्रदत्त शिथिलता के तहत नियमन योग्य निर्माण ही नियमित किया गया है तथा नियमन अयोग्य निर्माण के संबंध में संबंधित नियमों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- 4- पट्टेदार द्वारा अपने भूखण्ड में निर्धारित सेटबैक छोड़ते हुए तथा न्यास के प्रचलित भवन विनियमों के प्रावधानों के अध्याधीन निर्माण कार्य कराना होगा। इसके लिए पट्टेदार द्वारा प्रस्तावित निर्माण हेतु निर्धारित आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ सशुल्क सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत कर निर्माण स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। भूखण्ड पर आवंटन/नियमन की तिथि से 7 वर्ष, या ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर जो नियम - 26 के अन्तर्गत बढ़ा दी जायें, लीजधारक को द्वारा इस भूखण्ड पर भवन का निर्माण कराया जायेगा।
- 5- आवंटनी द्वारा भूखण्ड विक्रय करने पर केता द्वारा भूखण्ड का हस्तान्तरण नगर विकास प्रन्यास के नियमों के अनुसार न्यास से करवाना होगा।
- 6- लीजधारक उक्त भूखण्ड को आगे और अन्तरित या उप-पट्टे पर दे सकेगा। उक्त नियमों में अन्तर्विष्ट निबंधन और शर्तों और अन्य उपबंध, यथावश्यक परिवर्तन सहित, अन्तरिती या उप-पट्टेदार पर इस प्रकार लागू होंगे मानो प्रश्नगत उक्त भूखण्ड नगर विकास द्वारा दिया गया है या अन्तरित किया गया है। लीजधारक द्वारा मूल पट्टे की कालावधि से अधिक नहीं होगी। उप-पट्टे उक्त नियमों में विहित समस्त अन्य निबंधनों और शर्तों या किन्हीं पृथक, आदेशों द्वारा, जो राज्य सरकार द्वारा समय - समय पर इस निमित्त विनिर्दिष्ट मामलों में जारी किये जायें, शासित होंगे।
- 7- इस लीज डीठ के आधार पर उक्त भूखण्ड को सरकार/जीवन बीमा निगम/शिद्दुल बैंक/ सरकारी ऋणदात्री संस्था/एचडीएफसी अथवा नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा अधिकृत ऋणदात्री संस्थाओं के पास भवन निर्माण के ऋण के लिए गिरवी रखा जा सकेगा।
- 8- उक्त नियमों के अधीन किसी व्यक्ति को प्रति परादेय प्रिमियम या नगरीय निर्धारण या व्याज, आन्तरिक/बाह्य विकास प्रभारों का कोई बकाया राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के अधीन भू-राजस्व की बकाया के रूप में लीजधारक से वसूलीय होगा।

प्राधिकृत अधिकारी
विशेषाधिकारी
नगर विकास प्रन्यास
उदयपुर (राज.)

छगनलाल

उप-पट्टेदार
उदयपुर-द्वितीय

कृपया

9- यदि आबंटन या पट्टा विलेख के निष्पादन के पश्चात् यह पाया जाता है कि आबंटन या पट्टा विलेख विधि की दृष्टिसंधि या उसके उत्सर्जन में कथपूरण दस्तावेज के निर्बंधनों और शर्तों का अतिक्रमण किया गया है तो नगर विकास उक्त भूखण्ड पर उसके किसी सम्बन्धित सहित उसे प्रतिबंधित करेगा जो सभी प्रभावों से रहित नगर विकास में निहित समझे जायेंगे और नगर विकास किसी भी व्यक्ति को कारित किसी भी प्रकार की मुकदानी के लिये दायी नहीं होगा।

नोट: इस भूखण्ड की नियमन की सम्पूर्ण राशि 133826/- रुपये होती है। अतएव स्टॉम्प AB543748 स्टॉम्प रुपये 100/- संख्या 01 नहसियत पट्टा इसके साथ लगाये जाते हैं।

भू-खण्ड विवरण	विस्तृत नाप	पक्षीस
समाप्त बाग	घोली मगरी	पूर्व - As per site plan
खसरा नम्बर	1588, 3721 / 1587	पश्चिम - As per site plan
क्षेत्रफल	- 1225.00 वर्गफिट	उत्तर - As per site plan
भू-खण्ड संख्या	- 9	दक्षिण - As per site plan

इसके साक्षी एवं इसके पक्षकारों ने इसके बाद प्रत्येक दशा में निर्देशित स्थानों और तारीखों पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

आज सन् 2015 माह 11 के 3 वे दिन को श्रीमती कीर्ति राठीव सक्षम अधिकारी उदयपुर ने निम्न की उपस्थिति में न्यास उदयपुर में हस्ताक्षर किये।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर विकास प्र-न्यास
उदयपुर (राज.)

साक्षी :

- नाम लक्ष्मण गुर्जर
पिता का नाम श्री नारायण जी गुर्जर
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर



साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम कैलाश शर्मा
पिता का नाम श्री भगवती लाल जी
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

पट्टेदार की ओर से :

आज सन् 2015 माह के वे दिन को की उपस्थिति में उक्त श्री छगनलाल पिता कमला भील द्वारा कार्यालय, नगर विकास न्यास, उदयपुर में हस्ताक्षर किये गये।

छगनलाल

पट्टेदार के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम स्वप्निल बाबेल
पिता का नाम श्री भूपेन्द्र बाबेल
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम दुर्गेश भीणा
पिता का नाम श्री कंसुलाल जी
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

उप-पंजीयक
उदयपुर-दिल्ली

साक्षी के हस्ताक्षर



राजस्थान RAJASTHAN



AB 543748



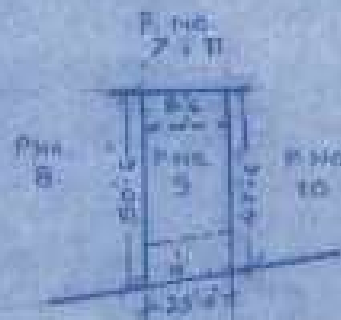
राजस्थान ग्राम धोली मगरी खसरा नम्बर 1588,
3721/1587 भूखण्ड संख्या 9 क्षेत्रफल 1225.00
वर्गफीट के साथ संलग्न है।



हनुमानलाल

28.7.15
प्राधिकृत अधिकारी
(ओ.एस.डी.)
नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

सह-पंजीयक
उदयपुर-दिलीप



ROAD 60'-0" WIDE

REF.

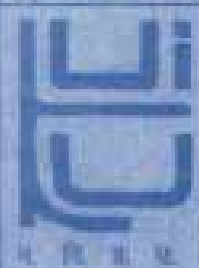
PLOT SIZE

25'-0" x 50'-0" + 4'-0"

PLOT AREA

1225 - 0 50 FT.

उपस्थित
उदयपुर-हिंदी



SITE PLAN OF PLOT NO. 9

IN K. NO. 1584, 5741/1587

REV. VILLAGE DHOLI MAGRI

UDAPIR

J. D. MAN

TRACER

15/8

SCALE

1" INCH = 50 FEET

CHECKED BY

Deputy Town Planner
U.I.T. Udaipur

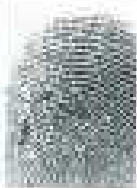
15/11/15
प्राधिकृत अधिकारी
विशेष अधिकारी
उदयपुर-हिंदी

URBAN IMPROVEMENT TRUST, UDAPIR

आज दिनांक 5 माह November सन् 2016 को 11:38 बजे
 श्री/श्रीमती/सुश्री CHHAGAN LAL पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KAMLA Ji
 उम्र 45 वर्ष, जाति BHIL व्यवसाय LABOUR
 निवासी RAKAMPURA UDR
 ने मेरे सम्मुख दस्तावेज पंजीयन हेतु प्रस्तुत किया।

Handwritten signature

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता हस्ताक्षर रूप पंजीयक, UDAIPUR-II
 (2015016649)
 (Lease deed for local bodies (Patta))

हस्ताक्षर	फोटो	अंगूठा
उक्त श्री/श्रीमती/सुश्री (Executant) 1-CHHAGAN LAL/KAMLA Ji Age:45, Caste-BHIL Occ.-LABOUR R/O-RAKAMPURA UDR 2-SECRETARY/UIT Age:0, Caste- Occ.- R/O-UDR ने लेख्यपत्र Lease deed for local bodies (Patta) को पढ़ सुन व समझकर निष्पादन करना स्वीकार किया। प्रतिफल राशी रु0 84293/- पूर्व में/मेरे समक्ष/मे से रु0 84293/-पूर्व में _____ यमेरे समक्ष प्राप्त करना स्वीकार किया। उक्त निष्पादन कर्ता की पहचान 1. श्री/श्रीमती/सुश्री MAJID KHAN पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री JIYARAT KHAN उम्र 55 वर्ष जाति MUSLIM व्यवसाय BUSINESS निवासी NEW COLONY GOVERDHAN VILAS UDR 2. श्री/श्रीमती/सुश्री DURGESH पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KESHU LAL Ji उम्र 37 वर्ष जाति MEENA व्यवसाय SERVICE निवासी DETYA MAGRI UDR ने की है जिनके समस्त हस्ताक्षर एवं अंगूठा के निशान मेरे समक्ष लिखे गये हैं। (2015016649) रूप पंजीयक, UDAIPUR-II (Lease deed for local bodies (Patta))	<i>Handwritten signature</i> <i>Handwritten signature</i>	   

रसीद नं० 2015016851 दिनांक 05/11/2015
पंजीयन शुल्क ₹0 850/-
प्रतिलिपि शुल्क ₹0 300/-
पृष्ठांकन शुल्क ₹0 0/-
अन्य शुल्क ₹0 0/-
कमी स्टाम्प शुल्क ₹0 0/-
सर्वचार्ज 0/-
कुल योग ₹0 1150/-

(2015016849) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

धारा 54 के तहत प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र
की मालियत रुपये 84293
मानते हुए इस पर देय कमी मुद्रांक
राशि 0 पर कमी पंजीयन शुल्क
रुपये 850 कुल रुपये 1150
जरिये रसीद संख्या 2015016851 दिनांक 05/11/2015
में जना किये गये है।
अतः दस्तावेज को रुपये 4220
के मुद्रांकों पर निष्पादित माना जाता है।

(2015016849) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

आज दिनांक 05/11/2015 को
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 804
में पृष्ठ संख्या 7 क्रम संख्या 2015010812 पर
पंजिबद्ध किया गया तथा अतिरिक्त
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 3214
के पृष्ठ संख्या 49 से 56 पर
चरपा किया गया।

(2015016849) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))





कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: F.11()Regin-II / घोली नगरी / P.N. 9 / 2015 | 911

Date: 21-9-2015

आवंटन - पत्र

प्रेषित :

श्री छगनलाल पिता कमला भील

निवासी- रकमपुरा, उदयपुर

विषय : राजस्व ग्राम घोली नगरी के खसरा संख्या 1586, 3721/1587 भूखण्ड सं 9 क्षेत्रफल 136.11 (वर्गगज) के आवंटन के संबंध में।

उपरोक्त विषय में लेख है कि राज्य सरकार के अधिसूचना क्रमांक F.3 (77) UDD /3/2010 दिनांक 28.06.2010 एवं राजस्थान सरकार के स्थानीय स्वायत्त शासन, नगरीय विकास और आवासन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ.3 (50) यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 के अनुसार आप द्वारा कृषि भूमि का आवासीय प्रयोजन के लिये उपयोग कर इस प्रयोजन हेतु रुपान्तरण / नियमन हेतु आवेदन किये जाने पर विषयांकित कृषि भूमि प्राधिकृत अधिकारी (सचिव) नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के प्रकरण संख्या 30/2015 आदेश संख्या 172 से 177 में पारित आदेश दिनांक 04.08.2015 में राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क के अनुरूप राज्य सरकार के पक्ष में पुनर्ग्रहित घोषित की जा चुकी है। इस पुनर्ग्रहण आदेश से यह भूमि स्वतः नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर में निहित हो गई है।

अतः विषयांकित भूखण्ड संख्या 9 जिसका क्षेत्रफल 1225.00 वर्गफीट = 136.11 वर्गगज उक्त अधिसूचना एवं जारी आदेशों की पालना में आपको 99 वर्ष की लीज होल्ड आधारों पर शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उसमें समय समय पर किये जाने वाले संशोधनों, राज्य सरकार / नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा जारी आदेशों एवं निर्देशों के अध्यधीन आवंटित / नियमित की जाती है। आपको निम्नांकित प्रकार से राशि नगर विकास प्रन्यास के कोष में इस आवंटन पत्र के 30 दिनों के अन्दर - अन्दर जमा करानी है:-

1.	राजस्थान सरकार के नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना क्रमांक ए. 3(50)नविवि/ 03/2012 जयपुर दिनांक 21-09-2012 अनुसार कृषि भूमि के अकृषि प्रयोजनार्थ उपयोग के लिये अनुज्ञा उपरान्त आवंटन हेतु आवासीय प्रिनियम पर 97.02/- रुपये प्रति वर्गगज की दर से 122.22 वर्गगज की राशि	5317 3545 8862	11858 /-रु.
2.	राजकीय भूमि 125.00 वर्गफीट सम्मिलित होने से 485/-रु. (बी.एल.सी.) प्रति वर्गफीट से		60625 /-रु.
3.	एकबारीय लीज राशि एक साथ 8 वर्ष की लीज राशि		14486 /-रु.
4.	मूलभूत आधारभूत संरचना जल, सड़क व विद्युत लाईन उपलब्ध होने से नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 10 के नोट संख्या (I) अनुसार वाह्य विकास शुल्क 100/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)		18982 /-रु.
5.	आन्तरिक विकास शुल्क 140/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 5(3) के अनुसार (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)		26575 /-रु.
6.	प्रकाशन व अन्य शुल्क यदि कोई हो		300 /-रु.
7.	साईट प्लान एवं डिमांरकेशन शुल्क		1000 /-रु.
(अ)	कुल जमा योग्य राशि (1 - 7 तक)		133826 /-रु.
8.	राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ.3 (50) यूडीएच / 3 / 2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 अनुसार न्यास चालान नं. 8808 दिनांक 20.05.2015 से प्रिनियम दर की 10 प्रतिशत जमा राशि 48822/- रु. (भूखण्ड क्षेत्रफल अनुपात अनुसार)		2996 /-रु.
9.	भू.रु. कार्यालय में जमा राशि का चालान नं. दिनांक (-)		0 /-रु.
10.	दिनांक 31-3-2000 तक राशि रु. जमा कराने से 5 प्रतिशत छूट (-)		0 /-रु.
(ब)	कुल जमा (8 - 10 तक)		2996 /-रु.

कुल जमा योग्य राशि (अ - ब) - अक्षरे रु. एक लाख तीस हजार आठ सौ तीस

130830 /-रु.

177285 3545

9713

21-09-15

मात्र

रकमपुरा

नगर विकास

आवंटन पत्र की सामान्य शर्तें एवं बाध्यताएं निम्न प्रकार हैं :-

- 1- उपरोक्त राशि आपको इस सूचना पत्र की प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर - अन्दर जमा करानी है। इस अवधि के पश्चात् शहरी भूमि निस्तारण नियमों के अनुसार ब्याज पेनाल्टी एवं निरस्तीकरण से संबंधित कार्यवाही की जायेगी।
- 2- यदि आवंटित / समर्पित एवं पुनर्ग्रहित भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित यदि कोई विवाद उत्पन्न हुआ तो उसका संपूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा। भूमि यदि किसी कारणवश या स्वामित्व के अभाव या आपके स्वामित्व के दोष के कारण आपके हाथों से निकल जायेगी तो यह आवंटन स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा और भूमि एवं उस पर निर्माण, यदि कोई है, उसे न्यास तत्काल अपने आधिपत्य में बिना मुआवजा दिये, लेने को अधिकृत होगा। साथ ही आवंटित भूमि के अतिरिक्त शेष भूमि पर आपका कोई हक या अधिकार नहीं होगा ना ही आप किसी प्रकार से अन्य कोई मुआवजा प्राप्ति के अधिकारी होंगे।
- 3- लीजहोल्ड नई टाउनशिप पोलिसी - 2010 के प्रावधानों एवं राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ. 3 (50)यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 एवं इस अनुसरण में समय- समय पर जारी परिपत्रों, आदेशों के अनुसार जारी की जायेगी।
- 4- इस हेतु आप निर्धारित राशि के नॉन - ज्यूडिशियल स्टॉम्प सचिव, नगर विकास प्रन्चास, उदयपुर के नाम से प्रस्तुत करें। एकबारीय लीज राशि जमा कराने पर भविष्य में लीज राशि देय नहीं होगी।
- 5- भूखण्ड का प्लान नियमानुसार स्वीकृत कराकर स्वीकृत प्लान अनुसार निर्माण करना अनिवार्य होगा।
- 6- देय राशि क्षेत्रफल के अनुसार घटी - बढ़ी होने पर परिवर्तनीय है।
- 7- पश्चातवर्ती किसी भी अनुक्रम पर यदि यह पाया जाता है कि यह आवंटन / नियमन प्राप्त करने में इस भूमि के खातेदारों या आवेदकों या अन्य किसी व्यक्ति ने कपटपूर्वक वास्तविक तथ्यों को छिपाया है या तथ्यों का कथन असत्य रूप से करते हुए छलपूर्वक यह आवंटन / नियमन प्राप्त किया है तो उक्त आदेश स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण यदि कोई हो उसके साथ स्वतः न्यास में निहित हो जायेगा और तत्काल ही उस पर अधिभोग रखने वाले व्यक्ति को बिना क्षतिपूर्ति के बेदखल कर दिया जायेगा। इस संबंध में आवंटनी या उसकी पश्चातवर्ती क्रेता की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
- 8- यह आवंटन इन तथ्यों के अधीन है कि आवेदक का जो अभिकथन शपथ पत्र एवं क्षतिपूर्ति बन्ध पत्र एवं आवेदन पत्र में जो कथन अंकित किये गये हैं वे एवं भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित सारे कथन सही एवं सत्य हैं। इसमें से किसी एक के भी असत्य पाये जाने पर यह आवंटन स्वतः निरस्त हो जायेगा।
- 9- पश्चातवर्ती अनुक्रम में राज्य सरकार के निर्देशों से अंकेक्षण या गणना की त्रुटि सुधार से कोई भी देय राशि ओर निकलती हो तो ऐसी राशि जमा कराने को आवंटनी बाध्य होगा।
- 10- उपरोक्त में से किसी एक शर्त या शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उस पर समय समय पर किये जाने वाले संशोधन, राज्य सरकार एवं न्यास के निर्देश एवं निर्णयों की पालना करने हेतु आवंटनी / क्रेता बाध्य होगा। इसमें से किसी एक के ही उत्तरदायित्व करने पर आवंटन स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण सहित भवन बिना क्षतिपूर्ति के न्यास में निहित हो जायेगा।
- 11- जिस प्रयोजन के लिये भूखण्ड नियमित / आवंटित किया गया है, उससे भिन्न प्रयोजन के लिये भूखण्ड का उपयोग नहीं लिया जा सकेगा।
- 12- "योजना में समस्त विकास कार्य योजना / निर्माणकर्ता / आवंटनी खातेदार को अपने स्तर पर कराना होगा। न्यास द्वारा मात्र बाह्य विकास शुल्क लिया गया है।


 (राजनिकान्त मेहता)
 सचिव
 नगर विकास प्रन्चास, उदयपुर

प्रतिलिपि

- 1- उप नगर नियोजक, न्यास को साईट प्लान की प्रति तैयार करने हेतु।
- 2- गार्ड फाईल।


 सचिव
 नगर विकास प्रन्चास, उदयपुर



लीज के आधार पर आवासीय प्रयोजनों के लिये भूमि पट्टा-विलेख

(राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर - कृषिक प्रयोजन के लिये उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन) नियम, 2012 के नियम 22 के अन्तर्गत भूमि का पट्टा विलेख)



आवंटन/नियमन-पत्र क्रमांक 899 दिनांक 03-09-2015 के क्रम में यह पट्टा विलेख आज 2015 के माह के दिन को नगर विकास प्रन्यास, ... (जिन्हें इसके बाद नगर विकास कह कर संबोधित किया गया है) प्रथम पक्ष एवं श्री लाल पिता कमला भील निवासी- रकमपुरा, उदयपुर (जिनको इसके द्वारा लीजधारक (पट्टा धारक) कहकर संबोधित किया गया है) द्वितीय पक्ष तथा इस इलाक़ में जहां कहीं प्रसंग से वैसा अर्थ निकले उनके उत्तराधिकारी, निर्वहक, प्रबन्धक, प्रतिनिधि और मुन्तकील अलौह भी सम्मिलित होंगे) के मध्य निश्चायित हुआ है।

यह विलेख सांक्ष्यिकित करता है कि प्रिमियम राशि, विकास शुल्क व अन्य शुल्क की कुलिया रकम रुपये 84293/- अक्षरे चौरासी हजार दो सौ तराणवे रुपये मात्र की रकम के नियमन शुल्क जो लीजधारक (पट्टाधारक) के द्वारा अदा कर दी गई है और जिसकी रसीद नगर विकास के द्वारा स्वीकार कर ली गई है और इसमें उल्लिखित शर्तों और करारों जो लीजधारक द्वारा निष्पादित तथा पालन किये जावेंगे, के एवज में नगर विकास इनके द्वारा लीजधारक को जमीन का यह तमाम भूखण्ड (जिसे इसके बाद उक्त भूखण्ड कहकर संबोधित किया गया है) नियमन और लीज के आधार पर पुनः आवंटित करती है जो राजस्व गान धोली मगरी असरा नम्बर 1586, 3721/1587 के योजना प्लान में स्थित हो कर भूखण्ड संख्या 8 क्षेत्रफल 1466.50 वर्गफिट है और जो अपनी सीमा और क्षेत्रफल के साथ इसके अन्तर्गत लिखे गये परिशिष्ट में अधिक पूर्णरूपेण वर्णित है तथा जिसका आकार विशेष रूप से इससे संलग्न नक्शे में दिखाया गया है, और जिसे पूर्ण स्वामित्व संबंधी स्वार्थों सहित किन्तु निम्नलिखित तमाम व प्रत्येक अपवादों, संरक्षणों, प्रतिबन्धों, बन्धनों, शर्तों और करारों के अधीन पट्टेदार अपने उपयोग - उपयोग और इस्तेमाल के लिए अपने अधिकार में रखेगा, अर्थात्:-

- 1- उक्त भूखण्ड लीज पर आवंटित किया गया है। लीज की अवधि 99 वर्ष होगी। 8 वर्ष की अग्रिम एक मुश्त जमा करने पर उस क्षेत्र की आरक्षित दर के बजाय केवल नियमन राशि पर 2.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ही देय है। पट्टेदार ने 8 वर्ष की अग्रिम की राशि एक मुश्त जमा कर दी है जिसके फलस्वरूप अब यह भूखण्ड वार्षिक लीज राशि से मुक्त है।
- 2- उक्त भूखण्ड का उपयोग केवल उस पर रहने के आशय से किसी भवन या भवनों के बनवाने में ही होगा। भूखण्ड का व्यावसायिक या लाभ कमाने की दृष्टि से उपयोग किसी भी भांति नहीं किया जा सकेगा। निर्मित भूखण्ड के संबंध में राज्य सरकार के समय - समय पर प्राप्त आदेशों द्वारा प्रावधानों में प्रदत्त शिथिलता के तहत नियमन योग्य निर्माण ही नियमित किया गया है तथा नियमन अयोग्य निर्माण के संबंध में संबंधित नियमों के अनुसार कार्यवाही की जावेगी।
- 3- पट्टेदार द्वारा अपने भूखण्ड में निर्धारित सेटबैक छोड़ते हुए तथा न्यास के प्रचलित भवन विनियमों के प्रावधानों के अध्याधीन निर्माण कार्य कराना होगा। इसके लिए पट्टेदार द्वारा प्रस्तावित निर्माण हेतु निर्धारित आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ सशुल्क सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत कर निर्माण स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। भूखण्ड पर आवंटन/नियमन की तिथि से 7 वर्ष, या ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर जो नियम - 26 के अन्तर्गत बड़ा दी जावे, लीजधारक के द्वारा इस भूखण्ड पर भवन का निर्माण कराया जायेगा।
- 4- आवंटनी द्वारा भूखण्ड विक्रय करने पर केता द्वारा भूखण्ड का हस्तान्तरण नगर विकास प्रन्यास के नियमों के अनुसार न्यास से करवाना होगा।
- 5- लीजधारक उक्त भूखण्ड को आगे और अन्तरित या उप-पट्टे पर दे सकेगा। उक्त नियमों में अन्तर्विष्ट निर्बंधन और शर्तों और अन्य उपबंध, यथावश्यक परिवर्तन सहित, अन्तरिती या उप-पट्टेदार पर इस प्रकार लागू होंगे मानो प्रश्नगत उक्त भूखण्ड नगर विकास द्वारा दिया गया है या अन्तरित किया गया है। लीजधारक द्वारा मूल पट्टे की कालावधि से अधिक नहीं होगी। उप-पट्टे उक्त नियमों में विहित सगस्त अन्य निर्बंधनों और शर्तों या किन्हीं पृथक, आदेशों द्वारा, जो राज्य सरकार द्वारा समय - समय पर इस निमित्त विनिर्दिष्ट मामलों में जारी किये जावें, शासित होंगे।
- 6- इस लीज डीड के आधार पर उक्त भूखण्ड को सरकार/जीवन बीमा निगम/शिद्दयूल बैंक/ सरकारी ऋणदात्री संस्था/एचडीएफसी/ अथवा नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा अधिकृत ऋणदात्री संस्थाओं के पास भवन निर्माण के ऋण के लिए गिरवी रखा जा सकेगा।
- 7- उक्त नियमों के अधीन किसी व्यक्ति के प्रति परादेय प्रिमियम या नगरीय निर्धारण या व्याज, आन्तरिक/बाह्य विकास प्रभारों का कोई बकाया राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के अधीन भू-राजस्व की बकाया के रूप में लीजधारक से वसूलीय होगा।

प्राधिकृत अधिकारी
विशेषाधिकारी
नगर विकास प्रन्यास
उदयपुर (राज.)

.....

उप-पंजीरक
उदयपुर-द्वितीय

कृ. पू. क.

9- यदि आबंटन या पट्टा विलेख के निष्पादन के पश्चात् यह पाया जाता है कि आबंटन या पट्टा विलेख विधि की दुरुभिराधि या उसके उल्लंघन में कथपूरुण दस्तावेज के निबंधनों और शर्तों का अतिक्रमण किया गया है तो नगर विकास उक्त भूखण्ड पर उसके किसी सम्मिलन सहित उसे प्रतिसंहत करेगा जो सभी प्रभारों से रहित नगर विकास में विहित समझे जायेंगे और नगर विकास किसी भी व्यक्ति को कारित किसी भी प्रकार की लुकसानी के लिये बायी नही होगा।

नोट: इस भूखण्ड की नियमन की सम्पूर्ण राशि 84293/- रुपये होती है। अतएव इसमें AB543745 स्टॉम्प रुपये 100/- संख्या 01 बहिश्चित पट्टा इसके साथ लगाये जाते हैं।

भू-खण्ड विवरण	विस्तृत नाप	पक्षीस
राजस्व घात	घोली मगरी	पूर्व - As per site plan
खसरा नम्बर	1586, 3721/1587	पश्चिम - As per site plan
क्षेत्रफल	- 1466.50 वर्गफिट	उत्तर - As per site plan
भू-खण्ड संख्या	- 8	दक्षिण - As per site plan

इसके साक्षी एवं इसके पक्षकारों ने इसके बाद प्रत्येक दशा में निर्देशित स्थानों और तारीखों पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

आज सन् 2015 माह 11 के 3 वे दिन को श्रीमती कीर्ति राठी सह सम अधिकारी उदयपुर ने निम्न की उपस्थिति में न्यास उदयपुर में हस्ताक्षर किये।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर विकास अधिकारी, उदयपुर (राज.)

साक्षी :

- नाम लक्ष्मण गुर्जर
पिता का नाम श्री नारायण जी गुर्जर
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम कैलाश शर्मा
पिता का नाम श्री भगवती लाल जी
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

पट्टेदार की ओर से :

आज सन् 2015 माह के वे दिन को की उपस्थिति में उक्त श्री छगनलाल पिता कमला भील द्वारा कार्यालय, नगर विकास न्यास, उदयपुर में हस्ताक्षर किये गये।

पट्टेदार के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम स्वप्निल बाबेल
पिता का नाम श्री भूपेन्द्र बाबेल
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम दुर्गेश मीणा
पिता का नाम श्री केसुलाल जी
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

उप-पंजीयक
उदयपुर-द्वितीय



राजस्थान RAJASTHAN

AB 543745



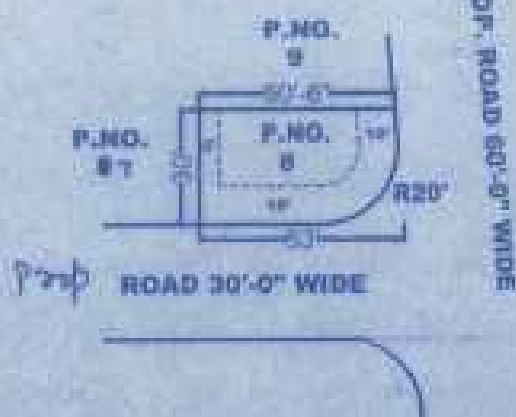
राजस्व ग्राम धोली मगरी खसरा नम्बर 1586,
3721/1587 गृहखण्ड संख्या 8 क्षेत्रफल 1466.50
वर्गफीट के साथ संलग्न है ।

सिद्धांत
प्राधिकृत अधिकारी
(ओ.एस.डी.)
नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर



हनुमान माल

उप-पंजीयक
उदयपुर-द्वितीय



REF.

PLOT SIZE

53'-0" + 50'-6" X 30'-0" (R20')

PLOT AREA

1466.50 SQ. FT.

उप-परीक्षक
उदयपुर-हिमाचल



SITE PLAN OF PLOT NO. 8

IN K. NO

1586, 3721/1587

REV. VILLAGE

DHOLI MAGRI

UDAIPUR

न. वि. उ. उ.

J. D. MAN

TRACER

[Signature]

SCALE

1" INCH = 50 FEET

[Signature]
CHECKED BY

Deputy Town Planner
U.I.T. Udaipur

[Signature]
प्राधिकृत अधिकारी
उदयपुर-हिमाचल

URBAN IMPROVEMENT TRUST, UDAIPUR



आज दिनांक 5 माह November सन् 2015 को 11:38 बजे
 श्री/श्रीमती/सुश्री CHHAGAN LAL पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KAMLA Ji
 उम्र 45 वर्ष, जाति BHIL व्यवसाय LABOUR
 निवासी RAKAMPURA UDR
 ने मेरे सम्मुख दस्तावेज पंजीयन हेतु प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षर

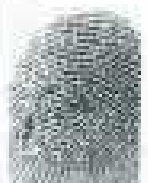
हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता हस्ताक्षर उप पंजीयक, UDAIPUR-II
 (2015016648)
 (Lease deed for local bodies (Patta))

हस्ताक्षर फोटो अंगूठा

उक्त श्री/श्रीमती/सुश्री (Executant)
 1-CHHAGAN LAL/KAMLA Ji
 Age:45, Caste-BHIL
 Occu.-LABOUR
 R/O-RAKAMPURA UDR



हस्ताक्षर



2-SECRETARY/UIT
 Age:0, Caste-
 Occu.-
 R/O-UDR

ने लेख्यपत्र Lease deed for local bodies (Patta)
 को पढ़ सुन व समझकर निष्पादन करना स्वीकार किया।
 प्रतिकूल राशी रु० 84293/- पूर्व में/मेरे
 समक्ष/मे से रु० 84293/-पूर्व में _____
 यमेरे समक्ष प्राप्त करना स्वीकार किया।

उक्त निष्पादन कर्ता की पहचान

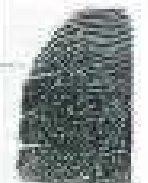
1. श्री/श्रीमती/सुश्री MAJID KHAN
 पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री JIYARAT KHAN उम्र 55 वर्ष
 जाति MUSLIM व्यवसाय BUSINESS
 निवासी NEW COLONY GOVERDHAN VILAS UDR

2. श्री/श्रीमती/सुश्री DURGESH
 पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KESHU LAL Ji उम्र 37 वर्ष
 जाति MEENA व्यवसाय SERVICE
 निवासी DETYA MAGRI UDR ने की है जिनके

समस्त हस्ताक्षर एवं अंगूठा के निशान मेरे समक्ष लिये गये हैं।

(2015016648) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
 (Lease deed for local bodies (Patta))

मेरी ओर



रसीद नं० 2015016852 दिनांक 05/11/2015

पंजीयन शुल्क ₹0 850/-

प्रतिलिपि शुल्क ₹0 300/-

पृष्ठांकन शुल्क ₹0 0/-

अन्य शुल्क ₹0 0/-

कमी स्टाम्प शुल्क ₹0 0/-

सरचार्ज 0/-

कुल योग ₹0 1150/-

(2015016848) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

धारा 54 के तहत प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र
की मालियत रुपये 84293
मानते हुए इस पर देय कमी मुद्रांक
राशि 0 पर कमी पंजीयन शुल्क
रुपये 850 कुल रुपये 1150
जरिये रसीद संख्या 2015016852 दिनांक 05/11/2015
में जमा किये गये हैं।
अतः दस्तावेज को रुपये 4220
के मुद्रांकों पर निष्पादित माना जाता है।

(2015016848) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

आज दिनांक 05/11/2015 को
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 804
में पृष्ठ संख्या 6 क्रम संख्या 2015010811 पर
पंजिवद्ध किया गया तथा अतिरिक्त
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 3214
के पृष्ठ संख्या 41 से 48 पर
घस्या किया गया।



(2015016848) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))



कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

कमांक: F.11()Regin-II / घोली नगरी / P.N. 8 / 2015 / 899

Date: 3-5-2015

आवंटन - पत्र

प्रेषित :

श्री छगनलाल पिता कमला भील

नियासी- रकनपुरा, उदयपुर

विषय : राजस्व ग्राम घोली नगरी के खसरा संख्या 1588, 3721/1587 भूखण्ड सं 8 क्षेत्रफल 162.94 (वर्गगज) के आवंटन के संबंध में।

उपरोक्त विषय में लेख है कि राज्य सरकार के अधिसूचना कमांक F.3 (77) UDD /3/2010 दिनांक 28.08.2010 एवं राजस्थान सरकार के स्थानीय स्वायत्त शासन, नगरीय विकास और आवासन विभाग की अधिसूचना कमांक एफ.3 (50) यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 के अनुसार आप द्वारा कृषि भूमि का आवासीय प्रयोजन के लिये उपयोग कर इस प्रयोजन हेतु रूपान्तरण / नियमन हेतु आवेदन किये जाने पर विषयांकित कृषि भूमि प्राधिकृत अधिकारी (सचिव) नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के प्रकरण संख्या 30/2015 आदेश संख्या 172 से 177 में पारित आदेश दिनांक 04.08.2015 में राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क के अनुरूप राज्य सरकार के पक्ष में पुनर्ग्रहित घोषित की जा चुकी है। इस पुनर्ग्रहण आदेश से यह भूमि स्वतः नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर में निहित हो गई है।

अतः विषयांकित भूखण्ड संख्या 8 जिसका क्षेत्रफल 1466.50 वर्गफीट = 162.94 वर्गगज उक्त अधिसूचना एवं जारी आदेशों की पालना में आपको 99 वर्ष की लीज होल्ड आचारों पर शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उसमें समय समय पर किये जाने वाले संशोधनों, राज्य सरकार / नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा जारी आदेशों एवं निर्देशों के अधधीन आवंटित / नियमित की जाती है। आपको निम्नांकित प्रकार से राशि नगर विकास प्रन्यास के कोष में इस आवंटन पत्र के 30 दिनों के अन्दर - अन्दर जमा करानी है-

1. राजस्थान सरकार के नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना कमांक ए. 3(50)नविवि/ 03/2012 जयपुर दिनांक 21-08-2012 अनुसार कृषि भूमि के अकृषि प्रयोजनार्थ उपयोग के लिये अनुज्ञा उपरान्त आवंटन हेतु आवासीय प्रिमियम दर 97.02/- रुपये प्रति वर्गगज की दर से 162.94 वर्गगज की राशि	15809 /-रु.
2. एकवारीय लीज राशि एक साथ 8 वर्ष की लीज राशि	12647 /-रु.
3. मूलभूत आधारभूत संरचना जल, सड़क व विद्युत लाईन उपलब्ध होने से नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 10 के नोट संख्या (I) अनुसार बाह्य विकास शुल्क 100/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	22724 /-रु.
4. आन्तरिक विकास शुल्क 140/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 5(3) के अनुसार (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	31814 /-रु.
5. प्रकाशन व अन्य शुल्क यदि कोई हो	300 /-रु.
6. साईट प्लान एवं डिमांडेशन शुल्क	1000 /-रु.
(अ) कुल जमा योग्य राशि (1 - 6 तक)	84293 /-रु.
7. राज्य सरकार की अधिसूचना कमांक एफ.3 (50) यूडीएच / 3 / 2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 अनुसार न्यास चालान नं. 8808 दिनांक 20.05.2015 से प्रिमियम दर की 10 प्रतिशत जमा राशि 49922/- रु. (भूखण्ड क्षेत्रफल अनुपात अनुसार)	3586 /-रु.
8. भू.स. कार्यालय में जमा राशि का चालान नं. दिनांक (-)	0 /-रु.
9. दिनांक 31-3-2000 तक राशि रु. जमा कराने से 5 प्रतिशत छूट (-)	0 /-रु.
(ब) कुल जमा (7 - 09 तक)	3586 /-रु.
शुद्ध जमा योग्य राशि (अ - ब) - अक्षरे रु. अस्सी हजार सात सौ सात मात्र	80707 /-रु.

2

आवंटन पत्र की सामान्य शर्तें एवं बाध्यताएं निम्न प्रकार हैं :-

- 1- उपरोक्त राशि आपको इस सूचना पत्र की प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर - अन्दर जमा करानी है। इस अवधि के पश्चात् शहरी भूमि निस्तारण नियमों के अनुसार ब्याज पेनाल्टी एवं निरस्तीकरण से संबंधित कार्यवाही की जायेगी।
- 2- यदि आवंटित / समर्पित एवं पुनर्ग्रहित भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित यदि कोई विवाद उत्पन्न हुआ तो उसका संपूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा। भूमि यदि किसी कारणवश या स्वामित्व के अभाव या आपके स्वामित्व के दोष के कारण आपके हाथों से निकल जायेगी तो यह आवंटन स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा और भूमि एवं उस पर निर्माण, यदि कोई है, उसे न्यास तत्काल अपने आधिपत्य में बिना मुआवजा दिये, लेने को अधिकृत होगा। साथ ही आवंटित भूमि के अतिरिक्त शेष भूमि पर आपका कोई हक व अधिकार नहीं होगा ना ही आप किसी प्रकार से अन्य कोई मुआवजा प्राप्ति के अधिकारी होंगे।
- 3- लीजडीड नई टाउनशिप पोलिसी - 2010 के प्रावधानों एवं राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ. 3 (50)यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 एवं इस अनुसरण में समय- समय पर जारी परिपत्रों, आदेशों के अनुसार जारी की जायेगी।
- 4- इस हेतु आप निर्धारित राशि के नॉन - ज्यूडिशियल स्टॉम्प सचिव, नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के नाम से प्रस्तुत करें। एकबारीय लीज राशि जमा कराने पर भविष्य में लीज राशि देय नहीं होगी।
- 5- भूखण्ड का प्लान नियमानुसार स्वीकृत करवाकर स्वीकृत प्लान अनुसार निर्माण करना अनिवार्य होगा।
- 6- देय राशि क्षेत्रफल के अनुसार घटी - बड़ी होने पर परिवर्तनीय है।
- 7- पश्चातवर्ती किसी भी अनुक्रम पर यदि यह पाया जाता है कि यह आवंटन / नियमन प्राप्त करने में इस भूमि के खातेदारों या आवेदकों या अन्य किसी व्यक्ति ने कपटपूर्वक वास्तविक तथ्यों को छिपाया है या तथ्यों का कथन असत्य रूप से करते हुए छलपूर्वक यह आवंटन / नियमन प्राप्त किया है तो तबत आदेश स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण यदि कोई हो उसके साथ स्वतः न्यास में निहित हो जायेंगे और तत्काल ही उस पर अधिभोग रखने वाले व्यक्ति को बिना क्षतिपूर्ति के बेदखल कर दिया जायेगा। इस संबंध में आवंटनी या उसकी पश्चातवर्ती कंटा की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
- 8- यह आवंटन इन तथ्यों के अधीन है कि आवेदक का जो अभिकथन शपथ पत्र एवं क्षतिपूर्ति बन्ध पत्र एवं आवेदन पत्र में जो कथन अंकित किये गये हैं वे एवं भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित सारे कथन सही एवं सत्य हैं। इसने से किसी एक के भी असत्य पाये जाने पर यह आवंटन स्वतः निरस्त हो जायेगा।
- 9- पश्चातवर्ती अनुक्रम में राज्य सरकार के निर्देशों से अंकेक्षण या गणना की त्रुटि सुधार से कोई भी देय राशि ओर निकलती हो तो ऐसी राशि जमा कराने को आवंटनी बाध्य होगा।
- 10- उपरोक्त में से किसी एक शर्त या शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उस पर समय समय पर किये जाने वाले संशोधन, राज्य सरकार एवं न्यास के निर्देश एवं निर्णयों की पालना करने हेतु आवंटनी / कंटा बाध्य होगा। इसमें से किसी एक के ही उल्लंघन करने पर आवंटन स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण सहित भवन बिना क्षतिपूर्ति के न्यास में निहित हो जायेगा।
- 11- जिस प्रयोजन के लिये भूखण्ड नियमित / आवंटित किया गया है, उससे भिन्न प्रयोजन के लिये भूखण्ड का उपयोग नहीं लिया जा सकेगा।
- 12- योजना में समस्त विकास कार्य योजना / निर्माणकर्ता / आवंटनी खातेदार को अपने स्तर पर कराना होगा। न्यास द्वारा मात्र बाह्य विकास शुल्क लिया गया है।

(राम निवास मेहता)

सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

प्रतिलिपि:

- 1- उप नगर नियोजक, न्यास को साईट प्लान की प्रति तैयार करने हेतु।
- 2- गार्ड फाईल।

सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर



नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

570
3-11-15

लीज के आधार पर आवासीय प्रयोजनों के लिये भूमि पट्टा-विलेख

(राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर - कृषि प्रयोजन के लिये उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन) नियम, 2012 के नियम 22 के अन्तर्गत भूमि का पट्टा विलेख)

आवंटन/नियमन-पत्र क्रमांक 898 दिनांक 03-09-2015 के क्रम में यह पट्टा विलेख आज 03-11-2015 के माह के दिन को नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (जिन्हें इसके बाद नगर विकास कह कर संबोधित किया गया है) प्रथम पक्ष एवं श्री छगनलाल पिता कमला भील निवासी- रकमपुरा, उदयपुर (जिनको इसके पश्चात् लीजधारक (पट्टा धारक) कहकर संबोधित किया गया है) द्वितीय पक्ष तथा इस इलाक में जहां कहीं प्रसंग से वैसा अर्थ निकले उनके उत्तराधिकारी, निर्वाहक, प्रबन्धक, प्रतिनिधि और सुन्तकील अलैह भी सम्मिलित होंगे) के मध्य निश्चायित हुआ है।

यह विलेख साक्ष्यांकित करता है कि प्रिमियम राशि, विकास शुल्क व अन्य शुल्क की कुलिया रकम रुपये 53113/- अक्षरे तरफन हजार एक सौ तेरह रुपये मात्र की रकम के नियमन शुल्क जो लीजधारक (पट्टाधारक) के द्वारा अदा कर दी गई है और जिसकी रसीद नगर विकास के द्वारा स्वीकार कर ली गई है और इसमें उल्लिखित शर्तों और करारों जो लीजधारक द्वारा निम्नादिष्ट तथा पालन किये जायेंगे, के एवज में नगर विकास इनके द्वारा लीजधारक को जमीन का वह तमाम भूखण्ड (जिसे इसके बाद उक्त भूखण्ड कहकर संबोधित किया गया है) नियमन और लीज के आधार पर पुनः आवंटित करती है जो राजस्व खान घोली मगरी खसरा नम्बर 1586, 3721/1587 के योजना प्लान में स्थित हो कर भूखण्ड संख्या 7 क्षेत्रफल 945.00 वर्गफिट है और जो अपनी सीमा और क्षेत्रफल के साथ इसके अन्तर्गत लिखे गये परिशिष्ट में अधिक पूर्णरूपेण वर्णित है तथा जिसका आकार विशेष रूप से इससे संलग्न नक्शे में दिखाया गया है, और जिसे पूर्ण स्वामित्व संबंधी स्वत्वों सहित किन्तु निम्नलिखित तमाम व प्रत्येक अपवादों, संरक्षणों, प्रतिबन्धों, बन्धनों, शर्तों और करारों के अधीन पट्टेदार अपने उपयोग - उपभोग और इस्तेमाल के लिए अपने अधिकार में रखेगा, अर्थात्:-

- उक्त भूखण्ड लीज पर आवंटित किया गया है। लीज की अवधि 99 वर्ष होगी।
- 8 वर्ष की अग्रिम एक मुश्त जमा कराने पर उस क्षेत्र की आरक्षित दर के बजाय केवल नियमन राशि पर 2.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ही देय है। पट्टेदार ने 8 वर्ष की अग्रिम की राशि एक मुश्त जमा कर दी है जिसके फलस्वरूप अब यह भूखण्ड वार्षिक लीज राशि से मुक्त है।
- उक्त भूखण्ड का उपयोग केवल उस पर रहने के आशय से किसी भवन या भवनों के बनवाने में ही होगा। भूखण्ड का व्यावसायिक या लाभ कमाने की दृष्टि से उपयोग किसी भी भांति नहीं किया जा सकेगा। निर्मित भूखण्ड के संबंध में राज्य सरकार के समय - समय पर प्राप्त आदेशों द्वारा प्रावधानों में प्रदत्त शिथिलता के तहत नियमन योग्य निर्माण ही नियमित किया गया है तथा नियमन अयोग्य निर्माण के संबंध में संबंधित नियमों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- पट्टेदार द्वारा अपने भूखण्ड में निर्धारित सेंट्रलक छोड़ते हुए तथा न्यास के प्रचलित भवन विनियमों के प्रावधानों के अधधीन निर्माण कार्य कराना होगा। इसके लिए पट्टेदार द्वारा प्रस्तावित निर्माण हेतु निर्धारित आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ सशुल्क सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत कर निर्माण स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। भूखण्ड पर आवंटन/नियमन की तिथि से 7 वर्ष, या ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर जो नियम - 26 के अन्तर्गत बड़ा दी जायें, लीजधारक के द्वारा इस भूखण्ड पर भवन का निर्माण कराया जायेगा।
- आवंटी द्वारा भूखण्ड विकस्य करने पर केता द्वारा भूखण्ड का हस्तान्तरण नगर विकास प्रन्यास के नियमों के अनुसार न्यास से करवाना होगा।
- लीजधारक उक्त भूखण्ड को आने और अन्तरित या उप-पट्टे पर दे सकेगा। उक्त नियमों में अन्तर्विष्ट निबंधन और शर्तों और अन्य उपबंध, यथावश्यक परिवर्तन सहित, अन्तरिती या उप-पट्टेदार पर इस प्रकार लागू होंगे मानो प्रश्नमात् उक्त भूखण्ड नगर विकास द्वारा दिया गया है या अन्तरित किया गया है। लीजधारक द्वारा मूल पट्टे की कालावधि से अधिक नहीं होगी। उप-पट्टे उक्त नियमों में विहित समस्त अन्य निबंधनों और शर्तों या किन्हीं पृथक, आदेशों द्वारा, जो राज्य सरकार द्वारा समय - समय पर इस निमित्त विनिर्दिष्ट मामलों में जारी किये जायें, शासित होंगे।
- इस लीज डीठ के आधार पर उक्त भूखण्ड को सरकार/जीवन बीमा निगम/शिह्यूल बैंक/ सरकारी ऋणदात्री संस्था/एचडीएफसी/ अथवा नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा अधिकृत ऋणदात्री संस्थाओं के पास भवन निर्माण के ऋण के लिए गिरवी रखा जा सकेगा।
- उक्त नियमों के अधीन किसी व्यक्ति के प्रति परादेय प्रिमियम या नगरीय निर्धारण या ब्याज, आन्तरिक/बाह्य विकास प्रभारों का कोई बकाया राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के अधीन भू-राजस्व की बकाया के रूप में लीजधारक से वसूलीय होगा।

प्राधिकृत अधिकारी
विशेषाधिकारी
नगर विकास प्रन्यास
उदयपुर (राज.)

उप-पट्टेदार
छगनलाल पिता कमला भील
उदयपुर-द्वितीय

कृप पृ ५०

9- यदि आबंटन या पट्टा विलेख के निष्पादन के पश्चात् यह पाया जाता है कि आबंटन या पट्टा विलेख विधि की दूरभिसंधि या उसके उल्लंघन में कथपूर दस्तावेज के विवरणों और शर्तों का अतिक्रमण किया गया है तो नगर निकाय उक्त भूखण्ड पर उसके किसी सम्बन्धित सहित उसे प्रतिशुद्ध करेगा जो सभी प्रभावी से रहित नगर निकाय में निहित समझे जायेंगे और नगर निकाय किसी भी व्यक्ति को कारित किसी भी प्रकार की मुकदानी के लिये बांधी नहीं होगा।

नोट: इस भूखण्ड की निम्न की सम्पूर्ण राशि 53113/- रुपये होती है। अतएव स्टॉम्प AB543744 स्टॉम्प रुपये 100/- संख्या 01 बहसियत पट्टा इसके साथ लगाये जाते हैं।

भू-खण्ड विवरण	विस्तृत नाम	पक्षीस
राजस्व ग्राम	घोली मगरी	पूर्व - As per site plan
खसरा नम्बर	1588, 3721/1587	पश्चिम - As per site plan
क्षेत्रफल	- 945.00 वर्गफिट	उत्तर - As per site plan
भू-खण्ड संख्या	- 7	दक्षिण - As per site plan

इसके साक्षी एवं इसके पक्षकारों ने इसके बाद प्रत्येक दशा में निर्देशित स्थानों और तारीखों पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

आज सन् 2015 माह 11 के 3 वे दिन को श्रीमती कीर्ति राठीड सक्षम अधिकारी उदयपुर ने निम्न की उपस्थिति में न्यास उदयपुर में हस्ताक्षर किये।

प्राधिकृत अधिकारी
विशेषाधिकारी
सक्षम-अधिकारी-उदयपुर
उदयपुर (राज.)

साक्षी :

- नाम लक्ष्मण गुर्जर
पिता का नाम श्री नारायण जी गुर्जर
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम कैलाश शर्मा
पिता का नाम श्री भगवती लाल जी
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

पट्टेदार की ओर से :

आज सन् 2015 माह के वे दिन को की उपस्थिति में उक्त श्री छगनलाल पिता कमला भील द्वारा कार्यालय, नगर विकास न्यास, उदयपुर में हस्ताक्षर किये गये।

पट्टेदार के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम स्वप्निल बाबेल
पिता का नाम श्री भूपेन्द्र बाबेल
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम दुर्गेश मीणा
पिता का नाम श्री कंसुलाल जी
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

उप-पंजीयक
उदयपुर-द्वितीय



राजस्थान RAJASTHAN

28 JUL 2015

AB 543744



राजस्व ग्राम धोली मगरी खसरा नम्बर 1586,
3721/1587 भूखण्ड संख्या 7 क्षेत्रफल 945.00
वर्गफीट के साथ संलग्न है।

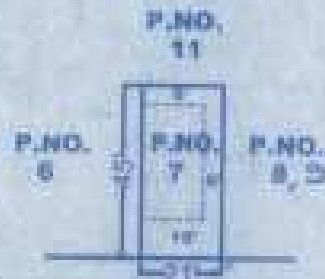


प्रमाणित अधिकारी
(ओ.एस.डी.)

नगर विकास प्रशासन, उदयपुर

उदयपुर

उप-पंजीयक
उदयपुर-द्वितीय



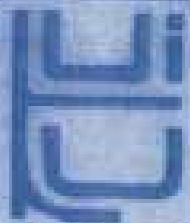
ROAD 30'-0" WIDE

REF.

PLOT SIZE 21'-0" X 45'-0"

PLOT AREA 945.00 SQ. FT.

उपस्थित
उदयपुर-डिपोल



SITE PLAN OF PLOT NO. 7

IN K. NO. 1586, 3721/1587

REV. VILLAGE

DHOLI MAGRI

UDAIPUR

J. D. MAN

TRACER

SCALE
1" INCH = 50 FEET

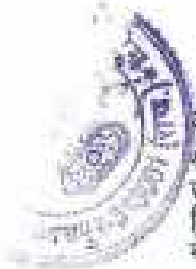
CHICKA
व.मान

CHECKED BY

Deputy Town Planner
U.I.T. Udaipur

प्राधिकृत अधिकारी
उ.प.उ. उदापुर

URBAN IMPROVEMENT TRUST, UDAIPUR



आज दिनांक 5 माह November सन् 2015 को 11:38 बजे
 श्री/श्रीमती/सुश्री CHHAGAN LAL पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KAMLA JI
 उम्र 45 वर्ष, जाति BHIL व्यवसाय LABOUR
 निवासी RAKAMPURA UDR
 ने मेरे सम्मुख दस्तावेज पंजीयन हेतु प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता
 (2015018647)

हस्ताक्षर उप पंजीयक, UDAIPUR-II

(Lease deed for local bodies (Patta))

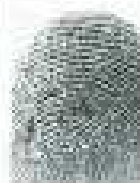
हस्ताक्षर

फोटो

अंगूठा

उक्त श्री/श्रीमती/सुश्री (Executant)
 1-CHHAGAN LAL/KAMLA JI
 Age:45, Caste-BHIL
 Occu-LABOUR
 R/O-RAKAMPURA UDR

हस्ताक्षर



2-SECRETARY/UIT
 Age:0, Caste-
 Occu-
 R/O-UDR



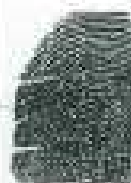
ने लेख्यपत्र Lease deed for local bodies (Patta)
 को पढ़ सुन व समझकर निष्पादन करना स्वीकार किया।
 प्रतिकूल राशी रु0 53113/- पूर्व में/मेरे
 समक्ष/मे से रु0 53113/-पूर्व में _____
 यमरे समक्ष प्राप्त करना स्वीकार किया।

उक्त निष्पादन कर्ता की पहचान

1. श्री/श्रीमती/सुश्री MAJID KHAN
 पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री JIYARAT KHAN उम्र 55 वर्ष
 जाति MUSLIM व्यवसाय BUSINESS
 निवासी NEW COLONY GOVERDHAN VILAS UDR

2. श्री/श्रीमती/सुश्री DURGESH
 पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KESHU LAL JI उम्र 37 वर्ष
 जाति MEENA व्यवसाय SERVICE
 निवासी DETYA MAGRI UDR ने की है जिनके

मेजी देस



समस्त हस्ताक्षर एवं अंगूठा के निशान मेरे समक्ष लिये गये हैं।

(2015018647)
 (Lease deed for local bodies (Patta))

उप पंजीयक, UDAIPUR-II

रसीद नं० 2015016853 दिनांक 05/11/2015
पंजीयन शुल्क रु० 540/-
प्रतिलिपि शुल्क रु० 300/-
पृष्ठांकन शुल्क रु० 0/-
अन्य शुल्क रु० 0/-
कमी स्टाम्प शुल्क रु० 0/-
सरचार्ज 0/-
कुल योग रु० 840/-

(2015016847) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

धारा 54 के तहत प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र
की मालियत रुपये 53113
मानते हुए इस पर देय कमी मुद्रांक
राशि 0 पर कमी पंजीयन शुल्क
रुपये 540 कुल रुपये 840
जरिये रसीद संख्या 2015016853 दिनांक 05/11/2015
में जमा किये गये हैं।
अतः वस्तावेज को रुपये 2660
के मुद्रांकों पर निष्पादित माना जाता है।

(2015016847) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

आज दिनांक 05/11/2015 को
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 804
में पृष्ठ संख्या 5 क्रम संख्या 2015010810 पर
पंजिबद्ध किया गया तथा अतिरिक्त
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 3214
के पृष्ठ संख्या 33 से 40 पर
बत्ता किया गया।



(2015016847) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))



कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: F.11()Regin-II / धौली नगरी / P.N. 7 / 2015 / 898

Date : 3-9-2015

आवंटन - पत्र

प्रेषित :

श्री छगनलाल पिता कमला भील

निवासी- रकमपुरा, उदयपुर

विषय : राजस्व ग्राम धौली नगरी के खसरा संख्या 1588, 3721/1587 भूखण्ड सं 7 क्षेत्रफल 105.00 (वर्गगज) के आवंटन के संबंध में।

उपरोक्त विषय में लेख है कि राज्य सरकार के अधिसूचना क्रमांक F.3 (77) UDD /3/2010 दिनांक 28.06.2010 एवं राजस्थान सरकार के स्थानीय स्वायत्त शासन, नगरीय विकास और आवासन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ.3 (50) यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 के अनुसार आप द्वारा कृषि भूमि का आवासीय प्रयोजन के लिये उपयोग कर इस प्रयोजन हेतु रूपान्तरण / नियमन हेतु आवेदन किये जाने पर विषयांकित कृषि भूमि प्राधिकृत अधिकारी (सचिव) नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के प्रकरण संख्या 30/2015 आदेश संख्या 172 से 177 में पारित आदेश दिनांक 04.08.2015 में राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क के अनुरूप राज्य सरकार के पक्ष में पुनर्ग्रहित घोषित की जा चुकी है। इस पुनर्ग्रहण आदेश से यह भूमि स्वतः नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर में निहित हो गई है।

अतः विषयांकित भूखण्ड संख्या 7 जिसका क्षेत्रफल 945.00 वर्गफीट = 105.00 वर्गगज उक्त अधिसूचना एवं जारी आदेशों की पालना में आपको 99 वर्ष की लीज होल्ड आधारों पर शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उसमें समय समय पर किये जाने वाले संशोधनों, राज्य सरकार / नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा जारी आदेशों एवं निर्देशों के अध्वधीन आवंटित / नियमित की जाती है। आपको निम्नांकित प्रकार से राशि नगर विकास प्रन्यास के कोष में इस आवंटन पत्र के 30 दिनों के अन्दर - अन्दर जमा करानी है:-

1.	राजस्थान सरकार के नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना क्रमांक प. 3(50)नविवि/ 03/2012 जयपुर दिनांक 21-09-2012 अनुसार कृषि भूमि के अक्षुण्ण प्रयोजनार्थ उपयोग के लिये अनुज्ञा उपरान्त आवंटन हेतु आवासीय प्रिनियम दर 88.20/- रुपये प्रति वर्गगज की दर से 105.00 वर्गगज की राशि	9261 /-रु.
2.	एकवारीय लीज राशि एक साथ 8 वर्ष की लीज राशि	7409 /-रु.
3.	मूलभूत आधारभूत संरचना जल, सड़क व विद्युत लाईन उपलब्ध होने से नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 10 के नोट संख्या (1) अनुसार बाह्य विकास शुल्क 100/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	14643 /-रु.
4.	आन्तरिक विकास शुल्क 140/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 5(3) के अनुसार (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	20500 /-रु.
5.	प्रकाशन व अन्य शुल्क यदि कोई हो	300 /-रु.
6.	साईट प्लान एवं डिमांडेशन शुल्क	1000 /-रु.
(अ)	कुल जमा योग्य राशि (1 - 6 तक)	53113 /-रु.
7.	राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ.3 (50) यूडीएच / 3 / 2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 अनुसार न्यास चालान नं. 8808 दिनांक 20.05.2015 से प्रिनियम दर की 10 प्रतिशत जमा राशि 48922/- रु. (भूखण्ड क्षेत्रफल अनुपात अनुसार)	2311 /-रु.
8.	भुरू, कार्यालय में जमा राशि का चालान नं. दिनांक (-)	0 /-रु.
9.	दिनांक 31-3-2000 तक राशि रु. जमा कराने से 5 प्रतिशत छूट (-)	0 /-रु.
(ब)	कुल जमा (7 - 9 तक)	2311 /-रु.
शुद्ध जमा योग्य राशि (अ - ब) - अक्षरे रु. पचास हजार आठ सौ दो मात्र		50802 /-रु.

1- उपरोक्त धारा 35 के अन्तर्गत 30 दिन के अन्दर - अन्तर्गत जायगी है। इस अधिनियम के अन्तर्गत धारा 35 के अन्तर्गत जायगी एवं आदेशों के अन्तर्गत जायगी की

2- यदि अधिनियम / अधिनियम के अन्तर्गत जायगी एवं आदेशों के अन्तर्गत जायगी की

3- अधिनियम के अन्तर्गत जायगी एवं आदेशों के अन्तर्गत जायगी की

4- अधिनियम के अन्तर्गत जायगी एवं आदेशों के अन्तर्गत जायगी की

5- अधिनियम के अन्तर्गत जायगी एवं आदेशों के अन्तर्गत जायगी की

6- अधिनियम के अन्तर्गत जायगी एवं आदेशों के अन्तर्गत जायगी की

7- अधिनियम के अन्तर्गत जायगी एवं आदेशों के अन्तर्गत जायगी की

8- अधिनियम के अन्तर्गत जायगी एवं आदेशों के अन्तर्गत जायगी की

9- अधिनियम के अन्तर्गत जायगी एवं आदेशों के अन्तर्गत जायगी की

10- अधिनियम के अन्तर्गत जायगी एवं आदेशों के अन्तर्गत जायगी की

11- अधिनियम के अन्तर्गत जायगी एवं आदेशों के अन्तर्गत जायगी की

12- अधिनियम के अन्तर्गत जायगी एवं आदेशों के अन्तर्गत जायगी की

1- अधिनियम के अन्तर्गत जायगी एवं आदेशों के अन्तर्गत जायगी की

2- अधिनियम के अन्तर्गत जायगी एवं आदेशों के अन्तर्गत जायगी की



569

3-1-15

लीज के आधार पर आवासीय प्रयोजनों के लिये भूमि पट्टा-विलेख

राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर - कृषिक प्रयोजन के लिये उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन) नियम, 2012 के नियम 22 के अन्तर्गत भूमि का पट्टा विलेख)

आवंटन/नियमन-पत्र क्रमांक 897 दिनांक 03-09-2015 के क्रम में यह पट्टा विलेख आज 2015 के माह के दिन को नगर विकास प्रणाल, उदयपुर (जिन्हें इसके बाद नगर निकाय कह कर संबोधित किया गया है) प्रथम पक्ष एवं श्री छगनलाल पिता कमला भील बिवासी- रकमपुरा, उदयपुर (जिनको इसके पश्चात् लीजधारक (पट्टा धारक) कहकर संबोधित किया गया है) द्वितीय पक्ष तथा इस इलाक में जहां कहीं प्रसंग से वैसा अर्थ निकले उनके उत्तराधिकारी, निवाहक, प्रबन्धक, प्रतिनिधि और मूलतः अलौह भी सम्मिलित होने) के मध्य विस्थापित हुआ है।

यह विलेख सांक्ष्पांकित करता है कि प्रिमियम राशि, विकास शुल्क व अन्य शुल्क की कुलिया रकम रुपये 53113/- अक्षरे तरपन ठप्पार एक सौ तेरह रुपये मात्र की रकम के नियमन शुल्क जो लीजधारक (पट्टाधारक) के द्वारा अदा कर दी गई है और जिसकी रसीद नगर निकाय के द्वारा स्वीकार कर ली गई है और इसमें उल्लिखित शर्तों और करारों जो लीजधारक द्वारा निष्पादित तथा पालन किये जायेंगे, के एवज में नगर निकाय इनके द्वारा लीजधारक को जमीन का वह तमाग भूखण्ड (जिसे इसके बाद उक्त भूखण्ड कहकर संबोधित किया गया है) नियमन और लीज के आधार पर पुनः आवंटित करती है जो राजस्व नाम धोली मगरी खसरा नम्बर 1586, 3721/1587 के योजना प्लान में स्थित हो कर भूखण्ड संख्या 6 क्षेत्रफल 945.00 वर्गफिट है और जो अपनी सीमा और क्षेत्रफल के साथ इसके अन्तर्गत लिखे गये परिशिष्ट में अधिक पूर्णरूपेण वर्णित है तथा जिसका आकार विशेष रूप से इससे संलग्न नक्शे में दिखलाया गया है, और जिसे पूर्ण स्वामित्व संबंधी स्वतंत्र संहित विनियमन, निम्नलिखित तमाग व प्रत्येक अपवादों, संरक्षणों, प्रतिबन्धों, बन्धनों, शर्तों और करारों के अधीन पट्टेदार अपने उपयोग - उपभोग और इस्तेमाल के लिए अपने अधिकार में रखेगा, अर्थात्:-

- 1- उक्त भूखण्ड लीज पर आवंटित किया गया है। लीज की अवधि 99 वर्ष होगी।
- 2- 9 वर्ष की अग्रिम एक मुश्त जमा कराने पर उस क्षेत्र की आरक्षित दर के बजाय केवल नियमन राशि पर 2.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ही देय है। पट्टेदार ने 8 वर्ष की अग्रिम की राशि एक मुश्त जमा करा दी है जिसके फलस्वरूप अब यह भूखण्ड वार्षिक लीज राशि से मुक्त है।
- 3- उक्त भूखण्ड का उपयोग केवल उस पर रहने के आशय से किसी भवन या भवनों के बनवाने में ही होगा। भूखण्ड का व्यावसायिक या लाभ कमाने की दृष्टि से उपयोग किसी भी भांति नहीं किया जा सकेगा। निर्मित भूखण्ड के संबंध में राज्य सरकार के समय - समय पर प्राप्त आदेशों द्वारा प्रावधानों में प्रदत्त शिथिलता के तहत नियमन योग्य निर्माण ही नियमित किया गया है तथा नियमन अयोग्य निर्माण के संबंध में संबंधित नियमों के अनुसार कार्यवाही की जावेगी।
- 4- पट्टेदार द्वारा अपने भूखण्ड में निर्धारित सेटबैक छोड़ते हुए तथा न्यास के प्रचलित भवन विनियमों के प्रावधानों के अध्याधीन निर्माण कार्य कराना होगा। इसके लिए पट्टेदार द्वारा प्रस्तावित निर्माण हेतु निर्धारित आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ सशुल्क सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत कर निर्माण स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। भूखण्ड पर आवंटन/नियमन की तिथि से 7 वर्ष, या ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर जो नियम - 26 के अन्तर्गत बढ़ा दी जावे, लीजधारक के द्वारा इस भूखण्ड पर भवन का निर्माण कराया जायेगा।
- 5- आवंटि द्वारा भूखण्ड विक्रय करने पर केता द्वारा भूखण्ड का हस्तान्तरण नगर विकास प्रण्वास के नियमों के अनुसार न्यास से करवाना होगा।
- 6- लीजधारक उक्त भूखण्ड को आगे और अन्तरित या उप-पट्टे पर दे सकेगा। उक्त नियमों में अन्तर्विष्ट निर्बंधन और शर्तें और अन्य उपबंध, सहाय्यक परिवर्तन सहित, अन्तरिती या उप-पट्टेदार पर इस प्रकार लागू होंगे मानो प्रश्नगत उक्त भूखण्ड बगर शिकायत द्वारा दिया गया है या अन्तरित किया गया है। लीजधारक द्वारा मूल पट्टे की कालावधि से अधिक नहीं होगी। उप-पट्टे उक्त नियमों में विहित समस्त अन्य निर्बंधनों और शर्तों या किन्हीं पृथक, आदेशों द्वारा, जो राज्य सरकार द्वारा समय - समय पर इस निमित्त विनिर्दिष्ट मामलों में जारी किये जायें, शासित होंगे।
- 7- इस लीज डीड के आधार पर उक्त भूखण्ड को सरकार/जीवन बीमा निगम/शिद्यूल बैंक/ सरकारी ऋणदात्री संस्था/एचडीएफसी अथवा नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा अधिकृत ऋणदात्री संस्थाओं के पास भवन निर्माण के ऋण के लिए गिरवी रखा जा सकेगा।
- 8- उक्त नियमों के अधीन किसी व्यक्ति के प्रति परादेय प्रीमियम या नगरीय निर्धारण या ब्याज, आन्तरिक/बाह्य विकास प्रभारों का कोई बकाया राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के अधीन भू-राजस्व की बकाया के रूप में लीजधारक से वसूलीय होगा।

प्राधिकृत अधिकारी
विशेषाधिकारी
नगर विकास प्रन्थास
उदयपुर (राज.)

உதவி

उप-पंजीयक
मुदयपुर-द्वितीय

५० ५१ ५२

9- यदि आबंटन या पट्टा विलेख को निष्पादन के पश्चात् यह पाया जाता है कि आबंटन या पट्टा विलेख विधि की दुरुभिरंधि या उसके उल्लंघन में कपटपूर्ण दस्तावेज के संबंधों और शर्तों का अतिक्रमण किया गया है तो नगर निगम उक्त मूखण्ड पर उसके किसी सन्निर्माण सहित उसे प्रतिसंठत करेगा जो प्रभारों से रहित नगर निगम में निहित समझे जायेंगे और नगर निगम किसी भी व्यक्ति को कारित किसी भी प्रकार की बुकसानी के लिये बायी नहीं होगा।

नोट: इस मूखण्ड की निगमन की सम्पूर्ण राशि 53113/- रुपये होती है। अतएव स्टॉम्प AB543743 स्टॉम्प रुपये 100/- संख्या 01 बहेसियत पट्टा इसके साथ लगाये जाते हैं।

मूखण्ड विवरण	विस्तृत नाप	पट्टीस
उत्पत्ति ग्राम	धौली मगरी	पूर्व - As per site plan
खसरा नम्बर	1586, 3721/1587	पश्चिम - As per site plan
क्षेत्रफल	- 945.00 वर्गफिट	उत्तर - As per site plan
मूखण्ड संख्या	- 6	दक्षिण - As per site plan

इसके साक्षी एवं इसके पक्षकारों ने इसके बाद प्रत्येक दशा में निर्देशित स्थानों और तारीखों पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

आज सन् 2015 माह 11 के 3 ने दिन को श्रीमती कीर्ति राठी सह सक्षम अधिकारी उदयपुर ने निम्न की उपस्थिति में न्यास उदयपुर में हस्ताक्षर किये।

प्राधिकृत अधिकारी
विशेषाधिकारी
सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर
उदयपुर (राज.)

साक्षी :

- नाम लक्ष्मण गुर्जर
पिता का नाम श्री नारायण जी गुर्जर
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर



साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम कैलाश शर्मा
पिता का नाम श्री मंगवती लाल जी
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

पट्टेदार की ओर से :

आज सन् 2015 माह के 3 ने दिन को की उपस्थिति में उक्त श्री छगनलाल पिता कमला भील द्वारा कार्यालय, नगर विकास न्यास, उदयपुर में हस्ताक्षर किये गये।

छगनलाल

पट्टेदार के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम स्वप्निल बाबेल
पिता का नाम श्री भूपेन्द्र बाबेल
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम दुर्गेश मीणा
पिता का नाम श्री केशुलाल जी
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

उपस्थित
उदयपुर-दिल्ली

साक्षी के हस्ताक्षर



राजस्थान RAJASTHAN

AB 543743



राजस्थान ग्राम धोली मगरी खसरा नम्बर 1586,
3721/1587 भूखण्ड संख्या 6 क्षेत्रफल 945.00
वर्गफीट के साथ संलग्न है।



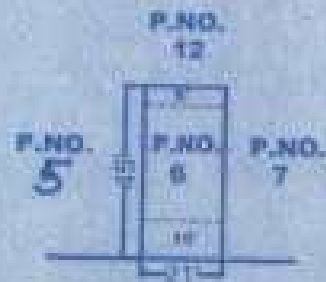
सुशान्त

28.11.15
प्राधिकृत अधिकारी
(ओ.एस.डी.)
नगर विकास प्रशासन, उदयपुर

उप-पंजीयक
उदयपुर-द्वितीय



N



Prop ROAD 30'-0" WIDE

REF.

PLOT SIZE 21'-0" X 45'-0"

PLOT AREA 945.00 SQ. FT.

उप-पञ्चायत
उदयपुर-द्वितीय



SITE PLAN OF PLOT NO. 6

IN K. NO. 1586, 3721/1587

REV. VILLAGE **DHOLI MAGRI**, UDAIPUR

J. D. MAN

TRACER

SCALE
1" INCH = 50 FEET

CHECKED BY

Deputy Town Planner
U.I.T. Udaipur

प्राधिकृत अधिकारी
उदयपुर-द्वितीय
U.I.T. UDAIPUR

URBAN IMPROVEMENT TRUST, UDAIPUR



आज दिनांक 5 माह November सन् 2015 को 11:38 बजे
श्री/श्रीमती/सुश्री CHHAGAN LAL पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KAMLA Ji
उम्र 45 वर्ष, जाति BHIL व्यवसाय LABOUR
निवासी RAKAMPURA UDR
ने मेरे सम्मुख दस्तावेज पंजीयन हेतु प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता
(2015016846)

हस्ताक्षर उप पंजीयक, UDAIPUR-II

(Lease deed for local bodies (Patta))

हस्ताक्षर

फोटो

अंगूठा

उक्ता श्री/श्रीमती/सुश्री (Executant)
1-CHHAGAN LAL/KAMLA Ji
Age:45, Caste-BHIL
Ocu.-LABOUR
R/O-RAKAMPURA UDR



हस्ताक्षर



2-SECRETARY/UIT
Age:0, Caste-
Ocu.-
R/O-UDR

ने लेख्यपत्र Lease deed for local bodies (Patta)
को पढ़ सुन व समझकर निष्पादन करना स्वीकार किया।
प्रतिफल राशी रु0 53113/- पूर्व में/मेरे
समक्ष/मे से रु0 53113/-पूर्व में
यमेरे समक्ष प्राप्त करना स्वीकार किया।

उक्ता निष्पादन कर्ता की पहचान

1. श्री/श्रीमती/सुश्री MAJID KHAN
पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री JIYARAT KHAN उम्र 55 वर्ष
जाति MUSLIM व्यवसाय BUSINESS
निवासी NEW COLONY GOVERDHAN VILAS UDR

2. श्री/श्रीमती/सुश्री DURGESH
पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KESHU LAL Ji उम्र 37 वर्ष
जाति MEENA व्यवसाय SERVICE
निवासी DETYA MAGRI UDR ने की है जिनके

समस्त हस्ताक्षर एवं अंगूठा के निशान मेरे समक्ष लिये गये हैं।

(2015016846)

(Lease deed for local bodies (Patta))

उप पंजीयक, UDAIPUR-II

रसीद नं० 2015016854 दिनांक 05/11/2015
पंजीयन शुल्क रु० 540/-
प्रतिलिपि शुल्क रु० 300/-
पृष्ठांकन शुल्क रु० 0/-
अन्य शुल्क रु० 0/-
कमी स्टाम्प शुल्क रु० 0/-
सारचार्ज 0/-
कुल योग रु० 840/-

(2015016846) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

धारा 54 के तहत प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र
की मालियत रुपये 53113
मानते हुए इस पर देय कमी मुद्रांक
राशि 0 पर कमी पंजीयन शुल्क
रुपये 540 कुल रुपये 840
जरिये रसीद संख्या 2015016854 दिनांक 05/11/2015
में जना किये गये हैं।
अतः दस्तावेज को रुपये 2660
के मुद्रांकों पर निष्पादित माना जाता है।

(2015016846) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

आज दिनांक 05/11/2015 को
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 804
में पृष्ठ संख्या 4 क्रम संख्या 2015010809 पर
पंजीबद्ध किया गया तथा अतिरिक्त
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 3214
के पृष्ठ संख्या 25 से 32 पर
बर्सा किया गया।



(2015016846) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))



कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: F.11()Regin-II / बोली नगरी / P.N. 6 / 2015 / 837

Date: 3 - 8 - 2015

आवंटन - पत्र

प्रेषित :

श्री छगनलाल पिता कमला भील

निवासी- रकनपुरा, उदयपुर

विषय : राजस्व ग्राम बोली नगरी के खसरा संख्या 1586, 3721/1587, भूखण्ड सं 6 क्षेत्रफल 105.00 (वर्गगज) के आवंटन के संबंध में।

उपरोक्त विषय में लेख है कि राज्य सरकार के अधिसूचना क्रमांक F.3 (77) UDD /3/2010 दिनांक 28.06.2010 एवं राजस्थान सरकार के स्थानीय स्वायत्त शासन, नगरीय विकास और आवासन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ.3 (50) यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 के अनुसार आप द्वारा कृषि भूमि का आवासीय प्रयोजन के लिये उपयोग कर इस प्रयोजन हेतु रूपान्तरण / नियमन हेतु आवेदन किये जाने पर विषयांकित कृषि भूमि प्राधिकृत अधिकारी (सचिव) नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के प्रकरण संख्या 30/2015 आदेश संख्या 172 से 177 में पारित आदेश दिनांक 04.08.2015 में राजस्थान नू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क के अनुरूप राज्य सरकार के पक्ष में पुनर्ग्रहित घोषित की जा चुकी है। इस पुनर्ग्रहण आदेश से यह भूमि स्वतः नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर में निहित हो गई है।

अतः विषयांकित भूखण्ड संख्या 6 जिसका क्षेत्रफल 945.00 वर्गफीट = 105.00 वर्गगज उक्त अधिसूचना एवं जारी आदेशों की पालना में आपको 99 वर्ष की लीज होल्ड आधारों पर शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उसमें समय समय पर किये जाने वाले संशोधनों, राज्य सरकार / नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा जारी आदेशों एवं निर्देशों के अधधीन आवंटित / नियमित की जाती है। आपको निम्नांकित प्रकार से राशि नगर विकास प्रन्यास के कोष में इस आवंटन पत्र के 30 दिनों के अन्दर - अन्दर जमा करानी है:-

1. राजस्थान सरकार के नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना क्रमांक प. 3(50)नविवि/ 03/2012 जयपुर दिनांक 21-09-2012 अनुसार कृषि भूमि के अकृषि प्रयोजनार्थ उपयोग के लिये अनुज्ञा उपरान्त आवंटन हेतु आवासीय प्रिनियम दर 88.20/- रुपये प्रति वर्गगज की दर से 105.00 वर्गगज की राशि	9261 /-रु.
2. एकबारीय लीज राशि एक साथ 8 वर्ष की लीज राशि	7409 /-रु.
3. मूलभूत आधारभूत संरचना ढांगर, सबक व विद्युत लाईन उपलब्ध होने से नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 10 के नोट संख्या (I) अनुसार बाह्य विकास शुल्क 100/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	14643 /-रु.
4. आन्तरिक विकास शुल्क 140/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 5(3) के अनुसार (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	20500 /-रु.
5. प्रकाशन व अन्य शुल्क यदि कोई हो	300 /-रु.
6. साईट प्लान एवं डिमांरकेशन शुल्क	1000 /-रु.
(अ) कुल जमा योग्य राशि (1 - 6 तक)	53113 /-रु.
7. राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ.3 (50) यूडीएच / 3 / 2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 अनुसार न्यास चालान नं. 8808 दिनांक 20.05.2015 से प्रिनियम दर की 10 प्रतिशत जमा राशि 48922/- रु. (भूखण्ड क्षेत्रफल अनुपात अनुसार)	2311 /-रु.
8. भू.रु. कार्यालय में जमा राशि का चालान नं. दिनांक (-)	0 /-रु.
9. दिनांक 31-3-2000 तक राशि रु. जमा कराने से 5 प्रतिशत छूट (-)	0 /-रु.
(ब) कुल जमा (7 - 9 तक)	2311 /-रु.
सुद्ध जमा योग्य राशि (अ - ब) - अगरे रु. पचास हजार आठ सौ दो मात्र	50802 /-रु.

2
24/9/15

आवंटन पत्र की सामान्य शर्तें एवं बाध्यताएं निम्न प्रकार हैं :-

- 1- उपरोक्त राशि आपको इस सूचना पत्र की प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर - अन्दर जमा करानी है। इस अवधि के पश्चात् शहरी भूमि निस्तारण नियमों के अनुसार ब्याज पेनाल्टी एवं निरस्तीकरण से संबंधित कार्यवाही की जायेगी।
- 2- यदि आवंटित / समर्पित एवं पुनर्ग्रहित भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित यदि कोई विवाद उत्पन्न हुआ तो उसका संपूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा। भूमि यदि किसी कारणवश या स्वामित्व के अभाव या आपके स्वामित्व के दोष के कारण आपके हाथों से निकल जायेगी तो यह आवंटन स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा और भूमि एवं उस पर निर्माण, यदि कोई है, उसे न्यास तत्काल अपने आधिपत्य में बिना मुआवजा दिये, लेने को अधिकृत होगा। साथ ही आवंटित भूमि के अतिरिक्त शेष भूमि पर आपका कोई हक व अधिकार नहीं होगा ना ही आप किसी प्रकार से अन्य कोई मुआवजा प्राप्ति के अधिकारी होंगे।
- 3- लीजडीड नई टाउनशिप पोलिसी - 2010 के प्रावधानों एवं राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ. 3 (50)यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 एवं इस अनुसरण में समय- समय पर जारी परिपत्रों, आदेशों के अनुसार जारी की जायेगी।
- 4- इस हेतु आप निर्धारित राशि के नॉन - ज्यूडिशियल स्टॉम्प सचिव, नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के नाम से प्रस्तुत करें। एकबारीय लीज राशि जमा कराने पर भविष्य में लीज राशि देय नहीं होगी।
- 5- मूखण्ड का प्लान नियमानुसार स्वीकृत कराकर स्वीकृत प्लान अनुसार निर्माण करना अनिवार्य होगा।
- 6- देय राशि क्षेत्रफल के अनुसार घटी - बढ़ी होने पर परिवर्तनीय है।
- 7- पश्चातवर्ती किसी भी अनुक्रम पर यदि यह पाया जाता है कि यह आवंटन / नियमन प्राप्त करने में इस भूमि के खातेदारों या आवेदकों या अन्य किसी व्यक्ति ने कपटपूर्वक वास्तविक तथ्यों को छिपाया है या तथ्यों का कथन असत्य रूप से करते हुए छलपूर्वक यह आवंटन / नियमन प्राप्त किया है तो उक्त आदेश स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण यदि कोई हो उसके साथ स्वतः न्यास में निहित हो जायेंगे और तत्काल ही उस पर अधिभोग रखने वाले व्यक्ति को बिना क्षतिपूर्ति के बेदखल कर दिया जायेगा। इस संबंध में आवंटनी या उसकी पश्चातवर्ती कंता की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
- 8- यह आवंटन इन तथ्यों के अधीन है कि आवेदक का जो अभिकथन शपथ पत्र एवं क्षतिपूर्ति बन्ध पत्र एवं आवेदन पत्र में जो कथन अंकित किये गये हैं वे एवं भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित सारे कथन सही एवं सत्य है। इसमें से किसी एक के गौ असत्य पाये जाने पर यह आवंटन स्वतः निरस्त हो जायेगा।
- 9- पश्चातवर्ती अनुक्रम में राज्य सरकार के निर्देशों से अंकेक्षण या गणना की त्रुटि सुधार से कोई भी देय राशि और निकलती हो तो ऐसी राशि जमा कराने को आवंटनी बाध्य होगा।
- 10- उपरोक्त में से किसी एक शर्त या शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उस पर समय समय पर किये जाने वाले संशोधन, राज्य सरकार एवं न्यास के निर्देश एवं निर्णयों की पालना करने हेतु आवंटनी / कंता बाध्य होगा। इसमें से किसी एक के ही उल्लंघन करने पर आवंटन स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण सहित भवन बिना क्षतिपूर्ति के न्यास में निहित हो जायेगा।
- 11- जिस प्रयोजन के लिये मूखण्ड नियमित / आवंटित किया गया है, उससे भिन्न प्रयोजन के लिये मूखण्ड का उपयोग नहीं लिया जा सकेगा।
- 12- योजना में समस्त विकास कार्य योजना / निर्माणकर्ता / आवंटनी खातेदार को अपने स्तर पर कराना होगा। न्यास द्वारा मात्र बाह्य विकास शुल्क लिया गया है।


(राम निवासे-नेक्ता)
सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

प्रतिलिपि:

- 1- उप नगर नियोजक, न्यास को साईट प्लान की प्रति तैयार करने हेतु।
- 2- गार्ड फाईल।


सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

9- यदि आबंटन या पट्टा विलेख के निष्पादन के पश्चात् यह पाया जाता है कि आबंटन या पट्टा विलेख विधि की दृष्टिसंघि या उसके उल्लंघन में कपटपूर्ण दस्तावेज के निर्बंधनों और शर्तों का अतिक्रमण किया गया है तो नगर विकास उक्त भूखण्ड पर उसके किसी संविज्ञान सहित उसे प्रतिसंहत करेगा जो सभी प्रभारों से रहित नगर विकास में निहित समझे जायेंगे और नगर विकास किसी भी व्यक्ति को कारित किसी भी प्रकार की बुकखानी के लिये दावी नहीं करेगा।

नोट: इस भूखण्ड की नियमन की सम्पूर्ण राशि 53113/- रुपये होती है। अर्द्ध स्टॉम्प नं. AB543742 स्टॉम्प रुपये 100/- संख्या 01 बहिस्त्रित पट्टा इसके साथ लगाये जा रहे हैं।

भू-खण्ड विवरण	विस्तृत नाम	पट्टा नं.
उत्पत्ति ग्राम	धौली मगरी	पूर्व - 21'-0"
खसरा नम्बर	1588, 3721/1587	पश्चिम - 21'-0"
क्षेत्रफल	- 945.00 वर्गफिट	उत्तर - 45'-0"
भू-खण्ड संख्या	- 5	दक्षिण - 45'-0"

इसके साक्षी एवं इसके पक्षकारों ने इसके बाद प्रत्येक दशा में निर्देशित स्थानों और तारीखों पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

आज सन् 2015 माह 11 के 3 वे दिन को श्रीमती कीर्ति राठी सहित अधिकारी उदयपुर ने निम्न की उपस्थिति में न्यास उदयपुर में हस्ताक्षर किये।

प्राधिकृत अधिकारी
विशेषाधिकारी
सह-अधिकारी के हस्ताक्षर
उदयपुर (राज.)

साक्षी :

- नाम लक्ष्मण गुर्जर
पिता का नाम श्री नारायण जी गुर्जर
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर



साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम कैलाश शर्मा
पिता का नाम श्री भगवती लाल जी
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

पट्टेदार की ओर से :

आज सन् 2015 माह के वे दिन को श्री उपस्थिति में उक्त श्री धनलाल पिता कमला भील द्वारा कार्यालय, नगर विकास न्यास, उदयपुर में हस्ताक्षर किये गये।

हस्ताक्षर

पट्टेदार के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम स्वप्निल बाबेल
पिता का नाम श्री भूपेन्द्र बाबेल
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम दुर्गेश मीणा
पिता का नाम श्री केशुलाल जी
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

उप-पंजीयक
उदयपुर-द्वितीय

साक्षी के हस्ताक्षर



राजस्थान RAJASTHAN

AB 543742



राजस्व ग्राम घोली मगरी खसरा नम्बर 1586,
3721/1587 भूखण्ड संख्या 5 क्षेत्रफल 945.00
वर्गफीट के साथ संलग्न है।

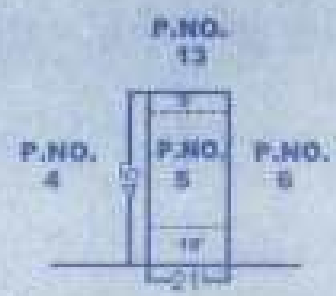


होगेनाम

प्राधिकृत अधिकारी
(ओ.एस.डी.)

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

उप-पंजीयक
उदयपुर-द्वितीय



930) ROAD 30'-0" WIDE

REF.
PLOT SIZE 21'-0" X 45'-0"
PLOT AREA 945.00 SQ. FT.

उप-पंजीयक
उदयपुर-दिलीप

	SITE PLAN OF PLOT NO. 5	
	IN K. NO. 1586, 3721/1587	
REV. VILLAGE	DHOLI MAGRI, UDAIPUR	
J. D. MAN	TRACER	SCALE 1" = 50 FEET
CHECKED BY	Deputy Town Planner U.I.T. Udaipur	प्राधिकृत अधिकारी U. विभागाधिकारी नगर विकास प्रमर्श
URBAN IMPROVEMENT TRUST, UDAIPUR		



आज दिनांक 5 माह November सन् 2015 को 11:38 बजे
 श्री/श्रीमती/सुश्री CHHAGAN LAL पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KAMLA Ji
 उम्र 45 वर्ष, जाति BHIL व्यवसाय LABOUR
 निवासी RAKAMPURA UDR
 ने मेरे सम्मुख दस्तावेज पंजीयन हेतु प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षर

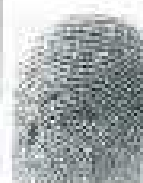
हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता हस्ताक्षर उप पंजीयक, UDAIPUR-II
 (2015016845)
 (Lease deed for local bodies (Patta))

हस्ताक्षर फोटो अंगूठा

उक्त श्री/श्रीमती/सुश्री (Executant)
 1-CHHAGAN LAL/KAMLA Ji
 Age:45, Caste-BHIL
 Occu.-LABOUR
 R/O-RAKAMPURA UDR



हस्ताक्षर



2-SECRETARY/UIT
 Age:0, Caste-
 Occu.-
 R/O-UDR

ने लेखापत्र Lease deed for local bodies (Patta)
 को पढ़ सुन व समझकर निष्पादन करना स्वीकार किया।
 प्रतिफल राशी रु0 53113/- पूर्व में/मेरे
 समक्ष/मे से रु0 53113/-पूर्व में _____
 वमेरे समक्ष प्राप्त करना स्वीकार किया।

उक्त निष्पादन कर्ता की पहचान
 1. श्री/श्रीमती/सुश्री MAJID KHAN
 पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री JIYARAT KHAN उम्र 55 वर्ष
 जाति MUSLIM व्यवसाय BUSINESS
 निवासी NEW COLONY GOVERDHAN VILAS UDR

2. श्री/श्रीमती/सुश्री DURGESH
 पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KESHU LAL Ji उम्र 37 वर्ष
 जाति MEENA व्यवसाय SERVICE
 निवासी DETYA MAGRI UDR ने की है जिनके

समस्त हस्ताक्षर एवं अंगूठा के निशान मेरे समक्ष लिये गये हैं।

(2015016845) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
 (Lease deed for local bodies (Patta))

हस्ताक्षर



रसीद नं० 2015016855 दिनांक 05/11/2015
पंजीयन शुल्क रु० 540/-
प्रतिलिपि शुल्क रु० 300/-
पृष्ठांकन शुल्क रु० 0/-
अन्य शुल्क रु० 0/-
कमी स्टाम्प शुल्क रु० 0/-
सरचार्ज 0/-
कुल योग रु० 840/-

(2015016645) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

धारा 54 के तहत प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र
की मातियत रुपये 53113
मानते हुए इस पर देय कमी मुद्रांक
राशि 0 पर कमी पंजीयन शुल्क
रुपये 540 कुल रुपये 840
जरिये रसीद संख्या 2015016855 दिनांक 05/11/2015
में जमा किये गये हैं।
अतः दस्तावेज को रुपये 2880
के मुद्रांकों पर निष्पादित माना जाता है।

(2015016645) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))



आज दिनांक 05/11/2015 को
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 804
में पृष्ठ संख्या 3 क्रम संख्या 2015010808 पर
पंजीबद्ध किया गया तथा अतिरिक्त
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 3214
के पृष्ठ संख्या 17 से 24 पर
बन्दा किया गया।

(2015016645) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))



कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

कमांक: F.11()Regin-II / धोली नगरी / P.N. 5 / 2015 / 896

Date: 3-5-2015

आवंटन - पत्र

प्रेषित :

श्री छगनलाल पिता कमला भील

निवासी- रकनपुरा, उदयपुर

विषय : राजस्व ग्राम धोली नगरी के खसरा संख्या 1586, 3721/1587, भूखण्ड सं 5 क्षेत्रफल 105.00 (वर्गगज) के आवंटन के संबंध में।

उपरोक्त विषय में लेख है कि राज्य सरकार के अधिसूचना कमांक F.3 (77) UDD /3/2010 दिनांक 28.08.2010 एवं राजस्थान सरकार के स्थानीय स्वायत्त शासन, नगरीय विकास और आवासन विभाग की अधिसूचना कमांक एफ.3 (50) यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 के अनुसार आप द्वारा कृषि भूमि का आवासीय प्रयोजन के लिये उपयोग कर इस प्रयोजन हेतु रुपान्तरण / नियमन हेतु आवेदन किये जाने पर विषयांकित कृषि भूमि प्राधिकृत अधिकारी (सचिव) नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के प्रकरण संख्या 30/2015 आदेश संख्या 172 से 177 में पारित आदेश दिनांक 04.08.2015 में राजस्थान नू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क के अनुरूप राज्य सरकार के पक्ष में पुनर्ग्रहित घोषित की जा चुकी है। इस पुनर्ग्रहण आदेश से यह भूमि स्वतः नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर में निहित हो गई है।

अतः विषयांकित भूखण्ड संख्या 5 जिसका क्षेत्रफल 945.00 वर्गफीट = 105.00 वर्गगज उक्त अधिसूचना एवं जारी आदेशों की पालना में आपको 99 वर्ष की लीज होल्ड आधारों पर शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उसमें समय समय पर किये जाने वाले संशोधनों, राज्य सरकार / नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा जारी आदेशों एवं निर्देशों के अध्याधीन आवंटित / नियमित की जाती है। आपको निम्नांकित प्रकार से राशि नगर विकास प्रन्यास के कोष में इस आवंटन पत्र के 30 दिनों के अन्दर - अन्दर जमा करानी है:-

1. राजस्थान सरकार के नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना कमांक प. 3(50)नविवि/ 03/2012 जयपुर दिनांक 21-09-2012 अनुसार कृषि भूमि के अकृषि प्रयोजनार्थ उपयोग के लिये अनुज्ञा समराना आवंटन हेतु आवासीय प्रिमियम दर 88.20/- रुपये प्रति वर्गगज की दर से 105.00 वर्गगज की राशि	9261 /-रु.
2. एकवारीय लीज राशि एक साथ 8 वर्ष की लीज राशि	7409 /-रु.
3. मूलभूत आधारभूत संरचना जल, सड़क व विद्युत लाईन उपलब्ध होने से नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 10 के नोट संख्या (I) अनुसार बाह्य विकास शुल्क 100/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	14643 /-रु.
4. आन्तरिक विकास शुल्क 140/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (नई टाउनशिप पोलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 5(3) के अनुसार (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	20500 /-रु.
5. प्रकाशन व अन्य शुल्क यदि कोई हो	300 /-रु.
6. साईट प्लान एवं डिमांक्शन शुल्क	1000 /-रु.
(अ) कुल जमा योग्य राशि (1 - 6 तक)	53113 /-रु.
7. राज्य सरकार की अधिसूचना कमांक एफ.3 (50) यूडीएच / 3 / 2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 अनुसार न्यास चालान नं. 8808 दिनांक 20.05.2015 से प्रिमियम दर की 10 प्रतिशत जमा राशि 48922/- रु. (भूखण्ड क्षेत्रफल अनुपात अनुसार)	2311 /-रु.
8. भू.रु. कार्यालय में जमा राशि का चालान नं. दिनांक	0 /-रु.
9. दिनांक 31-3-2000 तक राशि रु. जमा कराने से 5 प्रतिशत छूट (-)	0 /-रु.
(ब) कुल जमा (7 - 09 तक)	2311 /-रु.
शुद्ध जमा योग्य राशि (अ - ब) - अक्षरे रु. पचास हजार आठ सौ दो मात्र	50802 /-रु.

2

आवंटन पत्र की सामान्य शर्तें एवं बाध्यताएं निम्न प्रकार हैं :-

- 1- उपरोक्त राशि आपको इस सूचना पत्र की प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर - अन्दर जमा करानी है। इस अवधि के पश्चात् शहरी भूमि निस्तारण नियमों के अनुसार ब्याज पेनाल्टी एवं निरस्तीकरण से संबंधित कार्यवाही की जायेगी।
- 2- यदि आवंटित / समर्पित एवं पुनर्ग्रहित भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित यदि कोई विवाद उत्पन्न हुआ तो उसका संपूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा। भूमि यदि किसी कारणवश या स्वामित्व के अभाव या आपके स्वामित्व के दोष के कारण आपके हाथों से निकल जायेगी तो यह आवंटन स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा और भूमि एवं उस पर निर्माण, यदि कोई है, उसे न्यास तत्काल अपने आधिपत्य में बिना मुआवजा दिये, लेने को अधिकृत होगा। साथ ही आवंटित भूमि के अतिरिक्त शेष भूमि पर आपका कोई हक व अधिकार नहीं होगा ना ही आप किसी प्रकार से अन्य कोई मुआवजा प्राप्ति के अधिकारी होंगे।
- 3- लीजडीड नई टाउनशिप पोलिसी - 2010 के प्रावधानों एवं राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ. 3 (50)यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 एवं इस अनुसरण में समय- समय पर जारी परिपत्रों, आदेशों के अनुसार जारी की जायेगी।
- 4- इस हेतु आप निर्धारित राशि के गौन - ज्युडिशियल स्टॉम्प सचिव, नगर विकास प्रन्धास, उदयपुर के नाम से प्रस्तुत करें। एकबारीय लीज राशि जमा कराने पर भविष्य में लीज राशि देय नहीं होगी।
- 5- भूखण्ड का प्लान नियमानुसार स्वीकृत कराकर स्वीकृत प्लान अनुसार निर्माण करना अनिवार्य होगा।
- 6- देय राशि सैत्रफल के अनुसार घटी - बड़ी होने पर परिवर्तनीय है।
- 7- पश्चातवर्ती किसी भी अनुक्रम पर यदि यह पाया जाता है कि यह आवंटन / नियमन प्राप्त करने में इस भूमि के खातेदारों या आवेदकों या अन्य किसी व्यक्ति ने कपटपूर्वक वास्तविक तथ्यों को छिपाया है या तथ्यों का कथन असत्य रूप से करते हुए छलपूर्वक यह आवंटन / नियमन प्राप्त किया है तो उक्त आदेश स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण यदि कोई हो उसके साथ स्वतः न्यास में निहित हो जायेगा और तत्काल ही उस पर अधिभोग रखने वाले व्यक्ति को बिना क्षतिपूर्ति के बेदखल कर दिया जायेगा। इस संबंध में आवंटनी या उसकी पश्चातवर्ती क्रेता की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
- 8- यह आवंटन इन तथ्यों के अधीन है कि आवेदक का जो अभिकथन शपथ पत्र एवं क्षतिपूर्ति बन्ध पत्र एवं आवेदन पत्र में जो कथन अंकित किये गये हैं वे एवं भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित सारे कथन सही एवं सत्य हैं। इसमें से किसी एक के भी असत्य पाये जाने पर यह आवंटन स्वतः निरस्त हो जायेगा।
- 9- पश्चातवर्ती अनुक्रम में राज्य सरकार के निर्देशों से अंकेक्षण या गणना की त्रुटि सुधार से कोई भी देय राशि ओर निकलती हो तो ऐसी राशि जमा कराने को आवंटनी बाध्य होगा।
- 10- उपरोक्त में से किसी एक शर्त या शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उस पर समय समय पर किये जाने वाले संशोधन, राज्य सरकार एवं न्यास के निर्देश एवं निर्णयों की पालना करने हेतु आवंटनी / क्रेता बाध्य होगा। इसने से किसी एक के ही उल्लंघन करने पर आवंटन स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण सहित भवन बिना क्षतिपूर्ति के न्यास में निहित हो जायेगा।
- 11- जिस प्रयोजन के लिये भूखण्ड नियमित / आवंटित किया गया है, उससे भिन्न प्रयोजन के लिये भूखण्ड का उपयोग नहीं लिया जा सकेगा।
- 12- योजना में समस्त विकास कार्य योजना / निर्माणकर्ता / आवंटनी खातेदार को अपने स्तर पर कराना होगा। न्यास द्वारा मात्र बाह्य विकास शुल्क लिया गया है।

(राम निवास मेहता)
सचिव

नगर विकास प्रन्धास, उदयपुर

प्रतिलिपि:

- 1- उप नगर नियोजक, न्यास को साईट प्लान की प्रति तैयार करने हेतु।
- 2- गार्ड फाईल।

सचिव

नगर विकास प्रन्धास, उदयपुर



नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

567
3-11-15

लीज के आधार पर आवासीय प्रयोजनों के लिये भूमि पट्टा-विलेख

(राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर - कृषिक प्रयोजन के लिये उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन) नियम, 2012 के नियम 22 के अन्तर्गत भूमि का पट्टा विलेख)



आवंटन/नियमन-पत्र क्रमांक 895 दिनांक 03-09-2015 के क्रम में यह पट्टा विलेख आज दिनांक 2015 के माह के दिन को नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (जिन्हें इसके बाद नगर विकास कह कर संबोधित किया गया है) प्रथम पक्ष एवं कृष्णलाल पिता कमला भील निवासी- रकमपुरा, उदयपुर (जिन्होंने इसके अंतर्गत लीजधारक (पट्टा धारक) कहकर संबोधित किया गया है) द्वितीय पक्ष तथा इस प्रकार से जहां कहीं प्रसंग से वैसा अर्थ निकले उनके उत्तराधिकारी, निर्वहक, प्रबन्धक, प्रतिनिधि और गुन्तकील अलैड भी सम्मिलित होंगे) के मध्य निश्चायित हुआ है।

यह विलेख सांक्ष्यिकित करता है कि प्रिमियम राशि, विकास शुल्क व अन्य शुल्क की कुलिया रकम रुपये 53113/- अक्षरे तरपन हजार एक सौ तेरह रुपये मात्र की रकम के नियमन शुल्क जो लीजधारक (पट्टाधारक) के द्वारा अदा कर दी गई है और जिसकी रसीद नगर विकास के द्वारा स्वीकार कर ली गई है और इसमें उल्लिखित शर्तों और करारों जो लीजधारक द्वारा निम्नलिखित तथा पालन किये जावेंगे, के एवज में नगर विकास इनके द्वारा लीजधारक को जमीन का यह तमाम भूखण्ड (जिसे इसके बाद उक्त भूखण्ड कहकर संबोधित किया गया है) नियमन और लीज के आधार पर पुनः आवंटित करती है जो राजस्व ग्राम धोली मगरी खसरा नम्बर 1586, 3721/1587 के योजना प्लान में स्थित हो कर भूखण्ड संख्या 4 क्षेत्रफल 945.00 वर्गफिट है और जो अपनी सीमा और क्षेत्रफल के साथ इसके अन्तर्गत लिखे गये परिशिष्ट में अधिक पूर्णरूपेण वर्णित है तथा जिसका आकार विशेष रूप से इससे संलग्न नक्शे में दिखाया गया है, और जिसे पूर्ण स्वामित्व संबंधी स्वत्वों सहित किन्तु निम्नलिखित तमाम व प्रत्येक अपवादों, संरक्षणों, प्रतिबन्धों, बन्धनों, शर्तों और करारों के अधीन पट्टेदार अपने उपयोग - उपभोग और इस्तेमाल के लिए अपने अधिकार में रखेगा, अर्थात्:-

- 1- उक्त भूखण्ड लीज पर आवंटित किया गया है। लीज की अवधि 99 वर्ष होगी। 99 वर्ष की अवधि एक मुश्त जमा कराने पर उस क्षेत्र की आरक्षित दर के बजाय केवल नियमन राशि पर 2.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ही देय है। पट्टेदार ने 8 वर्ष की अवधि की राशि एक मुश्त जमा कर दी है जिसके फलस्वरूप अब यह भूखण्ड वार्षिक लीज राशि से मुक्त है।
- 2- उक्त भूखण्ड का उपयोग केवल उस पर रहने के आशय से किसी भवन या भवनों के बनवाने में ही होगा। भूखण्ड का व्यावसायिक या लाभ कमाने की दृष्टि से उपयोग किसी भी भांति नहीं किया जा सकेगा। निर्मित भूखण्ड के संबंध में राज्य सरकार के समय - समय पर प्राप्त आदेशों द्वारा प्रावधानों में प्रदत्त शिथिलता के तहत नियमन यौग्य निर्माण ही नियमित किया गया है तथा नियमन अयोग्य निर्माण के संबंध में संबंधित नियमों के अनुसार कार्यवाही की जावेगी।
- 3- पट्टेदार द्वारा अपने भूखण्ड में निर्धारित सेटबैक छोड़ते हुए तथा न्यास के प्रचलित भवन विनियमों के प्रावधानों के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराना होगा। इसके लिए पट्टेदार द्वारा प्रस्तावित निर्माण हेतु निर्धारित आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ सशुल्क सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत कर निर्माण स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। भूखण्ड पर आवंटन/नियमन की तिथि से 7 वर्ष, या ऐसी अतिरिक्त अवधि के भीतर जो नियम - 26 के अन्तर्गत बढ़ा दी जावे, लीजधारक के द्वारा इस भूखण्ड पर भवन बन निर्माण कराया जायेगा।
- 4- आवंटनी द्वारा भूखण्ड विक्रय करने पर केता द्वारा भूखण्ड का हस्तान्तरण नगर विकास प्रन्यास के नियमों के अनुसार न्यास से करवाना होगा।
- 5- लीजधारक उक्त भूखण्ड को आगे और अन्तरित या उप-पट्टे पर दे सकेगा। उक्त नियमों में अन्तर्विष्ट निबंधन और शर्तों और अन्य उपबंध, स्यावश्यक परिवर्तन सहित, अन्तरिती या उप-पट्टेदार पर इस प्रकार लागू होंगे मानो प्रश्नगत उक्त भूखण्ड नगर विकास द्वारा दिया गया है या अन्तरित किया गया है। लीजधारक द्वारा मूल पट्टे की कालावधि से अधिक नहीं होगी। उप-पट्टे उक्त नियमों में विहित समस्त अन्य निबंधनों और शर्तों या किन्हीं पृथक्, आदेशों द्वारा, जो राज्य सरकार द्वारा समय - समय पर इस निमित्त विनिर्दिष्ट मामलों में जारी किये जावें, शासित होंगे।
- 6- इस लीज डीड के आधार पर उक्त भूखण्ड को सरकार/जीवन बीमा निगम/शिद्यूल बैंक/ सरकारी ऋणदात्री संस्था/एचडीएफसी/ अथवा नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा अधिकृत ऋणदात्री संस्थाओं के पास भवन निर्माण के ऋण के लिए गिरवी रखा जा सकेगा।
- 7- उक्त नियमों के अधीन किसी व्यक्ति के प्रति परादेश प्रीमियम या नगरीय निर्धारण या न्याय, आन्तरिक/बाह्य विकास प्रभारों का कोई बकाया राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के अधीन भू-राजस्व की बकाया के रूप में लीजधारक से वसूलीय होगा।

प्राधिकृत अधिकारी
विभागाधिकारी
नगर विकास प्रन्यास
उदयपुर (राज.)

कृष्णलाल

उप-पंजीयक
उदयपुर-द्वितीय

कृष्णलाल

- 9- यदि आबंटन या पट्टा विलेख के निष्पादन के पश्चात् यह पाया जाता है कि आबंटन या पट्टा विलेख विधि की दुरुभिराधि या उसके उल्लंघन में कपटपूर्ण दस्तावेज के निबंधनों और शर्तों का अतिक्रमण किया गया है तो नगर निकाय उक्त भूखण्ड पर उसके किसी सन्निर्माण सहित उसे प्रतिसंहत करेगा जो सभी प्रभारों से रहित नगर निकाय में निहित समझे जायेंगे और नगर निकाय किसी भी व्यक्ति को कायित किसी भी प्रकार की नुकसानी के लिये दायी नहीं होगा।
- नोट: इस भूखण्ड की नियमन की सम्पूर्ण राशि 53113/- रुपये होती है। अतएव इसमें न
- AB543741 स्टॉम्प रुपये 100/- संख्या 01 बहिस्सित पट्टा इसके साथ लगाये जाते हैं।

भू-खण्ड विवरण	विस्तृत नाप	पट्टीस
उत्पत्ति ग्राम	बोली नगरी	पूर्व - 21'-0"
खसरा नम्बर	1586, 3721/1587	पश्चिम - 21'-0"
क्षेत्रफल	- 945.00 वर्गफिट	उत्तर - 45'-0"
भू-खण्ड संख्या	- 4	दक्षिण - 45'-0"
		पट्टीस P. No. 14
		Prop. Road 30'-0" wide
		P. No. 3
		P. No. 5

इसके साक्षी एवं इसके पक्षकारों ने इसके बाद प्रत्येक दशा में निर्देशित स्थानों और तारीखों पर अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

आज सन् 2015 माह 11 के 13 वे दिन को श्रीमती कीर्ति राठौड सक्षम अधिकारी उदयपुर ने निम्न की उपस्थिति में न्यास उदयपुर में हस्ताक्षर किये।

प्राधिकृत अधिकारी
विशेषाधिकारी
नगर विकास प्रन्यास
सक्षम अधिकारी (को-हस्ताक्षर)

साक्षी :

- नाम लक्ष्मण गुर्जर
पिता का नाम श्री नारायण जी गुर्जर
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर



साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम कैलाश शर्मा
पिता का नाम श्री भगवती लाल जी
व्यवसाय न्यास सेवा
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

पट्टेदार की ओर से :

आज सन् 2015 माह के 11 वे दिन को की उपस्थिति में उक्त श्री छगनलाल पिता कमला भील द्वारा कार्यालय, नगर विकास न्यास, उदयपुर में हस्ताक्षर किये गये।

छगनलाल

पट्टेदार के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम स्वप्निल बाबेल
पिता का नाम श्री मूपेन्द्र बाबेल
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

साक्षी के हस्ताक्षर

साक्षी :

- नाम दुर्गेश भीणा
पिता का नाम श्री केसुलाल जी
व्यवसाय व्यापार
निवास स्थान उदयपुर

उप-पंजीयक
उदयपुर-द्वितीय

साक्षी के हस्ताक्षर



राजस्थान RAJASTHAN

28 JUL 2015

AB 543741

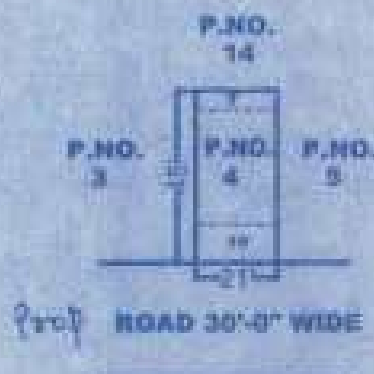
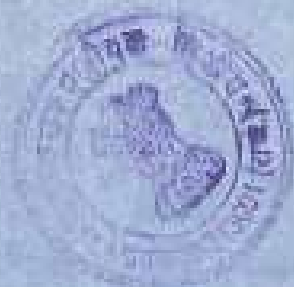
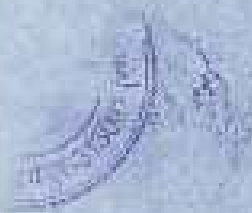


राजस्व ग्राम धोली मगरी खसरा नम्बर 1586,
3721 / 1587 भूखण्ड संख्या 4 क्षेत्रफल 945.00
वर्गफीट के साथ संलग्न है ।



[Signature]
प्राधिकृत अधिकारी
(ओ.एस.डी.)
नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

उपपंजीयक
उदयपुर-द्वितीय



REF.

PLOT SIZE 21'-0" X 45'-0"

PLOT AREA 945.00 SQ. FT.

उप-प्रजापति
उदयपुर-दिलीय



SITE PLAN OF PLOT NO. 4

IN K. NO. 1586, 3721/1567

REV. VILLAGE OHOLI MAGRI, UDAIPUR

J. D. MAN

TRACER

SCALE
1" = 50 FEET

CHECKED BY

Deputy Town Planner
U.I.T. Udaipur

प्राधिकृत अधिकारी
विशेष अधिकारी
नगर विकास प्रकल्प
उदयपुर-दिलीय

URBAN IMPROVEMENT TRUST, UDAIPUR



आज दिनांक 5 माह November सन् 2015 को 11:38 बजे
 श्री/श्रीमती/सुश्री CHHAGAN LAL पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KAMLA Ji
 उम्र 45 वर्ष, जाति BHIL व्यवसाय LABOUR
 निवासी RAKAMPURA UDR
 ने मेरे सम्मुख दस्तावेज पंजीयन हेतु प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता
 (2015016644)

हस्ताक्षर उप पंजीयक, UDAIPUR-II

(Lease deed for local bodies (Patta))

हस्ताक्षर

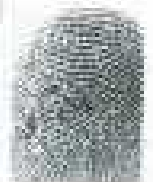
फोटो

अंगूठा

उक्त श्री/श्रीमती/सुश्री (Executant)
 1-CHHAGAN LAL/KAMLA Ji
 Age:45, Caste-BHIL
 Occu.-LABOUR
 R/O-RAKAMPURA UDR



हस्ताक्षर



2-SECRETARY/UIT
 Age:0, Caste-
 Occu.-
 R/O-UDR

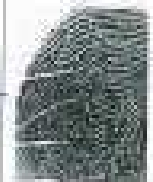
ने लेख्यपत्र Lease deed for local bodies (Patta)
 को पढ़ सुन व समझकर निष्पादन करना स्वीकार किया।
 प्रतिफल राशी रु0 53113/- पूर्व में/मेरे
 समक्ष/मे से रु0 53113/-पूर्व में _____
 यमेरे समक्ष प्राप्त करना स्वीकार किया।

उक्त निष्पादन कर्ता की पहचान

1. श्री/श्रीमती/सुश्री MAJID KHAN
 पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री JIYARAT KHAN उम्र 55 वर्ष
 जाति MUSLIM व्यवसाय BUSINESS
 निवासी NEW COLONY GOVERDHAN VILAS UDR

2. श्री/श्रीमती/सुश्री DURGESH
 पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री KESHU LAL Ji उम्र 37 वर्ष
 जाति MEENA व्यवसाय SERVICE
 निवासी DETYA MAGRI UDR ने की है जिनके

माजीद खान



समस्त हस्ताक्षर एवं अंगूठा के निशान मेरे समक्ष लिये गये हैं।

(2015016644)

उप पंजीयक, UDAIPUR-II

(Lease deed for local bodies (Patta))

रसीद नं० 2015016856 दिनांक 05/11/2015
पंजीयन शुल्क रु० 540/-
प्रतिलिपि शुल्क रु० 300/-
पृष्ठांकन शुल्क रु० 0/-
अन्य शुल्क रु० 0/-
कमी स्टाम्प शुल्क रु० 0/-
सरचार्ज 0/-
कुल योग रु० 840/-

(2015016844) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))

धारा 54 के तहत प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र
की मासियत रुपये 53113
मानते हुए इस पर देय कमी मुद्रांक
राशि 0 पर कमी पंजीयन शुल्क
रुपये 540 कुल रुपये 840
जरिये रसीद संख्या 2015016856 दिनांक 05/11/2015
में जमा किये गये है।
अतः दस्तावेज को रुपये 2680
के मुद्रांकों पर निष्पादित माना जाता है।

(2015016844) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))



आज दिनांक 05/11/2015 को
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 804
में पृष्ठ संख्या 2 क्रम संख्या 2015016807 पर
पंजिबद्ध किया गया तथा अतिरिक्त
पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 3214
के पृष्ठ संख्या 9 से 18 पर
बन्दा किया गया।

(2015016844) उप पंजीयक, UDAIPUR-II
(Lease deed for local bodies (Patta))



कार्यालय नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर (राज.)

पंजीकृत पावती-पत्र

क्रमांक: F.11()Regin-II / धोली मगरी/P.N. 4/2015/895

Date: 3-9-2015

आवंटन - पत्र

प्रेषित :

श्री छगनलाल पिता कमला भील

निवासी- रकमपुरा, उदयपुर

विषय : राजस्व ग्राम धोली मगरी के खसरा संख्या 1586, 3721/1587 भूखण्ड सं 4 क्षेत्रफल 105.00 (वर्गगज) के आवंटन के संबंध में।

उपरोक्त विषय में लेख है कि राज्य सरकार के अधिसूचना क्रमांक F.3 (77) UDD /3/2010 दिनांक 28.06.2010 एवं राजस्थान सरकार के स्थानीय स्वायत्त शासन, नगरीय विकास और आवासन विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ.3 (50) यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 के अनुसार आप द्वारा कृषि भूमि का आवासीय प्रयोजन के लिये उपयोग कर इस प्रयोजन हेतु रुपान्तरण / नियमन हेतु आवेदन किये जाने पर विषयांकित कृषि भूमि प्राधिकृत अधिकारी (सचिव) नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के प्रकरण संख्या 30/2015 आदेश संख्या 172 से 177 में पारित आदेश दिनांक 04.08.2015 में राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क के अनुरूप राज्य सरकार के पक्ष में पुनर्ग्रहित घोषित की जा चुकी है। इस पुनर्ग्रहण आदेश से यह भूमि स्वतः नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर में निहित हो गई है।

अतः विषयांकित भूखण्ड संख्या 4 जिसका क्षेत्रफल 945.00 वर्गफीट = 105.00 वर्गगज उक्त अधिसूचना एवं जारी आदेशों की पालना में आपको 99 वर्ष की लीज होल्ड आधारों पर शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उसमें समय समय पर किये जाने वाले संशोधनों, राज्य सरकार / नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर द्वारा जारी आदेशों एवं निर्देशों के अध्याधीन आवंटित / नियमित की जाती है। आपको निम्नांकित प्रकार से राशि नगर विकास प्रन्यास के कोष में इस आवंटन पत्र के 30 दिनों के अन्दर - अन्दर जमा करानी है-

1.	राजस्थान सरकार के नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना क्रमांक ए 3(50)नविपि/ 03/2012 जयपुर दिनांक 21-09-2012 अनुसार कृषि भूमि के अकृषि प्रयोजनार्थ उपयोग के लिये अनुज्ञा उपरान्त आवंटन हेतु आवासीय प्रिनियम दर 88.20/- रुपये प्रति वर्गगज की दर से 105.00 वर्गगज की राशि	9261 /-रु.
2.	एकवारीय लीज राशि एक साथ 8 वर्ष की लीज राशि	7489 /-रु.
3.	मूलभूत आधारभुत संरचना डामर, सड़क व विद्युत लाईन उपलब्ध होने से नई टाउनशिप पॉलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 10 के नोट संख्या (1) अनुसार बहम विकास शुल्क 100/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	14643 /-रु.
4.	आन्तरिक विकास शुल्क 140/-रु. प्रति वर्गमीटर की दर से (नई टाउनशिप पॉलिसी 2010 के बिन्दु संख्या 5(3) के अनुसार (संपूर्ण योजना क्षेत्र पर)	20500 /-रु.
5.	प्रकाशन व अन्य शुल्क यदि कोई हो	300 /-रु.
6.	साईट प्लान एवं डिमांस्केशन शुल्क	1000 /-रु.
(अ)	कुल जमा योग्य राशि (1 - 6 तक)	53113 /-रु.
7.	राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ.3 (50) यूडीएच / 3 / 2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 अनुसार न्यास चालान नं. 8808 दिनांक 20.05.2015 से प्रिनियम दर की 10 प्रतिशत जमा राशि 48922/- रु. (भूखण्ड क्षेत्रफल अनुपात अनुसार)	2311 /-रु.
8.	भू.रु. कार्यालय में जमा राशि का चालान नं..... दिनांक	0 /-रु.
9.	दिनांक 31-3-2000 तक राशि रु..... जमा कराने से 5 प्रतिशत छूट	0 /-रु.
(ब)	कुल जमा (7 - 09 तक)	2311 /-रु.
	कुल जमा योग्य राशि (अ - ब) - अक्षरों रु. पचास हजार आठ सौ दो मात्र	50802 /-रु.

आवंटन पत्र की सामान्य शर्तें एवं बाध्यताएं निम्न प्रकार हैं :-

- 1- उपरोक्त शशि आपके इस सूचना पत्र की प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर - अन्दर जमा करानी है। इस अवधि के पश्चात् शहरी भूमि निस्तारण नियमों के अनुसार ब्याज पेनाल्टी एवं निरस्तीकरण से संबंधित कार्यवाही की जायेगी।
- 2- यदि आवंटित / समर्पित एवं पुनर्ग्रहित भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित यदि कोई विवाद उत्पन्न हुआ तो उसका संपूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा। भूमि यदि किसी कारणवश या स्वामित्व के अभाव या आपके स्वामित्व के दोष के कारण आपके हाथों से निकल जायेगी तो यह आवंटन स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा और भूमि एवं उस पर निर्माण, यदि कोई है, उसे न्यास तत्काल अपने आधिपत्य में बिना मुआवजा दिये, लेने को अधिकृत होगा। साथ ही आवंटित भूमि के अतिरिक्त दोष भूमि पर आपका कोई हक व अधिकार नहीं होगा ना ही आप किसी प्रकार से अन्य कोई मुआवजा प्राप्ति के अधिकारी होंगे।
- 3- लीजडीड नई टाउनशिप पोलिसी - 2010 के प्रावधानों एवं राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ. 3 (50)यूडीएच/3/2012 जयपुर दिनांक 31.05.2012 एवं इस अनुसरण में समय- समय पर जारी परिपत्रों, आदेशों के अनुसार जारी की जायेगी।
- 4- इस हेतु आप निर्धारित शशि के नॉन - ज्यूडिशियल स्टॉम्प सचिव, नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के नाम से प्रस्तुत करें। एकदारीय लीज शशि जमा कराने पर भविष्य में लीज शशि देय नहीं होगी।
- 5- भूखण्ड का प्लान नियमानुसार स्वीकृत कराकर स्वीकृत प्लान अनुसार निर्माण करना अनिवार्य होगा।
- 6- देय शशि क्षेत्रफल के अनुसार घटी - बढी होने पर परिवर्तनीय है।
- 7- पश्चातवर्ती किसी भी अनुक्रम पर यदि यह पाया जाता है कि यह आवंटन / नियमन प्राप्त करने में इस भूमि के खालेदारों या आवेदकों या अन्य किसी व्यक्ति ने कपटपूर्वक वास्तविक तथ्यों को छिपाया है या तथ्यों का कथन असत्य रूप से करते हुए छलपूर्वक यह आवंटन / नियमन प्राप्त किया है तो उक्त आदेश स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण यदि कोई हो उसके साथ स्वतः न्यास में निहित हो जायेंगे और तत्काल ही उक्त पर अधिभोग रखने वाले व्यक्ति को बिना क्षतिपूर्ति के बेदखल कर दिया जायेगा। इस संबंध में आवंटनी या उसकी पश्चातवर्ती कैंता की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
- 8- यह आवंटन इन तथ्यों के अधीन है कि आवेदक का जो अभिकथन शपथ पत्र एवं क्षतिपूर्ति बन्ध पत्र एवं आवेदन पत्र में जो कथन अंकित किये गये है वे एवं भूमि के स्वामित्व एवं आधिपत्य से संबंधित सारे कथन सही एवं सत्य हैं। इसमें से किसी एक के भी असत्य पाये जाने पर यह आवंटन स्वतः निरस्त हो जायेगा।
- 9- पश्चातवर्ती अनुक्रम में राज्य सरकार के निर्देशों से अंकेक्षण या गणना की त्रुटि सुधार से कोई भी देय शशि और निकलती हो तो ऐसी शशि जमा कराने को आवंटनी बाध्य होगा।
- 10- उपरोक्त में से किसी एक शर्त या शहरी भूमि निस्तारण नियम, 1974 एवं उस पर समय समय पर किये जाने वाले संशोधन, राज्य सरकार एवं न्यास के निर्देश एवं निर्णयों की पालना करने हेतु आवंटनी / कैंता बाध्य होगा। इसमें से किसी एक के ही उत्सर्धन करने पर आवंटन स्वतः निरस्त होकर भूमि एवं उस पर निर्माण सहित भवन बिना क्षतिपूर्ति के न्यास में निहित हो जायेगा।
- 11- जिस प्रयोजन के लिये भूखण्ड नियमित / आवंटित किया गया है, उससे भिन्न प्रयोजन के लिये भूखण्ड का उपयोग नहीं लिया जा सकेगा।
- 12- "योजना में समस्त विकास कार्य योजना / निर्माणकर्ता / आवंटनी खालेदार को अपने स्तर पर कराना होगा। न्यास द्वारा मात्र बाह्य विकास शुल्क लिया गया है।


(राम निवार्सी मेहता)
सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

प्रतिलिपि:

- 1- उप नगर नियोजक, न्यास को साईट प्लान की प्रति तैयार करने हेतु।
- 2- गार्ड फाईल।


सचिव

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर